Ranchi • Monday, 07 April 2025 • Year : 03 • Issue : 82 • Ranchi Edition • Page : 12 • Price : ₹3 • www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

SARAFA

सोना	:	8,500
चांदी	:	103.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

आईएसआई का एजेंट हथियार के साथ अरेस्ट

CHANDIGARH : पंजाब पुलिस ने अमृतसर से पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के एक एजेंट को हथियारों समेत गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से नकदी भी बरामद की गई है। पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने रविवार को इस बारे में बताया कि आरोपी के पास से एक ग्लॉक (9 एमएम पिस्तौल), एक .30 कैलिबर पिस्तौल, 3 मैगजीन और दो लाख 15 हजार 500 रुपये की नकली करेंसी बरामद की है। आरोपी की पहचान अमृतसर देहात क्षेत्र निवासी जरमन सिंह के रूप में हुई है। डीजीपी ने बताया कि आरोपी पाकिस्तानी एजेंसी आईएसआई के लिए काम कर रहा था। उन्होंने कहा कि सीमा पार से तस्करी और आतंकी नेटवर्क के खिलाफ एक बड़ी सफलता हासिल हुई है। अमृतसर देहात पुलिस ने जर्मन सिंह को हथियारों और नकली मुद्रा के साथ गिरफ्तार किया।

भारतीय मूल के जज अमेरिका में गिरफ्तार

NEW DELHI : भारतूय मूल के जज केपी जार्ज को अमेरिका में गिरफ्तार करने की खबर है। हालांकि बाद में उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया। उधर जार्ज ने इसे राजनीतिक साजिश करार बताते हुए सभी आरोपों को खारिज कर दिया। मामला अमेरिका के टेक्सास राज्य के फोर्ट बेंड काउंटी का है। डिस्ट्रिक्ट अटार्नी के मुताबिक भारतीय मूल के जार्ज पर कथित तौर पर 30 हजार से 1.5 लाख डालर की मनी लांड्रिंग का आरोप है। इसके अलावा उन पर वायर फ्राड और चुनावी फंडिंग में गड़बड़ी के भी कथित आरोप लगे हैं। उन्हें शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया था। फिलहाल 20 हजार डालर की जमानत पर रिहा कर दिया गया है।

राम धुन में रमी राजधानी

शहर की मुख्य सड़कों के साथ गली-मोहल्लों में भी 'जय श्री राम' और 'जय हनुमान' की गूंज

- सुबह से ही मंदिरों में पूजा-अर्चना के लिए रामभक्तों की लगी रही कतार
- महावीरी झंडों से पट गया पूरा शहर, शोभायात्राओं में युवाओं का दिखा करतब
- दोपहर बाद शहर के विभिन्न इलाकों से निकलीं झांकियां
- अखाड़ा समिति ने किया अस्त्र-शस्त्र का प्रदर्शन
- अल्बर्ट एक्का चौक पर अखाड़ा समितियों का किया गया स्वागत

PHOTON NEWS RANCHI : रविवार को रामनवमी के दिन राजधानी रांची राममय हो गई। एक-एक पल के साथ आस्था का उल्लास, उमंग और उत्साह का महौल दिखा। फिजा में जय श्री राम और जय हनुमान की गूंज। शोभायात्राओं में महावीरी झंडों के साथ युवाओं की तेज गति। राम धुन में राम भक्तों का मन मगन हो गया। रोम-रोम में राम। सांस-सांस में राम। भावना के हर प्रवाह में राम। जय श्रीराम के नारे से हर गली और चौराहा गूंज रहा था। मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम के जन्मोत्सव पर शहर के कई स्थानों पर अस्था की झांकी प्रदर्शित की गई। सुबह से ही हनुमान मंदिरों में लंबी कतारें लग गई थीं। श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की। मंदिरों में पंडितों ने पूजा-अर्चना करवाकर ध्वजारोहण कराया। लोगों ने भक्तिभाव से श्रद्धा और शांतिपूर्वक रामनवमी का त्योहार मनाया। दोपहर बाद अलग-अलग इलाकों से अखाड़ा समिति के लोग अपनी टोली के साथ निकले।

मर्यादा पुरुषोत्तम राम के आदर्शों को हम सभी अपने जीवन में करें आत्मसात : हेमंत सोरेन

रविवार को रामनवमी पर्व के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पत्नी और विधायक कल्पना सोरेन के साथ श्री राम जानकी तपोवन मंदिर पहुंचे। विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर राज्य की उन्नति, सुख-शांति और खुशहाली की कामना की। उन्होंने लोगों को रामनवमी महापर्व की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी रामनवमी के इस पावन अवसर पर आस्था के समागम का हिस्सा बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। भगवान श्री राम आप सभी की मनोकामनाएं पूरी करें, यही मंगलकामना है। मयार्दा पुरुषोत्तम राम के आदर्शों को हम सभी को अपने जीवन में आत्मसात करना चाहिए।

अयोध्या में सूर्य की किरणों ने किया रामलला का अभिषेक

उमड़ी भक्तों की भीड़, गर्मी से बचाव के लिए राम मंदिर परिसर में ने किया गया जल का छिड़काव

AGENCY AYODHYA : रविवार को रामनवमी के पावन अवसर पर रामनगरी अयोध्या में एक अद्वितीय दृश्य देखने को मिला। भगवान रामलला का सूर्य तिलक हुआ जिसे देखने के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। दोपहर 12 बजे रामलला के माथे पर सूर्य तिलक किया गया। इसकी जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफार्म ह्यएक्सह्ण पर पहले ही दे दी गई थी। रामनवमी के लिए अयोध्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। गर्मी से बचाव के लिए जल का छिड़काव यहां प्रशासन की ओर से किया गया। श्रद्धालुओं पर सरयू जल का छिड़काव किया गया। 20-30 लाख श्रद्धालुओं के अयोध्या पहुंचने की संभावना व्यक्त की गई। इसको लेकर प्रशासन ने सुरक्षा और यातायात व्यवस्था की चाक-चौबंद व्यवस्था की थी। प्रमुख स्थानों पर श्रीराम जन्मोत्सव का लाइव प्रसारण सूचना विभाग द्वारा किया गया। इसके लिए फिक्स

एलईडी व विभिन्न स्थानों पर एलईडी डिस्प्ले बोर्ड आदि लगाए गए। दूरदर्शन द्वारा जारी किये गये लाइव लिंक के अनुसार प्रसारण किया गया, जिससे अयोध्या आने वाले श्रद्धालु श्रीराम जन्मोत्सव को देख सके।

24 घंटे में रांची के मैक्सिमम टेंपरेचर में 3 डिग्री सेल्सियस का इजाफा

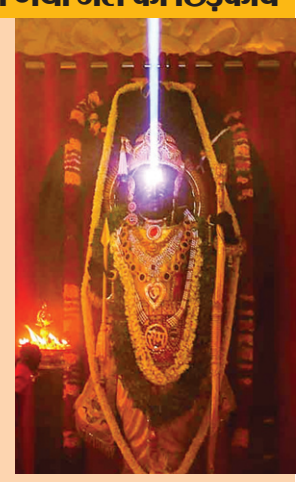

सितम : मौसम साफ होने के साथ बढ़ गई गर्मी

पलामू, बोकारो और जमशेदपुर में 40 डिग्री तक पहुंच गया तापमान

PHOTON NEWS RANCHI : रविवार को रामनवमी के दिन राजधानी रांची सहित पूरे झारखंड में सुबह से ही मौसम साफ रहा। मौसम साफ होते ही तापमान बढ़ता गया। रांची में 24 घंटे के भीतर ही तापमान में तीन डिग्री की वृद्धि दर्ज की गई। पलामू, बोकारो और जमशेदपुर में तापमान बढ़कर 40 डिग्री तक पहुंच गया। मौसम विभाग की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार राज्य में सोमवार से मौसम एक फिर करवट लेगा और पश्चिमी विछोभ और निम्न दबाव के कारण सभी जिलों में तेज हवा और वज्रपात को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। सात अप्रैल को उत्तर-पूर्वी भागों में कही-कहीं गर्जन और 30 से 40 किमी की गति से हवा चलने की आशंका है।

कल के लिए ऑरेंज अलर्ट

आठ अप्रैल को विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी करते हुए दक्षिणी और उत्तर-पूर्वी भागों में कहीं-कहीं पर गर्जन और 40 से 50 किमी की गति से हवा चलने और वज्रपात होने होने की आशंका व्यक्त की है। इसके अलावा मध्यवर्ती और इससे लगे उत्तर-पूर्वी हिस्सों में भी कहीं कहीं पर गर्जन और 30 से 40 किमी की हवा चलने और वज्रपात की आशंका है। नौ अप्रैल को भी ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इसके अनुसार दक्षिण-पूर्वी और पूर्वी-मध्य भाग के कुछ जिलों में गर्जन और 40 से 50 किमी की गति से हवा चलने की आशंका व्यक्त की गई है। दक्षिणी-पश्चिमी, मध्य तथा उत्तर-पूर्वी जिलों में कहीं कहीं गर्जन और 30 से 40 किमी की गति से हवा चलने को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है।

जमीअत उलमा-ए-हिंद ने वक्फ संशोधन कानून को सुप्रीम कोर्ट में दी चुनौती

- राज्य इकाइयां भी इस कानून के खिलाफ संबंधित राज्यों के हाईकोर्ट में दाखिल करेंगी याचिकाएं

NEW DELHI : संसद के दोनों सदनों से पारित वक्फ संशोधन कानून को राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के बाद जमीअत उलमा-ए-हिंद ने इस कानून की संवैधानिक वैधता को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी का कहना है कि यह कानून भारतीय संविधान पर सीधा हमला है। भारत का संविधान न सिर्फ सभी नागरिकों को समान अधिकार देता है, बल्कि पूर्ण धार्मिक स्वतंत्रता भी प्रदान करता है। यह कानून मुसलमानों की धार्मिक स्वतंत्रता छीनने की साजिश है, जो पूरी तरह संविधान के खिलाफ है। जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने कहा कि हमने पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि अगर यह बिल कानून बन गया तो हम इसे देश की सर्वोच्च अदालत में चुनौती देंगे। इसलिए राष्ट्रपति की मुहर लगते ही जमीअत ने इस कानून के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में रिट याचिका दाखिल कर दी है। उन्होंने कहा कि जमीअत की राज्य इकाइयां भी इस कानून के खिलाफ संबंधित राज्यों के हाई कोर्ट में याचिकाएं दाखिल करेंगी।

रामनवमी पर तमिलनाडु के रामनाथ स्वामी मंदिर में पीएम ने की पूजा-अर्चना

- तीन दिनों की श्रीलंका यात्रा समाप्त करने के बाद सीधे रामेश्वरम पहुंचे प्रधानमंत्री
- श्रीलंका से लौटते हुए मोदी ने विमान से रामसेतु को भी देखा पोस्ट किया वीडियो
- बोले मोदी- राज्य सरकार तमिल में मेडिकल कोर्स शुरू करे, ताकि गरीबों के बच्चे बनें डॉक्टर

AGENCY CHENNAI : रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रामनवमी पर तमिलनाडु के रामेश्वरम स्थित रामनाथ स्वामी मंदिर में पूजा-अर्चना की। प्रधानमंत्री तीन दिनों के श्रीलंका दौरे से सीधे रामेश्वरम पहुंचे। श्रीलंका से लौटते हुए मोदी ने विमान से रामसेतु देखा। उन्होंने इसका वीडियो भी पोस्ट किया है। मोदी ने लिखा- श्रीलंका से लौटते हुए विमान से रामसेतु के दर्शन किए। यह तभी हुआ, जब अयोध्या के राम मंदिर में रामलला का सूर्य तिलक हो रहा था। यह दिव्य अनुभव था। प्रभु श्रीराम हम सभी को जोड़ने वाली शक्ति हैं। पीएम ने कहा- देखिए कितना सुखद संयोग है। रामनवमी का पवित्र दिन है, रामेश्वरम की धरती है। यहां पर पम्बन ब्रिज का उद्घाटन हुआ। 100 साल पहले जिसने यह ब्रिज बनाया, वह गुजरात में पैदा हुआ था। नए ब्रिज का जिसने उद्घाटन किया उसका जन्म भी गुजरात में हुआ है। साथियों, जब राम नवमी है। रामेश्वर की पवित्र भूमि है। तब मेरे लिए भावुक पल भी है। आज भारतीय जनता पार्टी का स्थापना दिवस है। विकसित और समृद्ध भारत का जो लक्ष्य हम लेकर चल रहे हैं, उसमें एक-एक कार्यकर्ता का काम है। तीन-चार पीढ़ियां इसमें खप गई हैं।

भविष्य की चिंता अन्य जीवों के साथ इंसान की सेहत के लिए भी अत्यंत खतरनाक

धरती की छाती को अंदर से छलनी कर रहा प्लास्टिक कचरे का भार

ओआईसीडी की रिपोर्ट में खुलासा, साल 2060 तक तीन गुना होगा प्लास्टिक कचरा

वर्तमान समय में 20 फीसद से भी कम प्लास्टिक का किया जाता है पुनर्नवीनीकरण

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK : सारी दुनिया प्रदूषण की मार झेल रही है। वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण और प्लास्टिक कचरा से विभिन्न प्रकार की समस्याएं पैदा हो रही हैं। हाल की एक महत्वपूर्ण रिपोर्ट से यह जानकारी मिल रही है कि प्लास्टिक कचरा दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। कचरे का अधिकतर हिस्सा जमीन के नीचे डंप किया जाता है। इस वजह से भीतर से धरती की छाती भी विकृत हो रही है या यह कहें कि छलनी होती जा रही है। रिपोर्ट में यह बताया गया है कि आने वाले दशकों में प्लास्टिक कचरे की मात्रा खतरनाक स्तर पर पहुंच सकती है। प्लास्टिक कचरा न सिर्फ जीव-जंतु, पर्यावरण के लिए, बल्कि इंसानों के लिए भी खतरनाक है। यह कचरे से निकलने वाले माइक्रोप्लास्टिक वायुमंडल में छह दिनों तक रह सकते हैं और इस दौरान कई महाद्वीपों की यात्रा कर सकते हैं। फसलों, पानी और हवा के जरिए प्लास्टिक कचरा इंसान के फेफड़ों में भी पाए गए हैं। यह अत्यंत चिंताजनक स्थिति है कि 2019 में जहां वैश्विक स्तर पर हर साल 35.3 करोड़ टन प्लास्टिक कचरा पैदा हो रहा था, वह 2060 तक तीन गुना बढ़कर 101.4 करोड़ टन के करीब पहुंच सकता है।

- इस कचरे का लगभग आधा हिस्सा लैंडफिल में किया जाता है डंप
- अगले 35 वर्षों में अमेरिका, यूरोप और पूर्वी एशिया में दोगुनी होगी प्लास्टिक की खपत

75 वर्षों में 830 करोड़ टन प्लास्टिक का किया जा चुका है उत्पादन

- अंधाधुंध विकास की वजह से दुनिया में तेजी से फैलता जा रहा प्लास्टिक प्रदूषण
- वैसी जगहों पर भी मिले हैं प्लास्टिक के अवशेष, जहां इंसानों का सीधा प्रभाव नहीं

औद्योगिक क्षेत्रों में हो रहा व्यापक उपयोग

रिपोर्ट के अनुसार पैकेजिंग, कंस्ट्रक्शन, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, टायर और रोजमर्रा की जरूरतों से लेकर औद्योगिक क्षेत्रों तक इसका व्यापक उपयोग किया जा रहा है। यही हाल रहे तो 2060 तक उत्तरी अमेरिका, यूरोप और पूर्वी एशिया में प्लास्टिक की खपत दोगुनी हो जाएगी। तेजी से विकसित हो रही अर्थव्यवस्थाओं में यह 3 से 5 गुना तक बढ़ सकती है। उप सहारा अफ्रीका में प्लास्टिक की मांग 6 गुना तक बढ़ने की संभावना है।

सारंडा में मिला 5 किलो का आईईडी, 3 बंकर व डंप भी किए गए ध्वस्त, अभियान रहेगा जारी

सुरक्षाबलों ने सर्च ऑपरेशन के दौरान बरामद किए काफी संख्या में दैनिक उपयोग के सामान

- नक्सली साहित्य, कामरेड के चित्र व पुस्तकें भी बंकर में मिले

बंकर व डंप से मिले दैनिक उपयोग के सामान व नक्सली पुस्तकें व विस्फोट का दृश्य

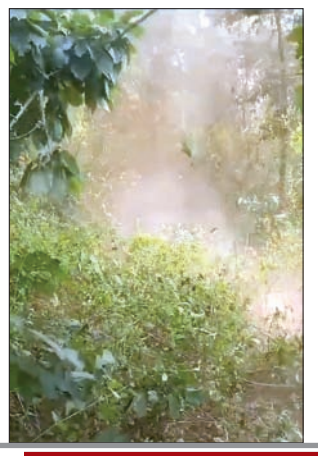

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिला में नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में लगातार दूसरे दिन रविवार को भी पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। सुरक्षा बल के जवानों ने रविवार को जराईकेला थाना अंतर्गत वनग्राम बाबुडेरा के समीप जंगली और पहाड़ी क्षेत्र में नक्सलियों द्वारा पहले से लगाए गए एक शक्तिशाली 5 किलोग्राम के आईईडी का पता चला। बम निरोधक दस्ते की मदद से इसे सुरक्षित रूप से उसी स्थान पर निष्क्रिय किया गया। इसके अलावा, इलाके में बनाए गए तीन नक्सली बंकरों और डंप को भी ध्वस्त किया गया। ध्वस्त किए गए बंकरों से सुरक्षा बलों को काफी संख्या में दैनिक उपयोग की वस्तुएं और नक्सली गतिविधियों से संबंधित सामग्री मिली है, जिनसे नक्सलियों की मौजूदगी और भविष्य की साजिशों का अंदाजा लगाया जा सकता है।

सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम चला रही अभियान

सुरक्षा बलों का नक्सलियों का खिलाफ 4 मार्च 2025 से एक विशेष संयुक्त अभियान की शुरूआत की गई। यह अभियान खासकर छोटानागरा और जराईकेला थाना क्षेत्र के सीमावर्ती जंगली और पहाड़ी इलाकों में केंद्रित है। इसमें चाईबासा पुलिस के साथ कोबरा 203 और 209 बटालियन, झारखंड जगुआर तथा सीआरपीएफ की 26, 60, 134, 174, 193 और 197 बटालियनों की टीमें सक्रिय रूप से शामिल हैं।

स्थानीय लोगों से सहयोग की अपील

प्रशासन और पुलिस ने क्षेत्र के ग्रामीणों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि या वस्तु की सूचना तुरंत नजदीकी थाने को दें। साथ ही यह भरोसा दिलाया गया है कि उनकी पहचान गोपनीय रखी जाएगी और उन्हें हरसंभव सुरक्षा प्रदान की जाएगी।

इन नक्सलियों के सक्रिय रहने की सूचना

नक्सली संगठन भाकपा-माओवादी के शीर्ष नेतृत्व की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद चाईबासा पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा बलों ने सारंडा और कोल्हान क्षेत्र में व्यापक नक्सल विरोधी अभियान तेज कर दिया है। हालिया सूचना के बाद संगठन के कुख्यात नेता मिसिर बेसरा, अनमोल, मोछु, अनल, असीम मंडल, अजय महतो, सागेन अंगरिया, अश्विन, पिंटु लोहरा, चंदन लोहरा, अमित हांसदा उर्फ अपटन, जयकांत और रापा मुंडा अपने दस्ता सदस्यों के साथ विध्वंसक गतिविधियों की योजना बनाते हुए क्षेत्र में सक्रिय हैं।

बरामद किए गए सामान

1. 05 किलोग्राम का 01 आई.ई.डी.
2. इलेक्ट्रिक डेटोनेटर-01
3. पिट्ठू बैग-02
4. प्रिंटर
5. नक्सली लाल झंडा
6. नक्सली बैनर
7. नक्सली वर्दी-02
8. नक्सली पोस्टर
9. नक्सली दस्तावेज
10. लोहे की कीलें
11. मैनुअल हैंड ड्रिल
12. रेडियो-01
13. बोल्ट कटर
14. पटाखे
15. ब्लैक वेब बेल्ट
16. मल्टीमीटर
17. जैकेट-03
18. जूते-07 जोड़ी
19. चप्पल-04 जोड़े
20. सिविल ट्राउजर-04
21. सिविल शर्ट-02
22. टोपी-01
23. मच्छरदानी-01
24. चार्जर-02
25. पेंट कैन-04
26. पेंट ब्रश-05
27. आरी-01
28. विभिन्न प्रकार की जीवनरक्षक दवा
29. अन्य दैनिक उपयोग के सामान

अंतर जिला सीनियर महिला क्रिकेट प्रतियोगिता कल से

CHAIBASA : झारखंड राज्य क्रिकेट संघ के तत्वावधान में पश्चिमी सिंहभूम जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अंतर जिला सीनियर महिला क्रिकेट प्रतियोगिता 8 अप्रैल से चाईबासा के बिरसा मुंडा क्रिकेट स्टेडियम में प्रारंभ होने जा रहा है। इस प्रतियोगिता में ग्रुप-बी के सारे लीग मैच चाईबासा में ही खेले जाएंगे। इसके अलावा सुपर डिवीजन के तीन मैच तथा फाइनल मैच भी चाईबासा में ही होगा। राज्य क्रिकेट संघ द्वारा जारी टाई शीट के अनुसार उद्घाटन मैच में 8 अप्रैल को बोकारो का मुकाबला लोहरदगा से, 9 अप्रैल को रांची का मुकाबला लोहरदगा से तथा 10 अप्रैल को बोकारो का मुकाबला रांची से होगा। इसी तरह 11 अप्रैल को लोहरदगा का मुकाबला रामगढ़ से, 12 अप्रैल को रांची का मुकाबला रामगढ़ से तथा अंतिम लीग मैच में बोकारो का मुकाबला रामगढ़ से होगा।
इस प्रतियोगिता में सुपर डिवीजन के मैच 15 से 17 अप्रैल तक तथा फाईनल मैच 19 अप्रैल को चाईबासा के बिरसा मुंडा क्रिकेट स्टेडियम मैदान पर खेला जाएगा।

BRIEF NEWS

रामनवमी पर उमड़ा आस्था का सैलाब

LOHARDAGA : रामनवमी को लेकर लोहरदगा जिले में उल्लास और भक्ति का माहौल देखने को मिल रहा है। शहर से लेकर गांव तक रामभक्ति के रंग में रंगे नजर आ रहे हैं। जगह-जगह महावीरी झंडे और पताकाएं लगाई गई हैं, वहीं अखाड़ों में डंका बजाकर रामभक्तों ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया है। युवाओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है। जिले भर में केंद्रीय महावीर मंडल के द्वारा संपूर्ण व्यवस्था पर निगरानी रखी जा रही है। मंडल के नेतृत्व में थाना चौक से भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। शोभायात्रा में आकर्षक झांकियां लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी रहीं।रामनवमी को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक बंदोबस्त किए हैं। जगह-जगह पुलिस बल की तैनाती की गई है, दंडाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है और ड्रोन के माध्यम से निगरानी की जा रही है।

बहरागोड़ा में आज शुरू होगा कैंसर अस्पताल का क्लिनिक

GHATSILA : बहरागोड़ा में 7 अप्रैल से मेहरबाई टाटा मेमोरियल अस्पताल द्वारा भाभा स्वास्थ्य केंद्र, जयप्रकाश नारायण सामुदायिक भवन, पिटपुर में कैंसर आउटरीच क्लिनिक शुरू होगा। इस अवसर पर पूर्वी सिंहभूम के उपायुक्त अनन्य मित्तल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की अगुवाई अस्पताल के निदेशक डॉ. कोशी वर्गीज करेंगे। इस क्लिनिक के माध्यम से अब बहरागोड़ा एवं आस-पास के क्षेत्रों के लोगों को कैंसर संबंधी जांच एवं प्रारंभिक परामर्श की सुविधा बिना किसी शुल्क के यहीं उपलब्ध होगी.

अपराधियों ने दंपती को मारी गोली महिला की हुई मौत, पति भी गंभीर

AGENCY PALAMU : पलामू में अपराधियों ने शनिवार की रात घर में घुसकर पति और पत्नी को गोली मार दी। इस घटना में पत्नी की मौत हो गई, जबकि पति का हॉस्पिटल में ईलाज चल रहा है। घटना पंडवा थाना क्षेत्र के कजरी गांव की है। गोली चलाने वाले एक अपराधी को ग्रामीणों ने पकड़ कर पुलिस को सौंप दिया। कजरी के रहने वाले रामा सिंह (50) अपनी पत्नी बबीता देवी (45) के साथ रात में खाना खाने बैठे थे। तभी एक व्यक्ति आवाज देते हुए उनके घर में आया और गोली चला दी। गोली बबीता देवी को लगी। गोली मारने वाला भागने लगा तो रामा सिंह हल्ला करते हुए उसके पीछे दौड़े तो अपराधी ने रामा सिंह पर भी गोली चला दी। गोली रामा सिंह के कंधे के पास लगी। शोर सुनकर ग्रामीण भी इकट्ठा हो गए और गोली चलाने वाले एक अपराधी को पकड़ लिया।

अस्पताल में पूछताछ करते पुलिस पदाधिकारी ● फोटोन न्यूज

अपराधी दो की संख्या में आए थे। मगर एक अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकला। गोली लगे दंपति को ईलाज के लिए लोग एमआरएमसीएच लेकर आए, जहां महिला की स्थिति गंभीर देखते हुए बेहतर ईलाज के लिए रेफर कर दिया गया था। मगर रास्ते में ही महिला ने दम तोड़ दिया। घटना का कारण गांव के ही पन्ना सिंह के साथ पुराना रंजिश बताया जा रहा है। गोली चलाने वाले अपराधी बिहार के रहने वाले हैं। हथियार के साथ पकड़ा गया। रोशन पासवान गया के सलेमपुर का रहने वाला है। फरार अपराधी सलेमपुर का ही राजा पासवान है।
जख्मी हालत में रामा सिंह ने पुलिस को बताया कि दो वर्ष पहले उनका बेटा नंदन सिंह गांव के पन्ना सिंह के साथ लकड़ी का कारोबार करता था। इसी दौरान पन्ना सिंह ने गया के अपराधियों से ही बेटे को पिटवाकर कंडा घाटी में फेंक दिया था। कुछ दिन पहले भी पन्ना सिंह ने बेटे को मारना चाहा था। उसने धमकी दी थी कि पूरे परिवार को गोली मार देंगे।
घटना की सूचना पर सदर एसडीपीओ मणिभूषण प्रसाद एमआरएमसीएच पहुंचे और मामले की जांच की। एसडीपीओ ने कहा कि बिहार का एक अपराधी पकड़ा गया है। घटना के कारण की पड़ताल की जा रही है। इधर घटना के बाद एमआरएमसीएच में पहुंचे डालटनगंज की विधायक आलोक चौरसिया ने कहा कि पलामू सहित पूरे झारखंड विधि व्यवस्था फेल हो गई है। कब किसी को कौन गोली मार दे, कुछ कहा नहीं जा सकता है।

रामनवमी के मद्देनजर डीसी-एसपी के नेतृत्व में निकाला गया फ्लैग मार्च

सड़क पर फ्लैग मार्च करतीं उपायुक्त नैन्सी सहाय व अन्य ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS HAZARIBAG : रामनवमी पर्व के मद्देनजर विधि-व्यवस्था संधारण एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए उपायुक्त नैन्सी सहाय एवं पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार सिंह के नेतृत्व में शहरी क्षेत्र में रूट का सत्यापन करते हुए फ्लैग मार्च निकाला गया। इस दौरान सभी प्रशासनिक पदाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी समेत पुलिस बल के जवानों ने रामनवमी जुलूस मार्गों पर फ्लैग मार्च किया। रामनवमी को लेकर जिला प्रशासन द्वारा विभिन्न स्थानों पर दंडाधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों एवं पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गई है। फ्लैग मार्च के दौरान उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने जुलूस मार्गों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में सड़क किनारे पड़ी भवन निर्माण सामग्री, सड़कों की स्थिति एवं विभिन्न स्थानों पर जुलूस के समय लगने वाले बैरिकेडिंग, अस्थायी शौचालय, बिजली, पेयजल, मेडिकल, अग्निशमन, एंबुलेंस आदि का अवलोकन कर संबंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए गए।
इस मौके पर उपायुक्त ने कहा कि रामनवमी का पर्व शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो, इसके लिए हजारीबाग जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन पूरी मुस्तैदी के साथ कार्य कर रहा है। असामाजिक तत्वों पर नजर रखी जा रही है। विधि व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करने वाले व्यक्ति के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जुलूस मार्गों से सटे निजी मकानों की छतों और खाली पड़े ग्राउंड की तस्वीर कैद की जा रही है। ड्रोन और सीसीटीवी कैमरे की मदद से भी निगरानी की जा रही है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निदेर्शों को माइकिंग कर जरूरी एहतियात संबंधी जानकारी लोगों को दी जा रही है।
उन्होंने कहा कि जगह जगह आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर और क्या करें, क्या न करें से संबंधित बैनर, पोस्टर लगाकर भी लोगों को जागरूक किया जा रहा है।

विश्व स्वास्थ्य दिवस आज : चिकित्सा सेवा चिंताजनक

धनबाद में 4500 लोगों पर मात्र एक डॉक्टर

- 32 लाख की आबादी वाले धनबाद में मात्र 700 सरकारी व निजी चिकित्सक दे रहे सेवा

PHOTON NEWS DHANBAD : झारखंड में सबसे ज्यादा जनसंख्या घनत्व वाले जिला धनबाद में 4500 लोगों पर एक डॉक्टर है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार कम से कम 1000 व्यक्ति पर एक डॉक्टर होना अनिवार्य है। यही कारण है कि यहां के सरकारी अस्पतालों में मरीजों को पूरा इलाज नहीं हो पा रहा है। स्वास्थ्य विभाग, मेडिकल कॉलेज और सदर अस्पताल के बावजूद डॉक्टरों की भारी कमी है। विश्व स्वास्थ्य दिवस 2025 में इस बार का थीम 'स्वस्थ शुरूआत, आशापूर्ण भविष्य' है। लेकिन, तमाम कोशिश के बावजूद धनबाद वासियों के लिए बेहतर स्वास्थ्य सेवा सपना ही है। शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में डॉक्टर के 189 पद स्वीकृत हैं। लेकिन, यहां 105 डॉक्टर ही सेवा दे रहे हैं। हर दिन डॉक्टर यहां रिटायर हो रहे हैं। स्थिति यह है कि 22 में से 18 विभागों में प्रोफेसर का पद खाली है। अस्पताल में कार्डियोलॉजिस्ट समेत कई विशेषज्ञों की कमी है। ऐसे में गंभीर मरीजों को सीधे रिम्स रांची अथवा दूसरे अस्पतालों में रेफर किया जा रहा है।

सेंट्रल, रेलवे व सदर अस्पताल का हाल एक जैसा

बीसीसीएल के केंद्रीय अस्पताल में 20 चिकित्सकों के पद खाली हैं। यहां 40 डॉक्टर ही सेवा दे रहे हैं। कभी न्यूरो सर्जरी में अग्रणी रहा यह अस्पताल अब रेफरल बनकर रह गया है। पिछले 5 वर्षों से न्यूरो सर्जरी विभाग भी बंद है। रेलवे अस्पताल में भी विशेषज्ञ नहीं हैं। 35 डॉक्टरों की जगह यहां करीब 15 डॉक्टर सेवा दे रहे हैं। यही स्थिति सदर अस्पताल की भी है। यहां 40 की जगह 15 डॉक्टर से काम चल रहा है।

सरकारी में 300, निजी में 400 डॉक्टर दे रहे सेवा

जिले के सरकारी अस्पताल और स्वास्थ्य केंद्रों में 300 सरकारी चिकित्सा सेवा दे रहे हैं। वहीं निजी क्षेत्र में 400 डॉक्टर सेवा दे रहे हैं। सरकारी अस्पताल और स्वास्थ्य केंद्र में 900 कर्मचारियों की जरूरत है। जबकि 400 कर्मचारी (इसमें अनुबंध भी) सेवा दे रहे हैं।

योजनाएं भी हो रहीं प्रभावित

डॉक्टर और कर्मचारियों की भारी कमी की वजह से कई सरकारी स्वास्थ्य योजनाएं लक्ष्य प्राप्त नहीं कर पा रही हैं। संस्थागत प्रसव, नियमित टीकाकरण, जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम, राष्ट्रीय बाल सुरक्षा कार्यक्रम, परिवार नियोजन आदि कार्यक्रम लक्ष्य से काफी पीछे चल रहे हैं।

मुख्यमंत्री सारथी योजना के तहत खोला गया केंद्र

DHANBAD : झारखंड कौशल विकास मिशन सोसाइटी की ओर से संचालित मुख्यमंत्री सारथी योजना के तहत नावाडीह में रविवार को कौशल विकास केंद्र खोला गया। टुंडी विधायक एवं पूर्व मंत्री मथुरा प्रसाद महतो ने केंद्र का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री सारथी योजना के तहत सक्षम झारखंड कौशल विकास योजना विवेकानंद पर्यावरण एवं आरोग्य मिशन के तहत विभिन्न प्रशिक्षण दिया जाएगा। केंद्र में बेरोजगार युवक-युवतियों को विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण दिए जाएंगे।
यह पूर्णतया निशुल्क होगा। इसमें सिलाई मशीन ऑपरेटर, जीडीए ऑपरेटर, फैशन डिजाइनिंग, ब्यूटीशियन, कंप्यूटर, इंग्लिश स्पोकेन कोर्स, व्यक्तिगत विकास समिति अन्य ट्रेनिंग दी जाएगी।

विभाग ने जानबूझकर छिपाया स्वास्थ्य निदेशक का जांच प्रतिवेदन, विधायक सरयू राय ने कहा-

जिन डॉक्टरों व अस्पतालों ने किया गाइडलाइन का उल्लंघन, वे कैसे बचे

PHOTON NEWS JSR : जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय ने आयुष्मान घोटाले में झारखंड सरकार के स्वास्थ्य विभाग की संलिप्तता का एक नया पहलू उजागर किया है। राय के अनुसार, स्वास्थ्य विभाग ने जानबूझकर वैसे सरकारी चिकित्सकों पर कोई कार्रवाई नहीं की, जो नियम के विरुद्ध आयुष्मान के साथ सूचीबद्ध निजी अस्पतालों के साथ कार्य कर रहे थे, वहां इलाज किया या सूचीबद्ध निजी अस्पतालों ने उनके नाम पर इलाज किया हुआ दिखाया और इंश्योरेंस कंपनी से नाजायज पैसे का दावा किया। झारखंड स्टेट आरोग्य सोसाइटी के तत्कालीन कार्यकारी निदेशक डॉ. भुवनेश प्रताप सिंह ने झारखंड सरकार के स्वास्थ्य सेवाओं के निदेशक (प्रमुख) से 3 अगस्त 2022 को पत्र संख्या 474 के माध्यम से अनुरोध किया

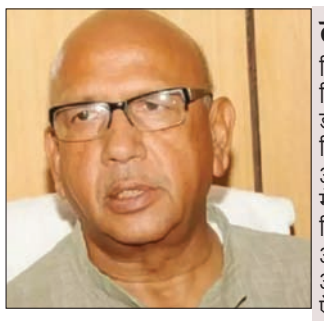

कि वे सरकारी नेत्र चिकित्सकों एवं गैर नेत्र चिकित्सकों द्वारा पदस्थापित अस्पताल के अतिरिक्त निजी सूचीबद्ध अस्पतालों में किए जा रहे कार्य की तथ्यात्मक जांच करा कर जांच प्रतिवेदन यथाशीघ्र उन्हें उपलब्ध कराएं। इस पत्र में उन्होंने कहा कि सरकार के निर्देश पत्रांक 866(3) 15 जुलाई 2016 की अवहेलना की जा रही है। सरयू राय ने कहा कि इस संबंध में कार्यकारी निदेशक ने झारखंड स्टेट आरोग्य सोसाइटी के कार्यालय द्वारा पत्रांक 459 दिनांक 25-07-2022 के माध्यम से स्वास्थ्य निदेशक को पूर्व में भेजे गए दिशा-निर्देश की प्रति पुनः प्रेषित की। दिशा-निर्देश में सरकारी चिकित्सकों द्वारा निजी प्रैक्टिस करने के संबंध में विस्तार से उल्लेख है। इसके अनुसार, निजी चिकित्सक एक ही अस्पताल में कार्य कर सकते हैं तथा विशेषज्ञ के रूप में अधिकतम चार अस्पतालों में इलाज कर सकते हैं। चिकित्सक यदि चाहें तो प्रतिदिन अपने कार्यावधि तथा अस्पताल के ओपीडी के बाद ही निजी प्रैक्टिस कर सकते हैं। चिकित्सक किसी निजी अस्पताल/नर्सिंग होम या डायग्नोस्टिक सेंटर में अपनी सेवाएं नहीं देंगे। राय के अनुसार, झारखंड राज्य आरोग्य सोसाइटी के निदेशक के पत्र के उपरांत स्वास्थ्य विभाग में इस संबंध में जांच हुई और पाया गया कि बड़ी संख्या में ऐसे चिकित्सक हैं, जो दिशा-निर्देश की अवहेलना कर उन सूचीबद्ध अस्पतालों में निजी प्रैक्टिस कर रहे हैं, जो निजी अस्पताल आयुष्मान योजना के तहत सरकारी लाभ बीमा कंपनियों के माध्यम से प्राप्त कर रहे हैं।

कई अस्पतालों में प्रैक्टिस कर रहे डॉक्टर

विधायक सरयू राय ने बताया कि कई डॉक्टर तो जिस जिले में पदस्थापित हैं, उस जिले से काफी दूर के जिलों के सूचीबद्ध अस्पतालों में निजी प्रैक्टिस कर रहे हैं। एक डॉक्टर की सरकारी पोस्टिंग शिकारीपाड़ा में है, पर वे गोड्डा के तीन अस्पतालों में निजी प्रैक्टिस कर रहे हैं। कोई डॉक्टर बोकारो जिला में पदस्थापित है, तो वह रामगढ़ और हजारीबाग के निजी सूचीबद्ध अस्पतालों में प्राइवेट प्रैक्टिस कर रहा है। बोकारो में पदस्थापित एक डॉक्टर तो एक साथ बोकारो के 12 निजी सूचीबद्ध अस्पतालों में निजी प्रैक्टिस करते हुए दिखाए गए हैं, जबकि दिशा-निर्देश के अनुसार उन्हें चार से अधिक अस्पतालों में निजी प्रैक्टिस नहीं करनी है और वह निजी प्रैक्टिस भी सरकारी अस्पतालों में अपनी ड्यूटी आवर्स के बाद ही करनी है। बोकारो के अन्य तीन डॉक्टर ऐसे भी हैं, जो जांच के दौरान छह सूचीबद्ध निजी अस्पतालों में निजी प्रैक्टिस करते हुए दिखाए गए हैं। इसी तरह हजारीबाग में पदस्थापित चिकित्सक रांची में, कोडरमा में पदस्थापित डॉक्टर लातेहार में, रांची के रिम्स में पदस्थापित डॉक्टर खूंटी में, सदर अस्पताल गोड्डा में पदस्थापित डॉक्टर दुमका, पाकुड़, साहेबगंज और देवघर के निजी सूचीबद्ध अस्पतालों में निजी प्रैक्टिस करते हुए पा? गए। सदर अस्पताल पलामू में पदस्थापित एक डॉक्टर गढ़वा में, लोहरदगा सरकारी अस्पताल का सरकारी डॉक्टर जामताड़ा, पूर्वी सिंहभूम जिला तथा पश्चिमी सिंहभूम जिले के निजी अस्पताल में कार्यरत पाए गए। ऐसे अनेक उदाहरण जांच के दौरान मिले, जिसमें रांची के डॉक्टर धनबाद और हजारीबाग के डॉक्टर गिरिडीह में निजी प्रैक्टिस करते हुए पाए गए।

कई चिकित्सकों के नाम पर दिखाए गए चार हजार से अधिक ऑपरेशन

जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक ने कहा कि आश्चर्य तो यह है कि अपने पदस्थापन के अतिरिक्त दूर-दराज के जिलों के निजी अस्पतालों में तथा अपने ही जिले के आधा दर्जन से अधिक निजी अस्पतालों में इनमें से कई सरकारी चिकित्सकों के नाम पर चार हजार तक ऑपरेशन किए हुए दिखाए गए हैं। उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार के स्तर पर की गई जांच में आए तथ्यों पर स्वास्थ्य विभाग ने कोई कार्रवाई नहीं किया। आयुष्मान भारत कार्यालय ने ऐसे डॉक्टरों की सूची अलग से राज्य सरकार को भेजी थी परंतु यह सूची और स्वास्थ्य निदेश के जांच प्रतिवेदन को दबा दिया गया। इस तरह से झारखंड सरकार के स्वास्थ्य विभाग ने जानबूझकर आयुष्मान घोटाला के दोषियों को बचाने का काम किया।
स्वास्थ्य विभाग ने ऐसे चिकित्सकों से पूछताछ नहीं की कि उन्होंने अपने जिला में चार से अधिक आयुष्मान के साथ सूचीबद्ध निजी अस्पतालों में काम किया है या नहीं। स्वास्थ्य विभाग ने ऐसे निजी अस्पतालों से भी नहीं पूछा कि किस आधार पर सरकारी सेवा में कार्यरत चिकित्सकों को उन्होंने अपने यहां निजी प्रैक्टिस करने के लिए छूट दिया जबकि झारखंड स्टेट आरोग्य सोसाइटी की वरिष्ठ परामर्शी पब्लिक हॉस्पिटल नेटवर्क मैनेजमेंट ने सभी सूचीबद्ध निजी अस्पतालों को राज्य सूचीबद्धता समिति की दिनांक 29-06-2022 में हुई बैठक में लिए गए निर्णयों तथा सरकारी चिकित्सकों के निजी प्रैक्टिस से संबंधित दिशा-निदेर्शों के बारे में पत्रांक 459, दिनांक-25-07-2022 द्वारा सूचित कर दिया था।

बड़े पैमाने पर हुआ मृत मरीजों का भी ऑपरेशन

सरयू राय ने आरोप लगाया कि झारखंड में बड़े पैमाने पर मृत मरीजों का ऑपरेशन किया गया है जिसे महालेखाकार के प्रतिवेदन में उजागर भी किया गया है। हो सकता है कि ऐसे मृत मरीजों का आपरेशन इन सरकारी चिकित्सकों में से किसी न किसी का किया हुआ दिखाया गया हो।

रामनवमी पर मंदिरों व अखाड़ों में दिखा उल्लास, विसर्जन आज

JAMSHEDPUR : रामनवमी पर रविवार को शहर में चहुंओर लाउडस्पीकर से श्रीराम व हनुमान के गीत-गाने सुबह से देर शाम तक बज रहे थे, मंदिरों-अखाड़ों में खासा उल्लास दिखा। चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को नवरात्र का समापन तो हुआ ही, मंदिरों-अखाड़ों व घरों में महावीरी झंडे भी बदले गए। इसके साथ ही सुबह में कन्या पूजन को लेकर मंदिरों के अलावा घरों में खासी चहल-पहल रही। अखाड़ों में सुबह से शाम तक करतबबाजों ने लाठी, फरसा, भाला, तलवार आदि से खेल का अभ्यास किया। शहर में सोमवार को रामनवमी का विसर्जन जुलूस निकलेगा, जिसमें ये कलाकार अखाड़ों से लेकर चौक-चौराहों पर अपने खेल का प्रदर्शन करेंगे। इसे लेकर जिला व पुलिस प्रशासन ने खासी तैयारी कर रखी है। जगह-जगह पुलिस व अर्द्धसैनिक बल के जवान तैनात किए गए हैं, तो रविवार से ही चौक-चौराहों सहित संवेदनशील स्थानों पर वज्रवाहन, एंबुलेंस व दमकल की तैनाती कर दी गई है, ताकि आपात स्थिति में किसी तरह की समस्या नहीं आए। वैसे रविवार को शहर के सभी अखाड़ों में सदस्यों ने शोभायात्रा भी निकाली, जिसमें कलाकारों ने गाजे-बाजे के साथ खेल का प्रदर्शन किया।

शोभायात्रा के दौरान अल्बर्ट एक्का चौक ● फोटोन न्यूज

जयश्री राम का नारा लगाते और झूमते-गाते सभी रामभक्त अल्बर्ट एक्का चौक पहुंचे

अखाड़ों ने किया अस्त्र-शस्त्र प्रदर्शन

PHOTON NEWS RANCHI : रविवार को रामनवमी के अवसर पर दोपहर बाद अलग-अलग इलाकों से अखाड़ा समिति के लोग अपनी टोली के साथ निकले। जयश्री राम के नाम पर झूमते-गाते सभी अल्बर्ट एक्का चौक की ओर बढ़ते रहे। इस दौरान अस्त्र-शस्त्र का परिचालन भी युवा करते दिखे। कई बुजुर्ग भी इस दौरान अस्त्र चलाते दिखे। बच्चों में भी रामनवमी जुलूस को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला।

पूरे शहर में जुलूस और झांकियों के स्वागत के लिए स्वागत शिविर लगाए गए थे। जहां पर जुलूस और अखाड़ों का स्वागत किया गया। चना, गुड़ और शर्बत भी उन्हें परोसा गया। वहीं घूमने वालों को भी स्वागत शिविरों में शर्बत व अन्य चीजें परोसी गई। हजारों की संख्या में लोग रामनवमी जुलूस देखने के लिए सड़कों पर निकल पड़े थे।

तपोवन मंदिर तक झांकी : अलबर्ट एक्का चौक से लेकर निवारणपुर तपोवन मंदिर तक लगातार जय श्रीराम के उद्घोष गूंजते रहे। झांकियां तो सड़कों पर नजर आई। लेकिन, अखाड़ा समितियां निवारण पुर मंदिर तक गई। राम जी की सवारी, मुझे चढ़ गया भगवा रंग जैसे भजनों पर लोग झूमते रहे। श्रद्धालु उत्साह के साथ नाचते-गाते शोभायात्रा में शामिल हो गए। शहर के हर कोने से शोभायात्रा मेन रोड पर पहुंचीं, और हर कोई अपने तरीके से रामनवमी की खुशियां मनाते देखा।

अस्त्र-शस्त्र का प्रदर्शन करते विभिन्न अखाड़ों के लोग ● फोटोन न्यूज

डायवर्ट किए गए रूट सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

रामनवमी के दिन जुलूसों के मद्देनजर कई मुख्य सड़कों को बंद कर दिया गया था। दोपहर एक बजे के बाद से मेन रोड और अन्य प्रमुख सड़कों पर वाहनों का प्रवेश वर्जित कर दिया गया। हालांकि एक लेन को चालू रखा गया था। कई प्रमुख चौराहों पर बैरिकेडिंग की गई थी ताकि श्रद्धालुओं को कोई परेशानी का सामना न करना पड़े। वहीं जुलूस के दौरान आम लोगों को कोई समस्या उत्पन्न न हो। सुरक्षा के मद्देनजर चप्पे-चप्पे पर पुलिस को तैनात किया गया था।

कोई भांज रहा था लाठी तो कोई दिखा रहा था करतब

रामनवमी के अवसर पर निकाले गए जुलूस में कोई लाठी भांज रहा था तो कोई तलवारबाजी में व्यस्त था। इस बीच कुछ अखाड़ा के लोग करतब भी दिखा रहे थे। जुलूस में शामिल लोग भी उनका उत्साहवर्धन करते हुए जय श्रीराम के नारे लगा रहे थे। नाचते-गाते जुलूस के साथ लोग चल रहे थे।

तपोवन मंदिर में भक्तों की उमड़ी भीड़

रामनवमी को लेकर तपोवन मंदिर में सुबह से ही भक्तों की लंबी कतारें लग गई थीं। भक्तों के हाथों में महावीरी झंडा और राम का नाम जपते हुए पूजा-अर्चना के लिए मंदिर पहुंचे थे। यहां की मान्यता है कि रामनवमी पर ध्वज पूजन से परिवार में सुख-समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा का वास होता है। इस अवसर पर श्रद्धालु अपने अस्त्र-शस्त्र की पूजा भी करते है।

राम-दरबार की झांकी ने मोह लिया मन

अल्बर्ट एक्का चौक पर रामदरबार की झांकी ने सभी का मन मोह लिया। वहीं अन्य इलाकों से पहुंची झांकियों में हनुमान, राम मंदिर के अलावा आकर्षक झांकियां भी शामिल थी। जिसे देखने के लिए हर कोई ठहर गया। लोग अपने घरों से ही जुलूस व झांकियों का आनंद लेते दिखे।

श्री महावीर मंडल बरियातू ने निकाली भव्य शोभायात्रा

जुलूस के साथ श्री महावीर मंडल बरियातू के सदस्य ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : रामनवमी पर श्री महावीर मंडल बरियातू क्षेत्र के नेतृत्व में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। बड़गांई से निकलने वाली मुख्य शोभायात्रा को साथ लेकर महावीर मंडल के पदाधिकारीगण बरियातू हाउसिंग कॉलोनी पहुंचे। वहां उनका भव्य स्वागत किया गया। फिर यूनिवर्सिटी कॉलोनी, बिजली ऑफिस शिव मंदिर चौक पर जोड़ा तालाब से निकलने वाले जुलूस और मेडिकल कॉलोनी, नया टोली व शिव दुर्गा मंदिर से निकलने वाली जुलूस शोभायात्रा में एक साथ शामिल हो गई। मेडिकल चौक स्थित दुर्गा मंदिर पहुंचने के बाद वहां मिलन क्लब, महावीर मंडल तेतर टोली, महावीर मंडल सरहुल नगर के राम भक्त शामिल हुए। वहां से विशाल शोभा यात्रा ढोल, नगाड़े, गाजे-बाज के साथ आगे बढ़ी। अस्त्र-शस्त्र और महावीरी पताकों के साथ शोभा यात्रा तपोवन मंदिर पहुंची। शोभा यात्रा का कई जगह पर स्वागत करने के बाद पुष्प वर्षा की गई। शोभा यात्रा का नेतृत्व महावीर मंडल बरियातू के अध्यक्ष राजकिशोर, मंत्री प्रकाश चंद्र सिन्हा, सुनील शर्मा, सुनील कुमार बॉबी, बड़गांई के वीरेंद्र साहू, जीवाधन प्रसाद ने किया।

शोभायात्रा के दौरान अल्बर्ट एक्का चौक में रामभक्त ● फोटोन न्यूज

शोभायात्रा के दौरान रामभक्त महिला

शोभायात्रा के दौरान केंद्रीय मंत्री संजय सेठ

हर तरफ राममय हो गया पूरा शहर

RANCHI : इस्कॉन रांची के भक्तों द्वारा रामनवमी महामहोत्सव के पावन अवसर पर संध्या 3 बजे लालपुर से फिरायालाल, तपोवनमंदिर तक भव्य नगर संकीर्तन बहुत ही उत्साह और भक्ति भाव से निकाला गया। संकीर्तन में 500 से अधिक भक्तों ने हाथों में भगवा झंडा ले कर झूमते नाचते हुए भगवान श्री राम के नाम से पूरा वातावरण को राममय कर दिया। और साथ ही रामायण, भगवद्गीता ग्रंथों का भी वितरण किया। कार्यक्रम का शुरूवात सुबह 9 बजे से कांके रोड स्थित इस्कॉन केंद्र से हुआ। रामनवमी के उपलक्ष्य में भगवान का विशेष पुष्प श्रृंगार किया गया और दर्शन के लिए सुबह से ही भक्तों की भरी भीड़ लगी रही। भक्तों द्वारा सुन्दर रामलीला पे नाटक प्रस्तुत किया गया। इस्कॉन रांची के प्रबंधक श्रीमान मधुसुदन मुकुंद दास ने श्री रामकथा का प्रवचन किया और कहा अगर हम सच में राम राज्य चाह ते है, तो हमे अपने जीवन में भगवान श्री राम की शिक्षाओं को अपनाना होगा।

मुस्लिम संगठनों ने जगह-जगह किया शोभायात्रा का स्वागत

PHOTON NEWS RANCHI : रामनवमी पर्व पर शांति और भाईचारा बना रहे, इसके लिए हर महजब के लोगों ने इस शोभायात्रा में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। रांची के विभिन्न मुस्लिम संगठनों, तंजीमों, सोसाइटी और अंजुमनों ने रामनवमी की शोभायात्रा का शानदार स्वागत किया। स्वागत शिविरों अखाड़ा प्रमुख को फूल, माला, पगड़ी, मोमेंटो देकर स्वागत किया। जुलूस में चल रहे रामभक्तों का चना, गुड़, शरबत, पानी, संतरा, केला, तरबूज, मीठी सेवइयां देकर स्वागत किया। सेंट्रल मुहर्रम कमेटी के केंद्रीय अध्यक्ष मो. सईद, अकीलुर रहमान, आफताब आलम, तौहीद, मो. इस्लाम, डॉक्टर एम हसनैन, शमशेर आलम ने कहा कि कमेटी की ओर से हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी कैफे मुगल के सामने स्वागत शिविर लगाकर शोभायात्रा में चल रहे श्रद्धालु और रामभक्तों का चना, गुड़ और शर्बत-पानी से स्वागत किया गया।

कई संगठनों ने लगाए शिविर : सेंट्रल मुहर्रम कमेटी, इमाम बख्श अखाड़ा, रांची पब्लिक स्कूल, झारखंड तंजीम, एआईएमआईएम, सत्यभारती, आम जनता हेल्पलाइन समेत दर्जनों मुस्लिम संगठनो ने स्वागत शिविर लगा कर जुलूस का स्वागत किया।

कांके में अंजुमन इस्लामिया कमेटी ने रामभक्तों का किया स्वागत

प्रभारी पिठोरिया अभय कुमार शामिल हुए। स्टेज के समक्ष गंगा-जमुनी तहजीब दिखाते हाउस अस्त्र-शस्त्र के करतब में मुस्लिम समाज के लोग भी शामिल हुए।

PHOTON NEWS RANCHI : रामनवमी के मौके पर कांके प्रखंड के कोकदोरो अंजुमन इस्लामिया कमेटी और बालू अंजुमन कमेटी की ओर से सद्भावना की मिसाल कायम करते हुए रामभक्तों का स्वागत किया। शोभायात्रा में शामिल श्रद्धालुओं में पानी, गुड़, चना का वितरण किया गया। इसके लिए बालू गांव में स्टेज लगाया गया, जिसमें थाना कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व जिला परिषद सदस्य सह अंजुमन इस्लामिया कमेटी के सदर मजीद अंसारी, मुखिया उज्ज्वल पहान, रुहूल अंसारी, परवेज अंसारी, अजहर अंसारी, सफदर सुल्तान अंसारी, रिजवान अंसारी, सुरेश राम,रंगनाथ राम, मनोज राम, उमेश राम, शंभु सिंह, सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

भाजपा के स्थापना दिवस पर प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी बोले-

हम अंत्योदय व आत्मनिर्भर भारत की ओर बढ़ा रहे कदम

PHOTON NEWS RANCHI : रविवार को प्रदेश भाजपा ने अपने स्थापना दिवस को बड़े धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर भाजपा कार्यकताओं ने श्री राम नवमी के साथ अपने-अपने घरों में पार्टी का ध्वज फहराया और पार्टी के सिद्धांतों व आदर्शों को मजबूती देने के लिए संकल्प लिया। प्रदेश भाजपा कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने पार्टी का ध्वज फहराया एवं पार्टी के प्रेरणा पुरुष, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने पार्टी कार्यकताओं को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि भारतीय जनसंघ से लेकर भाजपा की 45 वर्षों की यात्रा में पार्टी ने अपने आदर्शों और सिद्धांतों को मजबूती से कायम रखा है। उन्होंने कहा भाजपा के कार्यकर्ता राष्ट्र प्रथम की भावना से प्रेरित होकर लगातार काम कर रहे हैं। आज पार्टी अंत्योदय और आत्मनिर्भर भारत की ओर अग्रसर है। हम सभी भाजपा कार्यकर्ता अपने पंच निष्ठा के आधार पर लोकतंत्र की रक्षा, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की मजबूती और संविधान की मयार्दाओं का पालन करते हुए आत्मनिर्भर भारत की ओर कदम बढ़ा रहे हैं।

नेताओं और कार्यकर्ताओं ने घरों पर फहराया पार्टी का झंडा

दल के सिद्धांतों व आदर्शों को मजबूती देने का लिया संकल्प

सिद्धांतों के प्रति सच्ची निष्ठा

इस कार्यक्रम में प्रदेश भाजपा के सभी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता भी उपस्थित थे, जिन्होंने अपने-अपने घरों में भाजपा का ध्वज फहराया और पार्टी के स्थापना दिवस को बड़े धूमधाम से मनाया। भाजपा कार्यकताओं ने एकजुट होकर पार्टी के आदर्शों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया और अपनी निष्ठा को और मजबूत किया। साथ ही कार्यकताओं ने कहा कि भाजपा न केवल भारतीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है, बल्कि अपनी मूल विचारधारा और सिद्धांतों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को भी लगातार मजबूत कर रही है।

भारत का बढ़ा सम्मान : बाबूलाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की बढ़ती अंतरराष्ट्रीय छवि और तिरंगे के सम्मान को लेकर भी प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया में भारत का सम्मान बढ़ा है और यह प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में संभव हो सका है। प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि आज एक भारत, श्रेष्ठ भारत का सपना साकार हो रहा है। पार्टी के कार्यकताओं के परिश्रम और समर्पण के कारण ही मोदी सरकार को तीसरी बार जीतने में सफलता मिली है। भाजपा की नीतियों और कार्यक्रमों के कारण जनता में पार्टी के प्रति विश्वास और समर्थन लगातार बढ़ रहा है।

श्री राधा कृष्ण मंदिर में हुई विशेष पूजा-अर्चना, भजनों पर झूमे भक्त

PHOTON NEWS RANCHI : रविवार को रामनवमी के अवसर पर श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट द्वारा संचालित श्री राधा कृष्ण मंदिर पुंदाग में विशेष पूजा-अर्चना की गई। इस दौरान भजन कीर्तन का आयोजन किया गया। मौके पर 201वां श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा सेवा महाप्रसाद वितरित किया गया। 101 किलोग्राम केसरिया मेवा युक्त खीर का भोग भगवान श्री श्याम को विधिवत अर्पित किया गया। मंदिर परिसर में 1500 से अधिक श्रद्धालुओं ने महाप्रसाद ग्रहण किया। इसके बाद भजन गायक मनीष सोनी, सज्जन पाड़िया और निर्मल जालान द्वारा भजन कीर्तन का आयोजन किया गया। जिसने पूरे वातावरण को राममय और भक्तिमय बना दिया। श्रद्धालुओं ने भजनों की ताल पर झूमते हुए राम और कृष्ण के जयकारे लगाए। ट्रस्ट के प्रवक्ता संजय सर्राफ ने बताया कि भगवान श्री राधा कृष्ण मंदिर में 3 हजार से अधिक श्रद्धालु दर्शन के लिए आए। मौके पर डुंगरमल अग्रवाल, निर्मल जालान, राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल सहित अन्य समाजसेवी और श्रद्धालु भी उपस्थित थे।

शहरनामा

वीरेंद्र ओझा

जंगल में कौन मना रहा मंगल

जंगल में मंगल को दूसरे अर्थों में लिया जाता है। बात कुछ हद तक सही है, लेकिन इसके लिए कुछ किया नहीं जा सकता। जब नामचीन लोग जंगल में सैरगाह बनाने लगें, तो क्या कहा जाए। हाल के वर्षों में इस बात की होड़ सी लगी है कि कौन शहर से कितनी दूर जंगल में मंगल मनाने लायक सैरगाह बना सकता है। ऐसा ही एक सैरगाह चर्चित हस्ती ने भी बनाया है कि वहां जो भी एक बार जाता है, उसका दिल बाग-बाग हो जाता है। वहां की आंतरिक साज-सज्जा भी इतनी बेहतरीन है कि देखने वाला दांतों तले अंगुली दबा लेता है। लौट कर बखान करते नहीं थकता, अरे क्या कहें... ऐसी साज-सज्जा तो शहर के गिने-चुने घरों में होगी। अब यह मत पूछिए कि इतना पैसा जंगल में क्यों लगाया जा रहा है, आप तो खुद समझदार हैं। आप भी देख आएं।

आसमान में बन रहा रास्ता

धरती की कौन कहे, अब लौहनगरी के लोग आसमान में रास्ता बनते देख रहे हैं। वह भी एक नहीं, दो-दो। एक ही इलाके में लोग महीनों से इस आसमानी रास्तों को बनते हुए देख रहे हैं। लेकिन, जैसे-जैसे इसका काम आगे बढ़ रहा है, धरती पर रहकर गुजर-बसर करने वाले छाती पीट रहे हैं। हाल ही की बात है, जब लोगों को लगा कि जितनी दूर तक यह रास्ता बन रहा है, वहां तक दूसरी तरफ कुछ दिखाई ही नहीं दे रहा है, तो उनके सब्र का बांध टूट गया। जब मार पेट पर पड़ने लगी, धंधा चौपट होने लगा, तो चीख-पुकार मच गई। हालांकि, इसकी भनक वोट वाले नेताजी को भी थी, लेकिन उन्होंने कान में रुई और जुबान पर टेप चिपका लिया। ऐसे में एक बार फिर वही उनके काम आया, जिसके नाम में पूर्व शब्द जुड़ गया है। मिनटों में रास्ता बन गया।

दाग छिपाने में जुटे धुरंधर

लंबे समय बाद इस लौहनगरी की जनता और खाकी ने भी देखा कि कैसे दुर्दांत को मारा जाता है। इस खबर से आम लोगों ने राहत की सांस ली, लेकिन उन लोगों की चिंता बढ़ गई, जो इस धरती के बोझ से अपना रिश्ता बनाकर गर्व कर रहे थे। चाचा ने इशारे में कह भी दिया है, इसलिए उन लोगों की नींद उड़ी हुई है, कि पता नहीं क्या होगा। जब खबर फैली कि उस कुख्यात को शरण देने वाले या अपनी छत्रछाया में रखने वालों की भी तलाश की जा रही है, तो गर्व करने वालों की नींद उड़ गई है। बताते हैं कि इनमें सफेदपोश भी हैं, जो अब अपने कपड़े से दाग छिपाने के लिए सेटिंग-गेटिंग में जुटे हैं। कहते हैं कि कुछ रांची और पटना, तो कुछ लखनऊ से दिल्ली तक सूत्र तलाश रहे हैं। देखते हैं क्या होता है।

पूरे कुनबे को ही उड़ा दिया

हाल ही में एक घटना हुई थी, जिसमें रक्षक के भक्षक बनने का मामला हाईलाइट हुआ था। मामला जवान का था, जिसे पूरे कुनबे ने गली के गुंडे की तरह कूट दिया था। बात जब हाईकमान तक पहुंची, तो सबकी कुर्सी हिलने लगी। नतीजा हुआ कि पूरे कुनबे को ही एक झटके में उड़ा दिया गया। बात यहीं समाप्त नहीं हुई, अब लोगों में इस बात की चर्चा है कि इसमें तो चालक ही सबसे पावरफुल निकला। जिसकी वजह से बात का बतंगड़ बना, उसे पूरे सीन से गायब कर दिया गया। ऐसे चालाक हर इलाके में पाए जाते हैं, जो खुद को बड़ा साहब समझते हैं। चूंकि स्टेयरिंग उसी के हाथ में होती है, इसलिए साहब को जहां चाहता है, घुमा देता है। साहब भी उसकी हर बात सिर माथे पर रखते हैं, क्योंकि वही तो साहब के लिए नाश्ते-भोजन भी जुटाता है।

जादूगोड़ा में महिला की हत्या से फैली सनसनी

ईंट भट्ठा में काम करती थी कोवाली थाना क्षेत्र की सविता सरदार

PHOTON NEWS JADUGORA : पूर्वी सिंहभूम जिले के जादूगोड़ा में एक महिला की हत्या से सनसनी फैल गई है। थाना के एएसआई आनंद मरांडी ने रविवार की सुबह घटनास्थल का निरीक्षण किया व घटनास्थल की बैरिकेडिंग कर आरोपियों की टोह में जुट गई है। मृतक की पहचान कोवाली थाना क्षेत्र के चाकड़ी की रहने वाली सविता सरदार के रुप में की गई है। बताया जाता है कि यह महिला मुगार्घुटु में ललन सिंह के ईंट भट्ठा में काम करती थी। इस बाबत ईंट भट्ठा के मालिक ललन सिंह ने कहा कि घटना के दिन वह काम पर नहीं आई थी। सप्ताह में कई बार ड्यूटी से गैरहाजिर रहती थी। उन्होंने कहा कि बीते 30 सालों में इस क्षेत्र में ऐसी कोई घटना नहीं हुई है। घटना कैसे हुई, उन्हें जानकारी नहीं है। इस सिलसिले में प्रशासन को पूरा सहयोग करने की बात कही, ताकि दोषियों को सजा मिल सके। इस बाबत जादूगोड़ा के थाना प्रभारी राजेश कुमार मंडल ने कहा कि मृतक के भाई के बयान पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ यौनशोषण व हत्या का मामला दर्ज कर पुलिस आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई में जुटी है। फिलहाल पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने का इंतजार कर रही है, जिससे यह पता चलेगा कि महिला की मौत कैसे हुई।

दुष्कर्म की आशंका, जांच में जुटी पुलिस

घटनास्थल पर पहुंचे पुलिस पदाधिकारी ● फोटोन न्यूज

जॉगर्स पार्क में अवैध रूप से बना दिया चबूतरा

JAMSHEDPUR : शास्त्रीनगर, ब्लॉक नंबर-3, कदमा स्थित मैदान (जॉगर्स पार्क) के अंदर कुछ असामाजिक तत्वों ने अवैध रूप से एक चबूतरा बना दिया गया था। वहां आज सुबह रामनवमी झंडा फहराने का पूरा इंतजाम कर लिया गया था। इस बात की सूचना मिलने पर माझी बाबा बिंदे सोरेन, लालटू महतो, रविंद्र प्रसाद, सुरेश प्रसाद, गणेश राम, राजकुमार दास, जितेंद्र यादव, टिंकू रजक और कई एससी-एसटी संगठनों से जुड़े लोग मैदान में पहुंचे और वहां शहीद निर्मल महतो, बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर और धरती आबा बिरसा मुंडा की तस्वीरें लगा दीं। इन्होंने बताया कि काफी प्रयासों के बाद उन असामाजिक तत्वों को पीछे हटाया गया।

समाचार सार

घाटशिला कॉलेज परिसर में लगाए गए पौधे

GHATSILA : पर्यावरण मित्र के साप्ताहिक अभियान के तहत रविवार को घाटशिला कॉलेज परिसर में फल-फूल के पौधे लगाए गए। इसके साथ ही पहले से लगे पौधों की सिंचाई और साफ सफाई की गई। इस बार मोरिंगा या सहजन की 5 डालियां लगाई गईं। संस्था ने आम नागरिकों से अपील की है कि हाल ही में सजना-मुनगा की डालियां हर जगह काटी गई हैं, उसे आसपास रोप दें, ताकि अगले सीजन में ज्यादा से ज्यादा पौधे तैयार हो सकें। पौधारोपण अभियान में प्रताप कुमार अधिकारी, डॉ. संदीप चंद्रा, इंदल पासवान व विद्युत कालिंदी सक्रिय रहे।

कन्या पूजन के साथ संपन्न हुई नवरात्र

GHATSILA : चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि पर रविवार को मां सिद्धिदात्री की पूजा हुई। हवन-पूजन के बाद कन्या पूजन हुआ। छोटी-छोटी कन्याओं के पैर धोकर कुमकुम आदि लगाकर भव्य श्रृंगार कर भोग-प्रसाद ग्रहण कराया गया। कन्याओं को उपहार देकर विदा किया गया। इस बार भी लोगों को कन्या खोजने में काफी परेशानी हुई। गांव में कन्याएं मिल भी गईं, पर शहरी क्षेत्र में कन्या पूजन के लिए आने वाले समय में काफी परेशानी बढ़ेगी।

चक्रधरपुर में याद किए गए भाजपा के पितृ पुरुष

CHAKRADHARPUR : चक्रधरपुर के आरपीएस कॉलेज भवन में रविवार को भाजपा का 46वां स्थापना दिवस मनाया गया, जिसमें भाजपा के पितृ पुरुष याद किए गए। अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष अशोक षाड़ंगी ने कहा कि पार्टी ने बहुत कम समय में केंद्र में सरकार बना ली थी। पार्टी के तीसरे कार्यकाल की केंद्र सरकार चल रही है। मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार राष्ट्र के हित में कई अद्वितीय कार्य कर रही है। सभी कार्यकर्ता पार्टी को सशक्त और मजबूत करने में लगें, ताकि संगठन इस जिले में काफी मजबूत हो सके। कार्यक्रम में प्रदेश महिला मोर्चा की उपाध्यक्ष मालती गिलुवा, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष दुर्योधन प्रधान, पूर्व जिला उपाध्यक्ष पवन शंकर पांडे, पूर्व जिला उपाध्यक्ष ललित मोहन गिलुवा, शिवलाल रवानी, संजय पासवान, दीपक सिंह, श्रीवंत षाड़ंगी, गौतम रवानी, महेश्वर राव राजेश राय वीरेंद्र राय, शंभू साव, विमला प्रसाद, कृतिवास प्रधान, विष्टुधारी प्रधान, जितेंद्र विश्वकर्मा, तीर्थ जामुदा, अभय साव आदि कार्यकर्ता भी मौजूद थे।

बागबेड़ा के बड़ौदा नदी घाट पर हुआ जंवारा विसर्जन

जंवारा विसर्जन के दौरान शर्बत बांटतीं महिलाएं ● फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : बागबेड़ा बड़ौदा घाट नदी घाट पर महिला तेली साहू समाज, बागबेड़ा-जुगसलाई क्षेत्र के तत्वाधान में जवारां विसर्जन हुआ। नवरात्र के समापन पर अध्यक्ष लक्ष्मी साहू नेतृत्व में सेवा शिविर भी लगाया गया, जिसमें भक्तों के बीच शरबत, चना, गुड़, पानी के बोतल आदि का वितरण किया गया। शिविर का उद्घाटन जिला परिषद की सदस्य डॉ. कविता परमार एवं तेली साहू समाज क्षेत्र के मंत्री राजेश कुमार साहू ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर बागबेड़ा क्षेत्र के सीपी टोला, बाबाकुटी, आनंद नगर, गांधीनगर जवारां समिति के पदाधिकारियों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। आयोजन को सफल बनाने में कार्यक्रम संयोजक तरुण साहू, रेणुका साहू, पूनम साहू, विमल साहू, वैजयंती साहू, अनुलता साहू, सारिका साहू आदि सक्रिय रहीं।

निजी स्कूलों के खिलाफ आज से धरना-प्रदर्शन करेंगे अभिभावक

CHAKRADHARPUR : पश्चिमी सिंहभूम जिले के निजी स्कूलों के खिलाफ अभिभावक 7 अप्रैल को अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन शुरू करेंगे। उक्त जानकारी देते हुए अभिभावक सह झामुमो नेता रामलाल मुंडा ने कहा कि सोमवार को सुबह 7 बजे से प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी कार्यालय चक्रधरपुर के समक्ष अभिभावकों के साथ अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल करेंगे। उन्होंने कहा कि निजी स्कूलों द्वारा अभिभावकों से मनमाने तरीके से पैसों की वसूली की जा रही है। स्कूल से ही किताब और ड्रेस बेचे जा रहे हैं। मुंडा ने कहा कि सरकार से रोक के बाद भी री-एडमिशन के नाम पर मोटी रकम वसूली जा रही है। अभिभावकों को ट्यूशन फी के नाम का पर्चा दिया जाता है। इस मौके पर अभिभावक के रूप में मंगल सरदार व वीरेंद्र सिंह भी मौजूद थे।

जय श्री राम... जय हनुमान... के उद्घोष से गूंजे शहर-गांव

जय श्री राम... जय हनुमान... के नारों से रविवार को पश्चिमी सिंहभूम जिला में गूंज उठा। मौका था रामनवमी जुलूस का। चाईबासा, जगन्नाथपुर, मझगांव, रेलनगरी चक्रधरपुर, मनोहरपुर सहित विभिन्न प्रखंडों में रविवार को सुबह से पूरा जिला राममय हो गया था। चारों तरफ भक्ति गाने गूंजते रहे। चारों तरफ घर और मंदिरों में भगवान बजरंग बली की पूजा-अर्चना कर बजरंगी पताका लहराया गया। चाईबासा में दोपहर 3.30 बजे 35 अखाड़ा समिति द्वारा अपने-अपने जुलूस के साथ पोस्ट ऑफिस और बिरसा चौक पहुंचे। जहां करतब दिखाए। इसी तरह चक्रधरपुर में संध्या 5 बजे से रामनवमी अखाड़ा जुलूस अपने अपने मोहल्ले से विशाल गगन चुंबी बजरंगी पताका लेकर राममक्त पवन चौक तरफ निकल पड़े। हर तरफ क्या बूढ़े, क्या बच्चे सभी रामनवमी के रंग में रंगे हुए थे। अखाड़ा जुलूस पवन चौक के लिए पारंपरिक हथियारों से लैस बजरंगी निकल पड़े।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने हर्षोल्लास से मनाया पार्टी का स्थापना दिवस

साकची स्थित जिला कार्यालय में फहराया गया झंडा, विभिन्न मंडलों में मनाई खुशी

PHOTON NEWS JSR : भाजपा कार्यकर्ताओं ने रविवार को हर्षोल्लास से पार्टी का 46वां स्थापना दिवस मनाया। जमशेदपुर महानगर के कार्यकर्ताओं ने अपने घरों पर भी पार्टी का ध्वज लगाकर एवं विविध कार्यक्रम के माध्यम से पार्टी का स्थापना दिवस मनाया और जनसेवा का संकल्प लिया। वहीं, साकची स्थित जिला कार्यालय में जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष सुधांशु ओझा ने पार्टी का ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर काफी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

इस दौरान पार्टी के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने पार्टी के पितृपुरुष डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी व पं. दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया एवं उनके बताए राष्ट्र प्रथम एवं अंत्योदय के पथ पर चलने का संकल्प लिया। वहीं, अपने समर्पण, त्याग, तपस्या एवं बलिदान की भावना से भाजपा को राजनीति के शिखर तक पहुंचाने वाले सभी कार्यकर्ताओं को स्मरण कर संगठन की मजबूती का संकल्प लिया गया। भाजपा के स्थापना दिवस को जमशेदपुर महानगर के सभी 28 मंडलों में पूरे उत्साह से मनाया गया। इस अवसर पर आमजनों के बीच लड्डू वितरण कर खुशियां मनाई गईं। जिला कार्यालय के कार्यक्रम में डॉ. राजीव, कुसुम पूर्ति, संजीव सिन्हा, रेणु शर्मा, विजय तिवारी, मिली दास, प्रेम झा, अखिल सिंह, कौस्तव रॉय, संजीत चौरसिया, नीतीश कुशवाहा, अजय सिंह, शशांक शेखर, महेंद्र प्रसाद, राजकुमार साह, कृष्णकांत राय, अभिषेक श्रीवास्तव, गणेश मुंडा समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

साकची के जिला कार्यालय में झंडा फहराते जिलाध्यक्ष व अन्य ● फोटोन न्यूज

टाटा से चलने वाली 4 जोड़ी ट्रेनें रहीं रद्द यात्री हुए परेशान

JAMSHEDPUR : आद्रा रेल मंडल में विकासात्मक कार्यों के कारण टाटानगर रेलवे स्टेशन से चलने वाली 4 जोड़ी ट्रेनें रविवार को रद्द रहीं। इसमें टाटा-हटिया-टाटा एक्सप्रेस, झाड़ग्राम-पुरुलिया-झाड़ग्राम एक्सप्रेस, टाटा-बरकाकाना-टाटा एक्सप्रेस और टाटा-आसनसोल मेमू शामिल थी। अप-डाउन दोनों ओर से इन ट्रेनों के रद्द रहने से छोटे-छोटे स्टेशनों से आने जाने वाले यात्रियों-व्यापारियों को काफी परेशानी हुई। खासकर प्रतिदिन व्यापार के मकसद से आने जाने वाले यात्री व नौकरीपेशा लोगों को कार्यस्थल तक पहुंचने में दिक्कत हुई।

मूलभूत सुविधाओं की कमी से जूझ रहे टाटा कॉलेज के छात्र

प्रदर्शन करते छात्र

CHAIBASA : कोल्हान विश्वविद्यालय छात्र संघ अध्यक्ष सनातन पिंगुवा ने कहा कि कोल्हान के सबसे पुराने टाटा कॉलेज के छात्रावास में कई मूलभूत सुविधाओं का अभाव है। इसी प्रांगण में चुनाव के समय प्रधानमंत्री तक का कार्यक्रम होता है, लेकिन हमारी सुध कोई नहीं लेता। कई बार हमलोगों ने छात्रावास की समस्या विधायक, मंत्री और जिला प्रशासन के पास रख चुके हैं, लेकिन आश्वासन के सिवा कुछ नहीं मिलता है। आदिवासी छात्रावास में 8 साल से सरकारी बावर्ची नहीं है। इसी छात्रावास में रहकर कई छात्र विधायक से लेकर मंत्री तक बन गए, लेकिन वे भी हमारी समस्याओं पर ध्यान नहीं देते हैं। छत का प्लास्टर उखड़ रहा है। कुछ दिन पहले एक छात्र के सिर पर प्लास्टर गिर गया था। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया था। आदिवासी छात्रावास में लगभग 250 विद्यार्थी रहते हैं, लेकिन सोने व स्टडी के लिए बेड, गद्दा, टेबुल, चेयर, मच्छरदानी और बर्तन नहीं है। डाइनिंग रूम बदहाल है। कुर्सी-टेबुल के अभाव में हम जमीन पर बैठकर खाना खाते हैं। छात्र खुद खाना पकाते हैं। रसोई व डाइनिंग रूम में बारिश का पानी टपकता है। उन्होंने चेतावनी दी कि इन समस्याओं का जल्द समाधान नहीं हुआ, तो छात्र विधायक व मंत्रियों के खिलाफ सड़क पर आंदोलन करेंगे।

धूमधाम से मनाया गया भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव, रामचरितमानस के नवाहपरायण पाठ की हुई पूर्णाहुति

पूजी गईं माता सिद्धिदात्री, कन्या पूजन व महावीरी ध्वज स्थापित

PHOTON NEWS JSR : गोलमुरी के केबुल टाउन स्थित श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर में रविवार को उल्लास व भक्तिभाव से माता सिद्धिदात्री की पूजा हुई और प्रभु श्रीराम का जन्मोत्सव मनाया गया। कई दिनों से चल रहे गोस्वामी तुलसीदास द्वारा रचित श्रीरामचरित मानस के नवाहपरायण पाठ की भी रविवार को पूणार्हुति हुई। इस अवसर पर मंदिर परिसर में विशाल महावीरी पताका भी लगाया गया। मां काली के समक्ष कुष्मांड (भतुआ) की बलि दी गई। राय ने समस्त मानव के कल्याण की कामना की। उन्होंने मंदिर परिसर में कन्या पूजन किया और सभी कन्याओं को अपने हाथों से भोजन परोसा। उन्होंने कन्याओं को उपहार भी दिए। पुजारी विनोद पांडेय ने बताया कि शुक्रवार की सुबह गौरी-गणेश समेत देवी सिद्धिदात्री का पूजन कराया गया। यह नियमित पूजन था। इस पूजन के बाद आरती की गई। आरती के पश्चात हनुमान जी का झंडा पूजन हुआ। इसमें बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया। पूजन के बाद फिर से हवन किया गया। हवन के बाद मां काली की प्रतिमा के समक्ष कुष्मांड (भतुआ) बलि दी गई। इस बलि के उपरांत श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर परिसर में महीवीरी झंडा स्थापित किया ग?ा। फिर पूणार्हुति कर आरती, पुष्पांजलि और भोग वितरण हुआ। भोग वितरण में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर विधायक सरयू राय, आशुतोष राय, शिवशंकर सिंह, सुबोध श्रीवास्तव, नीरज सिंह, अमृता मिश्रा, इंद्रजीत सिंह, चंद्रशेखर राव, विवेक पांडेय, धर्मेंद्र प्रसाद, दीपू सिंह, राजन सिंह राजपूत, साकेत गौतम, हरेराम सिंह, निखार सबलोक, अशोक कुमार, असीम पाठक, श्याम सिंह, पुरुषोत्तम मिश्रा, अर्जुन यादव, विजय सिंह, अभय सिंह, प्रकाश कोया, विनीत आदि उपस्थित थे।

रामनवमी झंडा का पूजन करते विधायक सरयू राय ● फोटोन न्यूज

मऊभंडार में श्रीराम जन्मोत्सव पर रामायण पाठ शुरू

GHATSILA : मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में रविवार को मऊभंडार स्थित शिव मंदिर बजरंग परिषद अखाड़ा समिति की ओर से मंदिर में झंडा स्थापित किया गया। इसके साथ ही रामायाण पाठ भी प्रारंभ हुआ। पूजा-अर्चना पुजारी उमेश पांडेय ने संपन्न कराई। दोपहर में झंडा लाने के लिए डंका-ताशा के साथ जुलूस भी निकाला गया। इसमें युवाओं और बच्चों ने लाठी, बनौटी, फरसा, तलवार आदि से शौर्य प्रदर्शन भी किया। इस मौके पर लाइसेंसी शेखर रेवानी, प्रकाश जयसवाल, नवल सिंह, मंतोष मंडल, कमलेश सिंह, किशन नामाता, ब्रजेश सिंह, अनिमेष जयसवाल, रोहित चौधरी, प्रियंधुरी चौधरी आदि भी उपस्थित थे।

महावीर क्लब अखाड़ा ने गाजे-बाजे के साथ निकाला रामनवमी जुलूस

PHOTON NEWS GHATSILA : मऊभंडार के बी-ब्लॉक महावीर क्लब अखाड़ा समिति की ओर से रामनवमी का पर्व भक्तिभाव और पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया गया। रविवार को पुजारी ब्रजेश पांडेय ने नवमी पूजन संपन्न कराया। भगवान श्रीराम व हनुमान की पूजा के बाद अखंड रामायण पाठ शुरू हुआ। इस दौरान वैदिक मंत्रोच्चार व जय श्रीराम के उद्घोष से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा। हवन के बाद झंडा और शस्त्र पूजन भी हुआ।

आरती के उपरांत श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर गाजे-बाजे और डंका-ताशा की धुन पर भव्य जुलूस निकाला गया। अखाड़ा सदस्यों ने घर-घर जाकर मनोकामना झंडा लिया। जुलूस में युवाओं ने लाठी, तलवार आदि पारंपरिक शस्त्रों से शौर्य प्रदर्शन किया, जिसे लोगों ने खूब सराहा। अखाड़ा समिति के मुख्य संरक्षक ओमप्रकाश सिंह, संरक्षक काल्टू चक्रवर्ती, विनोद अग्रवाल, संयोजक संजय अग्रवाल, अध्यक्ष जगतराम, केंद्रीय अखाड़ा अध्यक्ष रुपेश दूबे, उस्ताद अशोक चौधरी, राकेश दूबे, लाइसेंसी शंभू जेना, एस राजन, नवल सिंह, मुनीब शर्मा, प्रकाश क्षेत्री, प्रकाश शर्मा, अशोक पाठक, धर्मेंद्र सिंह, रविशंकर राय, अशोक सिंह, नीरज क्षेत्री, संजीव सिंह, राजेश दूबे, विजय पांडेय, प्रदीप सिंह तोमर समेत सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित थे।

ढोल-नगाड़ा बजाते कलाकार ● फोटोन न्यूज

पटना के महावीर मंदिर में रामनवमी के मौके पर श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के जन्मदिन पर फहरे महावीरी झंडे

AGENCY NAVADA : घर -घर मे हनुमान पताखे फहराने के साथ ही मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के जन्मदिन पर रविवार को नवादा नगर सहित जिले के विभिन्न हिस्सों में समारोहों का तांता लगा रहा। जिले के हनुमान मंदिरों ठाकुरवादी तथा श्रद्धालुओं ने अपने-अपने घरों में हनुमान पताखा के ध्वजारोहण के साथी भगवान श्री राम का जन्मदिन मनाया। हिंदू धर्मशास्त्रों के अनुसार इस दिन मयार्दा-पुरूषोत्तम भगवान श्रीराम जी का जन्म हुआ था। भारतीय इतिहास के अनुसार श्रीराम का जन्म त्रेता युग में अयोध्या के राजा दशरथ और रानी कौशल्या के घर हुआ था, जो चैत्र शुक्ल नवमी को पुनर्वसु नक्षत्र में कर्क लग्न में हुआ था। इन्हें मर जाता हूं तथा परंपराओं का निर्वहन करते हुए चैत्र रामनवमी को भगवान श्री राम का जन्मदिन मनाया जाता है। भगवान श्री राम के जन्मदिन रामनवमी पर सुबह से ही प्रसिद्ध संकट मोचन मंदिर श्री राम जानकी ठाकुरवादी सहित विभिन्न स्थानों पर भगवान श्री राम तथा भक्त हनुमान का दर्शन करने श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी रही। गांव के हर घर में भगवान श्री राम के जन्म की बधाइयां गाए जाने के साथही हनुमान पताखे का ध्वजारोहण भी किया गया।

BRIEF NEWS

पिकअप वैन की चपेट में आकर साइकिल सवार की मौत

NAVADA : जिले में नारदीगंज थाना क्षेत्र के सिरपतिया-मटिहानी सड़क मार्ग पर रविवार को मटिहानी मोड़ के पास तेज रफ्तार अनियंत्रित पिकअप वैन की चपेट में आने से साइकिल सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान नारदीगंज थेन के हरिचंदन बीघा निवासी स्वर्गीय छोटन मालाकार के 50 वर्षीय पुत्र रविंद्र मालाकार के रूप में की गई है। बताया जाता है कि वह सिरपतिया गांव में चैती नवरात्रा के अवसर पर आयोजित दुर्गा पूजा के लिए फूल-माला पहुंचाकर साइकिल से अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान मटिहानी मोड़ के पास पिकअप वैन ने उसे कुचल दिया। घटना की सूचना मिलते ही स्वजनों में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना की पुष्टि नारदीगंज थानाध्यक्ष प्रभा कुमारी ने की है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल नवादा भेज दिया। वहीं, पिकअप वैन को जब्त कर चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है।

वक्फ कानून के नाम पर मुसलमानों को डरा रहा लालू परिवार : भाजपा

PATNA : संशोधित वक्फ कानून को लेकर बिहार में सियासत जोरों पर है। इस बीच स्वास्थ्य और विधि मंत्री मंगल पाण्डेय ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि लालू परिवार वोट बैंक के लिए मुसलमानों को कब तक डराता रहेगा? सोमवार को जारी बयान में मंत्री ने कहा कि तुष्टिकरण की नीति के जरिए मुसलमानों को केवल वोट बैंक समझने वाला राजद एक बार फिर संशोधित वक्फ कानून के नाम पर मुसलमानों को डरा रहा है। संसद के दोनों सदनों से पारित और राष्ट्रपति की सहमति प्राप्त वक्फ कानून को सत्ता में आने पर नहीं लागू करने की घोषणा करने वाले नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की मंशा बिहार की कुल मुस्लिम आबादी के 73 फीसदी पसमांदा समाज की हकमारी करने की है। आपको बता दें शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर तेजस्वी यादव ने ऐलान किया था, कि हमारी सरकार बिहार में बनी तो वक्फ कानून कूड़ेदान में डाला जाएगा।

ध्वजारोहण के साथ प्रदेश कार्यालय में मनाया गया भारतीय जनता पार्टी का 45वां स्थापना दिवस

हम भारत को फिर से विश्वगुरु बनाने की दिशा में कर रहे काम : डॉ. दिलीप

AGENCY PATNA : भारतीय जनता पार्टी के 45वें स्थापना दिवस रविवार को पटना पार्टी मुख्यालय में धूमधाम से मनाया गया। प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिलीप जायसवाल ने ध्वजारोहन के बाद पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि स्थापना दिवस को लेकर प्रदेश, जिला और बूथ स्तर पर धूमधाम से कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा आज भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन चुकी है और भाजपा को इस उंचाई तक पहुंचाने में पंडित दीनदयाल उपाध्याय, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी जैसे नेताओं का समर्पण रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भाजपा को आगे बढ़ा रहे है और उन्हीं के नेतृत्व में देश आगे बढ़ रहा है।
भाजपा की प्राथमिकताओं की चर्चा करते हुए डॉ दिलीप जायसवाल ने कहा कि, भारतीय जनता पार्टी ने देश की विचारधारा, विरासत और संस्कृति को प्राथमिकता दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हम भारत को फिर से विश्वगुरु बनाने की दिशा में कार्य कर रहे हैं।

भाजपा फारबिसगंज नगर इकाई ने मनाया पार्टी का स्थापना दिवस

ARARIA : फारबिसगंज भाजपा नगर इकाई की ओर से रविवार को पार्टी का स्थापना दिवस पूर्व मुख्य पार्षद गुंजन सिंह के आवास पर नगर अध्यक्ष बीरेंद्र प्रसाद मिंटू की अध्यक्षता में मनाया गया। कार्यक्रम में पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के तैल चित्र पर पुष्पांजलि और दीप प्रज्वलित कर साथ ही पार्टी के झंडोतोलन स्थानीय विधायक विद्यासागर केशरी उर्फ मंचन केशरी के द्वारा किया गया। झंडोतोलन के बाद 14 अप्रैल तक सभी बूथ अध्यक्ष एवं कार्यकताओं के आवास पर झंडोतोलन का निर्णय लिया गया। कार्यक्रम में विधायक विद्यासागर केशरी ने पार्टी के स्थापना को लेकर अपने विचार व्यक्त किए और कहा कि जनसंघ से शुरू हुई कारवां आज विश्व की सबसे बड़े कार्यकताओं वाली पार्टी भाजपा निर्माण में कईयों का योगदान रहा,जिसे भुलाया नहीं जा सकता। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में फारबिसगंज विधायक विद्यासागर केशरी जी,नगर अध्यक्ष बीरेंद्र प्रसाद मिंटू उपस्थित रहे।

नवादा में भाजपा के पुराने कार्यकर्ताओं ने अलग से किया समारोह

NAVADA : भाजपा संगठन में अध्यक्ष की मनमानी तथा कमेटी में चमचों को जगह दिए जाने के विरोध में रविवार को भारतीय जनता पार्टी की स्थापना दिवस समारोह में पार्टी दो फाड़ हो गई। जिला अध्यक्ष अनिल मेहता ने जहां पार्टी कार्यालय में स्थापना दिवस मनाया। वहीं जिले के कोर कमेटी के तीन पूर्व अध्यक्षों अधिकांश पुराने कार्यकर्ता तथा पदाधिकारियों ने न्यू एरिया के श्री कृष्णा स्मारक भवन में पूर्व जिला अध्यक्ष संजय कुमार मुन्ना की अध्यक्षता में स्थापना दिवस समारोह मनाया, जिसमे भारी संख्या में नेता व कार्यकर्ता उपस्थित थे। भारतीय जनता पार्टी के पुराने जिला कार्यकताओं के द्वारा डॉ श्री कृष्णा स्मारक हाल में पार्टी के स्थापना दिवस का कार्यक्रम भव्य रूप से आयोजित किया गया। इसमें पार्टी के स्थापना से लेकर आज तक पार्टी के द्वारा किए गए कार्यों का विस्तार पूर्वके चर्चा की गई। आगामी आने वाले विधानसभा चुनाव एवं पार्टी के सारे कार्यक्रमों की सफलता के लिए चर्चा की गई इस कार्यक्रम का संचालक निवर्तमान जिला अध्यक्ष संजय कुमार मुन्ना ने किया। जिले के कोने-कोने से आए पुराने कार्यकताओं ने यह साफ तौर पर कहा कि भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष द्वारा पार्टी को गिरोह के तौर पर चलाया जा रहा है,जिसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी का बिहार दौरा आज, पार्टी प्रभारी पहुंचे पटना

बेगूसराय में 'पलायन रोको-नौकरी दो' पदयात्रा और पटना में संविधान सुरक्षा सम्मेलन में लेंगे भाग

AGENCY PATNA : बिहार कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावरु आज सुबह पटना पहुंचे। अल्लावरु लोकसभा में विपक्ष के नेता कांग्रेस नेता राहुल गांधी के 7 अप्रैल यानी कल से शुरू होने वाले बिहार के दौरे को लेकर यहां आये हैं। राहुल गांधी बेगूसराय में नौकरी दो पलायन रोको यात्रा और बाद पटना में संविधान सुरक्षा सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। इसके अलावा वे पार्टी के नेताओं से मुलाकात भी करेंगे। पटना एयरपोर्ट पर कांग्रेस के बिहार प्रदेश प्रभारी कृष्णा अल्लावरु ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के कार्यक्रम की विस्तार से जानकारी दी।प्रभारी ने यहां मीडियाकर्मियों से बातचीत के दौरान कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी 7 अप्रैल को बिहार के एकदिवसीय दौरे पर रहेंगे। अल्लावरु ने कहा कि कल राहुल गांधी बिहार आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि राहुल गांधी सुबह पटना एयरपोर्ट पहुंचेंगे। यहां से वे चार्टर हेलीकॉप्टर से बेगूसराय के लिए रवाना होंगे। बेगूसराय में वे युवा कांग्रेस के अभियान 'पलायन रोको, नौकरी दो' पदयात्रा में भाग लेंगे और इसे संबोधित करेंगे। इसके बाद राहुल गांधी पटना लौटेंगे और श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में आयोजित संविधान सुरक्षा सम्मेलन को संबोधित करेंगे। सम्मेलन में वे संविधान की रक्षा और लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखने को लेकर अपनी बात रखेंगे। विपक्ष के नेता राहुल गांधी का यह वर्ष 2025 में तीसरा बिहार दौरा होगा। इन कार्यक्रमों के बाद राहुल गांधी कांग्रेस पार्टी मुख्यालय सदाकत आश्रम भी जाएंगे, जहां वे वरिष्ठ नेताओं और संगठन पदाधिकारियों से मुलाकात करेंगे। यहां वे 2025 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर चर्चा करेंगे और इंडिया गठबंधन में सीटों के तालमेल को लेकर पार्टी नेताओं से राय भी लेंगे। राहुल गांधी बिहार कांग्रेस की चुनावी रणनीति को अंतिम रूप देने और जमीनी कार्यकताओं से फीडबैक लेने के लिए पार्टी मुख्यालय में कुछ समय बिताएंगे।

राहुल गांधी जहां जाते हैं, कांग्रेस की लुटिया डुबोते हैं : दिलीप जायसवाल

PATNA : बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी दो महीने में तीसरी बार 7 अप्रैल को बिहार आ रहे हैं। जिसको लेकर बिहार कांग्रेस की तैयारियां तेज हो गई है। इस बीच बिहार बीजेपी के अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने चुटकी ली है। उन्होने कहा कि जहां-जहां राहुल गांधी जाते हैं, वहां कांग्रेस की लुटिया डुबोते हैं। इससे पहले छत्तीसगढ़, राजस्थान, महाराष्ट्र और दिल्ली भी गए थे, जहां कांग्रेस की करारी हार हुई थी। अब अंतिम में बिहार आ रहे हैं। कांग्रेस को अब राजनीतिक मोझ की प्राप्ति निश्चित है। जायसवाल ने कहा कि राहुल गांधी जिस राज्य में कदम रखते हैं, वहां कांग्रेस की दुर्गति तय होती है। बिहार की जनता अब उनके दिखावे को अच्छी तरह समझ चुकी है।

पुलिस ने जब्त की 108 लीटर नेपाली शराब और बाइक

AGENCY ARARIA : जिले की फुलकाहा थाना पुलिस ने रविवार को भारत नेपाल सीमा क्षेत्र के पास से तस्करी कर लाए जा रहे 108 लीटर नेपाली शराब के साथ हीरो सुपर मोटरसाइकिल बरामद किया।हालांकि तस्कर पुलिस को देखकर मौके पर बाइक और शराब के कार्टन को छोड़कर भागने में कामयाब रहा।
फुलकाहा थानाध्यक्ष को गुप्त सूचना मिली थी कि नेपाल से शराब की तस्करी होने वाली है,जिसके आधार पर पुलिस ने सीमा के पास वाहनों के जांच करने शुरू किए। इसी क्रम में नेपाल से शराब लोडकर आ रहे हीरो सुपर स्पलेंडर बाइक संख्या बीआर38वी /9037 पर सवार पुलिस की चेकिंग को देखकर

पहले तो बाइक लेकर भागने की कोशिश की लेकिन पुलिस के द्वारा पकड़ने के लिए दौड़े जाने पर बाइक और शराब को छोड़कर नेपाल सीमा क्षेत्र में प्रवेश कर गया। इस बात की जानकारी फारबिसगंज एसडीपीओ मुकेश कुमार साहा ने दी।

एमजीसीयू के पूर्व छात्र रवि रंजन को अमेरिका में मिला डीन विशिष्ट सम्मान

AGENCY EAST CHAMPARAN : महात्मा गांधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय के रसायन विभाग के पूर्व छात्र रवि रंजन पांडेय को संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रतिष्ठित कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, रिवरसाइड में पूर्णतः वित्त-पोषित अनुसंधान उपाधि (पीएचडी) कार्यक्रम में प्रवेश मिला है। उन्हें वहाँ के उच्च सम्माननीय डीन विशिष्ट सम्मान से भी सम्मानित किया गया है,जिसके के तहत उन्हे प्रति माह लगभग 3.3 लाख की शोधवृत्ति के साथ संपूर्ण शिक्षण शुल्क में छूट प्रदान की गई है।रवि रंजन पाण्डेय ने वर्ष 2022 में विश्वविद्यालय से रसायन शास्त्र में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त की थी और तत्पश्चात विश्वविद्यालय में डॉ. राकेश कुमार पाण्डेय के निर्देशन में एक शोध परियोजना से जुड़े रहे।

उन्होंने अब तक 10 से अधिक शोध लेखों का प्रकाशन अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त पत्रिकाओं में किया है, जो उनकी अनुसंधान दक्षता एवं सतत श्रमशीलता को दशार्ता है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर संजय श्रीवास्तव ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि रवि रंजन पाण्डेय की प्रतिभा, परिश्रम और विश्वविद्यालय की उत्कृष्ट शैक्षणिक एवं अनुसंधान परंपरा का परिचायक है। महात्मा गांधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय ऐसे प्रतिभाशाली छात्रों को प्रेरणा, अवसर और मंच प्रदान करता है। रसायन शास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर रफीक उल इस्लाम ने कहा, कि रवि की सफलता हम सभी के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने हमारे विभाग की पहचान राष्ट्रीय ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित की है। उनकी अनुशासित कार्यशैली और शोध के प्रति समर्पण अनुकरणीय है। विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रोफेसर देवदत्त चतुर्वेदी ने कहा,रवि रंजन पाण्डेय की यह उपलब्धि विश्वविद्यालय की गुणवत्ता परक शिक्षा, अनुसंधान-संस्कृति तथा वैश्विक मंचों पर छात्रों की पहुंच को प्रमाणित करती है।

मिसाल भीषण गर्मी में भागलपुर के कुछ युवा बेजुबान पशु-पक्षियों की सहायता के लिए आए सामने

बेजुबानों के प्रति दया रखने वाले इंसान बहुत कम : धनंजय

AGENCY BHAGALPUR : इस भीषण गर्मी में भागलपुर के कुछ युवा बेजुबान पशु पक्षियों की सहायता के लिए सामने आए हैं। ये युवा अपने साथ-साथ लोगों को भी काफी जागरूक कर रहे हैं। इस काम की बीड़ा हेलमेट मेन के नाम से मशहूर कांस्टेबल धनंजय पासवान अपने सहयोगी साथी श्रेयांस और शाहिद के साथ मिलकर उठाया है। ये लोग बेजुबान पशु पक्षियों की आवाज बनने और उनके देखभाल करने में लगे हैं। धनंजय पासवान ने बताया कि दुनिया में ऐसे बहुत से लोग हैं जो जरूरतमंद इंसानों के प्रति अपनी दयालुता दिखाते हैं। उनके लिए खाने से लेकर पैसों तक की

- पशु पक्षियों की आवाज बनने और उनकी देखभाल कर रहे हैं ये लोग
- पशु-पक्षियों से भी लोगों को करना चाहिए प्रेम
- पशुओं की मदद कर हमें भी मिलती है आंतरिक खुशी

बेजुबान पशु-पक्षियों के लिए भोजन-पानी का इंतजाम करते कांस्टेबल धनंजय पासवान व उनके साथी

व्यवस्था करते हैं। लेकिन बेजुबान जानवरों के प्रति दया रखने वाले इंसान बहुत कम ही मिलते हैं। ऐसे लोगों को बेजुबान पशु पक्षियों से भी प्रेम करनी चाहिए और उनकी सहायता करनी चाहिए।
हेलमेट मैन कांस्टेबल धनंजय पासवान एवं उनके कुछ साथियों ने इन मासूमों के नाम अपनी जिंदगी कर दी है। वहीं श्रेयांश ने बताया कि इंसान अपने भूख की बात कह कर लोगों से पूरी कर लेते हैं। लेकिन बेजुबान जानवर कुछ भी कह नहीं सकते। जिसको लेकर हम लोग कई वर्षों से जगह-जगह गायों के लिए चारा, कुत्तों और बंदरों के लिए बिस्किट, रोटी, पक्षियों के लिए घोषला दाना पानी देने का काम कर रहे हैं। हमें इस काम से काफी संतुष्टि मिलती है। उन्होंने कहा कि पशु बेजुबान होते हैं। इन्हें कभी भी मारना नहीं चाहिए। बल्कि जितनी ज्यादा हो सके हमें इनकी मदद करनी चाहिए। कांस्टेबल धनंजय ने बताया कि अगर हम ऐसे पशुओं की मदद करते हैं तो हमें भी आंतरिक खुशी मिलेगी और पशु -पशुओं की भूख भी मिट जाएगी।

शब्दयात्रा की नई कार्यकारिणी का हुआ गठन

AGENCY BHAGALPUR : शब्दयात्रा भागलपुर के संरक्षक द्वय राष्ट्रकवि गोपाल सिंह नेपाली के पुत्र नकुल सिंह नेपाली एवं सहदेव सिंह नेपाली के निधनोपरांत रविवार को श्रीराम नवमी के पावन दिवस पर साहित्यिक सांस्कृतिक संस्था शब्दयात्रा भागलपुर की नई कार्यकारिणी समिति का गठन किया गया। पूर्व की तरह इस बार पुनः कविवर गोपाल सिंह नेपाली के सम्माननार्थ उनकी एकमात्र संतान कमला कुंदर उर्फ कमला सिंह नेपाली सर्वसम्मति से शब्दयात्रा भागलपुर की वरीय-संरक्षिका घोषित की गईं। इसके साथ ही नेपाली जी की शव यात्रा में लंबे समय तक शामिल रहने वाले भागलपुर महानगर के समाजसेवी रामरतन चुड़ीवाला एवं खानकाह-ए-पीर दमड़िया के सज्जादानशीं सैय्यद शाह फकरे

आलम हसन को संरक्षक मनोनीत किया गया। स्वागताध्यक्ष के रूप में स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय की प्राध्यापिका प्रोफेसर (डॉ) नीलू कुमारी को मनोनीत किया गया। अध्यक्ष के तौर पर एकबार पुनः वरिष्ठ पत्रकार कवि लघुकथाकार पारस कुंज का सर्वसम्मति से चयन किया गया। बहुमुखी प्रतिभा सम्पन्न रंगकर्मी डॉ जयंत जलद और साप्ताहिक और पाक्षिक-पत्र जमाने के पत्रकार दुग्धेश्वरनाथ (पीपल गाछ) चौक को पहली बार वेरायटी चौक लिखने वाले योगेन्द्र कुमार मिश्र को प्रेस प्रभारी बनाया गया है। संयोजक के रूप में महेन्द्र मयंक एवं प्रोफेसर डॉ सत्यम शरणम् तथा उनके साथ विकास जैन और जिज्ञासा दत्त के सांस्कृतिक पिता देवाशीष दत्त को सह-संयोजक मनोनीत किया गया। उल हो कि राष्ट्रकवि गोपाल सिंह नेपाली की स्मृति और सम्मान को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए दीपावली 2004 में पारस कुंज की पहल पर शब्दयात्रा भागलपुर की स्थापना की गई थी।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का मतलब अराजकता नहीं

भारतीय राजनीति, साहित्य, संस्कृति और अकादमिक दायरों में जिस पदबंध का प्रयोग जोर-शोर से किया जाता है, वो है- अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता। जितने जोर-शोर से इसे दोहराया जाता है, उससे भी दोगुने मौकों पर इसका दुरुपयोग भी उतने ही खुले तौर पर किया जाता है। हालिया एक कॉमेडियन कुणाल कामरा के प्रकरण से ऐसा ही कुछ हुआ जा रहा है। जो लोग यह तर्क देते हैं कि अगर आप किसी से असहमत भी हों, तब भी आपको उनके बोलने के अधिकार का समर्थन करना ही चाहिए। फ्रीडम ऑफ स्पीच पर तभी प्रश्न उठाए जा सकते हैं, जब वह हिंसा फैलाने में सहयोग कर रही हो। कुणाल कामरा ने ऐसा कुछ नहीं किया है, जबकि किसी के बोलने में इसका व्यावहारिक और तर्कसंगत पहलू भी होना चाहिए कि उसके बोलने का वास्तविक मंतव्य, उद्देश्य क्या है। कोई अगर कॉमेडी की आड़ या अन्य किसी भी नजरिए से किसी व्यक्ति, जाति, धर्म, संप्रदाय, समुदाय या किसी भी उद्देश्य से निर्मित समूह के प्रति सार्वजनिक रूप से अभद्र, अश्लील, अमर्यादित भाषा-बोली का प्रयोग कर उसकी मानहानि करते हैं, सामाजिक रूप से अपमानित करते हैं, फूहड़ तरीके से हंसी-मखौल उड़ाते हैं या उसके हितों नुकसान करते हैं,तो यह भी उसके प्रति वाचिक हिंसा, सार्वजनिक अपमान करना ही हुआ। इसे स्वतंत्रता की अभिव्यक्ति, बोलने का अधिकार या लोकतंत्र कि समर्थन तो कतई नहीं कहा-माना जा सकता। कुणाल कामरा ने पिछले दिनों अपने कॉमेडी शो में महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की तरफ संकेत कर जो कुछ कहा है, उसे समझना, उसके निहितार्थ निकालना कोई मुश्किल काम नहीं है। यह महज कॉमेडी नहीं, विशुद्ध रूप से फूहड़ तरीके का राजनीतिक वक्तव्य है, किसी का सार्वजनिक अपमान, उसकी मानहानि है। भारत में दल-बदल कर सत्ता हासिल करने का लंबा राजनीतिक इतिहास रहा है। 1977 और 1979 में हरियाणा में मुख्यमंत्री भजनलाल के समूची कैबिनेट सहित दल-बदल करने का इतिहास तो जाना-पहचाना है ही, राजनीतिक मुहावरा 'आयाराम-गयाराम' भी हरियाणा के एक विधायक की ही देन है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की आड़ में हमें उन मूल्यों को भी नहीं भूलना चाहिए, जो एक सभ्य, सुसंस्कृत, मर्यादित और शिष्ट समाज की बुनियाद होते हैं। इस समाज में अनियंत्रित, निरंकुश कुछ भी नहीं होता। अनुशासन, मर्यादाओं की एक सीमा-रेखा होती है। भारतीय संविधान में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता अनुच्छेद 19(1)(क) के तहत नागरिकों को दी गई है। हालांकि यह भी असीम नहीं है। इसे अनुच्छेद 19(2) के तहत कुछ उचित प्रतिबंधों के अधीन रखा गया है। हर अभिव्यक्ति का मतलब अराजकता नहीं हो सकता। लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए वाचिक और शाब्दिक हिंसा पर भी अंकुश उतना ही जरूरी है, जितना दैहिक हिंसा पर। भारतीय बौद्धिक जगत की दिक्कतें यह भी कम नहीं कि उसकी बौद्धिकता किसी व्यक्ति, समूह, जाति,समुदाय को परखने,उसका मूल्यांकन करने या उसके पक्ष-विपक्ष में खड़े होने के मूल में उसके पैमाने, उसके निकष, मापदंड उसकी विचारधारा के अनुरूप बदलते रहते हैं। इसके मूल में उसकी राजनीतिक विचारधारा, उसकी अपेक्षाएं, उसकी महत्वाकांक्षाएं और उसके निहितार्थ मुख्य भूमिका निभाते हैं। ऐसा ही कामरा के प्रसंग में हुआ है। कला और साहित्य-संस्कृति की स्वायत्तता के स्वयंभू ठेकेदारों ने अपने स्तर पर एक पैमाना बना रखा है, जिससे वे अभियक्ति की आजादी की हद तय करते है। सच यही है कि आज भारतीय बौद्धिक जगत अपनी इस खामोशी की वजह ज्यादा अविश्वसनीय और बदनाम है, जिसे निर्मल वर्मा ने चुनी हुई चुप्पी कहा था, जिसे सामान्यतः सेलेक्टिव खामोशी कहा जाता है। ऐसे चुनी हुई चुप्पियों वाले कथित और स्वयंभू बुद्धिजीवियों की अभिव्यक्ति की आजादी तब खतरे में नहीं आती, जब तस्लीमा नसरीन को बोलने से रोका जाता है, तारेक फतेह के साथ धक्का-मुक्की कर जश्ने रेख्ता से बाहर किया जाता है। इस आजादी पर तब भी खतरा नहीं आता, जब जेएनयू के वामपंथी योग शिक्षक रामदेव को किसी कार्यक्रम में बुलाने का विरोध कर उनका कार्यक्रम रद करवा देते हैं या नूपुर शर्मा की तथ्यात्मक बात के बावजूद वे चुप्पी धारण कर लेते हैं। यदि कोई अपनी वैचारिकता के निकट है तो गलत होकर भी सही, वरना विरोधी होने पर खामोशी। क्या एक लोकतांत्रिक देश में सेलेक्टिव चुप्पी और सेलेक्टिव स्वस्थ प्रवृत्ति है। कुणाल कामरा का विवादों से पुराना नाता रहा है। वरिष्ठ पत्रकार अर्नब गोस्वामी से लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संदर्भ में वो विवादों में रह चुके हैं। नए वीडियो में कामरा ने मुकेश अंबानी के बेटे का उसके वजन के लिए मजाक उड़ाया है। सभी जानते हैं कि अनंत अंबानी को बीमारी की वजह से स्टेरॉयड्स लेने पड़ते हैं। स्टेरॉयड्स के साइड इफेक्ट की वजह से उनका ये वजन बढ़ा हुआ है। यानी बीमारी की वजह से अनंत अंबानी की ये हालत है और कोई उसका मजाक उड़ा रहा है तो ये कुछ भी हो सकता है, कॉमेडी तो नहीं। वास्तविकता यह है कि आज के दौर में जब कॉमेडियन का मार्केट ठंडा हो जाता है, तब वापस मार्केट में चर्चा में आने के लिए धर्म, राजनीति, जाति आदि विषयों पर निजी रूप से व्यंग्य करते हैं, ताकि विवाद हो और वह फिर चर्चा में आ जाएं। पैसे और चर्चा में बने रहने के लिए उनका एक तरह का पेशा है। इसे आप इस प्रकरण से भी समझ सकते हैं कि इस विवाद के बाद सुपर थैंक्यू के नाम पर कामरा को दो दिन में ही लाखों रुपये की फंडिंग हो चुकी है। कहने को विदेशी सिनेमा या सीरीज में देशज शब्दों की भरमार होती है। ऑस्कर पाने वाली 'अनोरा' में एक गाली का प्रयोग सैकड़ों बार हुआ।

सचमुच सिमट रही है दामन की प्रतिष्ठा

ANALYSIS

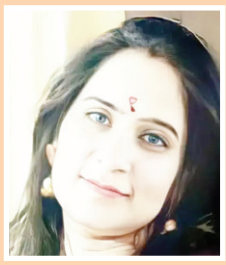

प्रियंका सौरभ

क्या छोटे वस्त्र संस्कारों का ह्रास हैं या फिर मानसिकता का परिष्करण। क्या स्त्री का सम्मान उसके पहनावे से तय होना चाहिए या फिर उसकी बुद्धिमता, शिक्षा और आत्मनिर्भरता अधिक महत्वपूर्ण हैं। समय की करवटों ने जब फैशन के रेशों को बुना, तब परिधान भी परिवर्तनों की सीढ़ियां चढ़ते चले गए। परंतु, क्या इस बदलाव ने दामन की प्रतिष्ठा को भी प्रभावित किया है। क्या आधुनिक वस्त्रों ने पारंपरिक गरिमा को बिसरा दिया या फिर समाज की दृष्टि अब और व्यापक हो चली है। समय के साथ परिधान और समाज की सोच में बदलाव आया है। पहले दामन केवल वस्त्र का टुकड़ा नहीं, बल्कि मयार्दा और संस्कृति का प्रतीक माना जाता था। क्या हम ये कह सकते है कि जैसे-जैसे दामन छोटा हुआ, वैसे-वैसे मयार्दा और संस्कृति भी घटती गई। दामन केवल वस्त्र का टुकड़ा नहीं, यह मयार्दा का आंचल, संस्कृति की पहचान और शालीनता की परिधि रहा है। भारतीय नारी के परिधान- साड़ी, घाघरा, अनारकली और दुपट्टा न केवल उसके सौंदर्य को संवारते थे, बल्कि उसकी गरिमा और मयार्दा का भी पर्याय बने। पहले 52 गज के दामन का अर्थ भव्यता, शालीनता और गौरव से लिया जाता था। दामन संभालना मात्र वस्त्रों का सहेजना नहीं, बल्कि अपनी प्रतिष्ठा और चारित्रिक दृढ़ता को बचाए रखना भी था।

समय के साथ परिधान और समाज की सोच में बदलाव आया है। पहले दामन केवल वस्त्र का टुकड़ा नहीं, बल्कि मयार्दा और संस्कृति का प्रतीक माना जाता था। पारंपरिक वस्त्रों- साड़ी, घाघरा, अनारकली को महिलाओं की गरिमा से जोड़ा जाता था। दामन की प्रतिष्ठा अब भी बनी हुई है, परंतु उसकी परिभाषा बदल चुकी है। परंपरा और आधुनिकता के बीच संतुलन बनाए रखना आवश्यक है। क्या छोटे वस्त्र संस्कारों का ह्रास हैं या फिर मानसिकता का परिष्करण। क्या स्त्री का सम्मान उसके पहनावे से तय होना चाहिए या फिर उसकी बुद्धिमत्ता, शिक्षा और आत्मनिर्भरता अधिक महत्वपूर्ण हैं। समय की करवटों ने जब फैशन के रेशों को बुना, तब परिधान भी परिवर्तनों की सीढ़ियां चढ़ते चले गए। परंतु, क्या इस बदलाव ने दामन की प्रतिष्ठा को भी प्रभावित किया है। क्या आधुनिक वस्त्रों ने पारंपरिक गरिमा को बिसरा दिया या फिर समाज की दृष्टि अब और व्यापक हो चली है। समय के साथ परिधान और समाज की सोच में बदलाव आया है। पहले दामन केवल वस्त्र का टुकड़ा नहीं, बल्कि मयार्दा और संस्कृति का प्रतीक माना जाता था। क्या हम ये कह सकते है कि जैसे-जैसे दामन छोटा हुआ, वैसे-वैसे मयार्दा और संस्कृति भी घटती गई। दामन केवल वस्त्र का टुकड़ा नहीं, यह मयार्दा का आंचल, संस्कृति की पहचान और शालीनता की परिधि रहा है। भारतीय नारी के परिधान- साड़ी, घाघरा, अनारकली और दुपट्टा न केवल उसके सौंदर्य को संवारते थे, बल्कि उसकी गरिमा और मयार्दा का भी पर्याय बने। पहले 52 गज के दामन का अर्थ भव्यता, शालीनता और गौरव से लिया जाता था। दामन संभालना मात्र वस्त्रों का सहेजना नहीं, बल्कि अपनी प्रतिष्ठा और चारित्रिक दृढ़ता को बचाए रखना भी था।

समाज ने मयार्दा को बाह्य आवरण में समेट दिया, जिससे व्यक्तित्व का आकलन केवल परिधानों से होने लगा। समय अपनी गति से प्रवाहमान रहा और उसके साथ समाज की सोच भी विस्तारित होती चली गई। अब वह समय नहीं, जब गरिमा की परिभाषा केवल कपड़ों की सिलवटों में समेट दी जाती थी। आज महिलाएं अपने आत्मविश्वास की उड़ान को चुन रही हैं- जींस, टॉप, स्कर्ट, फॉर्मल सूट और इंडो-वेस्टर्न परिधानों के साथ। परिधान अब मात्र देह को ढकने का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व और विचारों की अभिव्यक्ति का स्वरूप बन गए हैं। परंपरा और आधुनिकता के ताने-बाने से एक नया फ्यूजन जन्म ले चुका है, जो संस्कृति और स्वतंत्रता के बीच संतुलन स्थापित करता है। गरिमा अब वस्त्रों की परिधि में सीमित नहीं, बल्कि आत्मसम्मान और व्यवहार में प्रतिबिंबित होती है। यह एक जटिल प्रश्न है, जिसकी गूंज समय और समाज दोनों में सुनी जा सकती है। क्या वस्त्रों का लघु होना संस्कारों का ह्रास है, या फिर मानसिकता का परिष्करण। क्या किसी स्त्री का सम्मान उसके पहनावे तक सीमित रहना चाहिए। क्या उसकी बुद्धिमत्ता, शिक्षा और आत्मनिर्भरता उससे अधिक मूल्यवान नहीं। क्या परिधान की लंबाई उसके विचारों की ऊंचाई से अधिक महत्व रखती है। कुछ का मत है कि आधुनिकता ने संस्कृति को धूमिल किया, परंतु अन्य इसे आत्म-अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के रूप में देखते हैं। वास्तविकता यह है कि गरिमा बाह्य आवरण में नहीं, बल्कि आचरण और आत्म-सम्मान में होती है। अब भी कई स्थानों पर परिधानों को लेकर परंपरा की बेड़ियां जकड़ी हुई हैं। ऐसे वस्त्र मत पहनो, लोग क्या कहेंगे, जैसे शब्द आज भी अनगिनत घरों की दीवारों से टकराते हैं। कपड़ों से संस्कार झलकते हैं। लड़की हो, थोड़ा सभ्य कपड़े पहनो। ऐसे खुले विचार नहीं, यह हमारी संस्कृति नहीं। परंतु,ज़क्या परिधान ही संस्कारों की कसौटी है। समाज को इस सोच से आगे बढ़ना होगा कि स्त्रियों की मयार्दा वस्त्रों से नहीं, उनके विचारों से आंकी जानी चाहिए। समय के प्रवाह में समाज ने अनेक रूप बदले हैं, परंतु स्त्रियों की स्वतंत्रता को लेकर उसकी सोच अब भी दो ध्रुवों में बंटी हुई प्रतीत होती है। एक ओर आधुनिकता की लहर उन्हें आत्मनिर्भर और स्वतंत्र बना रही है, तो दूसरी ओर परंपरा की जड़ें अब भी उनकी उड़ान में अवरोध उत्पन्न करती हैं। सवाल यह उठता है कि क्या स्त्री सचमुच स्वतंत्र हुई है, या यह केवल एक भ्रम है। दामन की प्रतिष्ठा अब भी बनी हुई है, बस उसकी परिभाषा ने एक नया रूप धारण कर लिया है। परंपरा हमारी जड़ों से जुड़ी होती है, लेकिन जड़ों को मजबूती देने के लिए शाखाओं का फैलना भी जरूरी है। संस्कृति को आधुनिकता के साथ संतुलित करना आवश्यक है। महिलाओं को अपनी इच्छा से परिधान चुनने की स्वतंत्रता मिलनी चाहिए। असली गरिमा पहनावे में नहीं, बल्कि विचारों, कर्मों और आत्म-सम्मान में बसती है। समय की सुइयां कभी पीछे नहीं दौड़तीं। परिधान बदल सकते हैं, परंतु सम्मान और गरिमा की वास्तविक पहचान व्यक्ति के आचरण और आत्मसम्मान में होती है। दामन की प्रतिष्ठा आज भी जीवंत है, बस उसका अस्तित्व अब कपड़ों की सिलवटों में नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और स्वतंत्रता के विस्तृत आकाश में देखा जाता है। कई बार जब दामन की प्रतिष्ठा पर चर्चा होती है, तो असल में यह संस्कृति और स्वतंत्रता के बीच संतुलन का मामला होता है। परंपराएं समाज की जड़ों से जुड़ी होती हैं, लेकिन उनका बदलते समय के साथ ढलना भी जरूरी है। महिलाओं को यह अधिकार होना चाहिए कि वे जो पहनना चाहें, पहन सकें, बिना किसी सामाजिक दबाव के। गरिमा और मयार्दा पहनावे से ज्यादा व्यक्ति के व्यवहार, सोच और कृत्यों में झलकती है। संस्कृति और आधुनिकता में संतुलन बनाए रखना सबसे अच्छा समाधान है। फैशन और पहनावा बदल सकते हैं, लेकिन सम्मान और गरिमा व्यक्ति की सोच और कर्मों से आती है। दामन की प्रतिष्ठा आज भी बनी हुई है, बस उसकी परिभाषा बदल गई है। यह अब सिर्फ कपड़ों में नहीं, बल्कि व्यक्तित्व और आत्म-सम्मान में दिखती है।

(लेखिका रिसर्च स्कॉलर एवं स्वतंत्र स्तंभकार हैं)

अद्वितीय है वैदिक संवत्सर की धारणा

नवसंवत्सर का स्वागत। काल सुंदर रथ पर सवार है। यह हर बरस मधुमय नवसंवत्सर लाता है। काल सर्वशक्तिमान देवता हैं। अथर्ववेद (9-53) के ऋषि भृगु ने उनकी महिमा गाई है, काल-अश्व विश्वरथ का नियंता है। वह सहस्त्र आंखों वाला है। सबको देखता है। समस्त लोक कालरथ के चक्र हैं। ज्ञानी इस रथ पर बैठते हैं। यह काल सात चक्रों का वाहक है। इसकी सात नाभियां हैं। इसकी धुरी में अमृत है। ज्ञानी इस काल को विभिन्न रूपों में देखते हैं। कैसे देखते हैं। भृगु ने बताया है, काल से ही सृष्टि सर्जक प्रजापति आए। काल स्वयंभू है। वह स्वयं किसी से नहीं जन्मा। काल से ही विश्वजन्मा। काल में तप है। काल में मन है। काल में ज्ञान है। काल विश्व पालक और सबका पिता तथा पुत्र है। काल में पृथ्वी की गतिशीलता है। काल से ही सूर्योदय और सूर्यास्त हैं। काल में ही भूत, भविष्य और वर्तमान हैं। सृष्टि का उद्भव शून्य से नहीं हो सकता। सृष्टि रचना के पहले कोई एक आदि द्रव्य है। इसी आदि द्रव्य में सृष्टि का समूचा पदार्थ-जड़ और समस्त ऊर्जा चेतन एकत्रित है। फिर आदि द्रव्य में परिवर्तन हुआ, जो अव्यक्त था, अप्रकट था वह व्यक्त हुआ। प्रत्येक परिवर्तन का मूल गति है। गति से ही काल बोध है। वैदिक निरूक्त में यास्क ने काल का संबंध गति से जोड़ा है। काल अखंड सत्ता है। काल पिता है, वही पुत्र भी है। काल की अनुकंपा आयु है, काल का कोप मृत्यु है। काल में सर्जन है, काल में ही विसर्जन है। भारतीय कालबोध ऋग्वेद से भी पुराना है। यही कालबोध प्राचीन काल में ईरान पहुंचा। अथर्ववेद में जो काल है, वही ईरानी ग्रंथ अवेस्ता में जुर्वान है। जैसे अथर्ववेद का काल प्रतिष्ठित देवता है, वैसे ही अवेस्ता का जुर्वान भी एक देव है। भारतीय काल सबका नियंता है और प्रजापति का पिता है। इसके भीतर प्रकाश और अंधकार है। दिवस और रात्रि है। जुर्वान भी अनंत है। संसार के रचयिता अहुरमज्दा उसकी संतान हैं। अहुरमज्दा भारतीय प्रजापति हैं। इस विचार के अनुसार जब न आकाश था, न पृथ्वी, न कोई जीव तब जुर्वान था। यहां सीधे ऋग्वेद के सृष्टि सूक्त की प्रतिध्वनि है। भारतीय नववर्ष की शुरूआत किसी ऋषि, महात्मा या महापुरुष की जन्मतिथि से नहीं होती। बेशक इस तिथि में अनेक महापुरुष उगे, अनेक निर्वाण को प्राप्त हुए। युधिष्ठिर विक्रमादित्य सहित अनेक पूर्वजों ने अपने नवसंवत्सर भी चलाए। अंग्रेजी कालगणना ईसा से शुरू होती है। लेकिन, प्रथम नवसंवत्सर का प्रथम आलोक, प्रथम दिवस और प्रथम तिथि की गणना अनूठी है। सृष्टि जिस क्षण शुरू होती है, उसी समय संवत्सर का प्रारंभ हो जाता है। संवत्सर का प्रारंभ सार्वभौमिक है। नवसंवत्सर व्यक्त सृष्टि का प्रथम उषाकाल है। यह संपूर्ण जगत का प्रथम सूर्योदय है। सृष्टि ब्रह्म का प्रथम सुप्रभात है। इसलिए अंतरराष्ट्रीय नववर्ष है। वैदिक संवत्सर की धारणा अद्वितीय है। प्रकृति अजन्मा है। ऋग्वेद (10.82.6) के अनुसार सृष्टि के आदि से ही विद्यमान वह एक अज-अजन्मा है। इसी अज की नाभि में सभी भुवन समाहित थे। अज आधुनिक ब्रह्मांड विज्ञानियों का कासमोस है। अज गतिशील हुआ। गति से परिवर्तन आया। विज्ञान की दृष्टि से प्रत्येक सृजन/परिवर्तन के पीछे एक ऊर्जा है। प्रकृति की शक्तियां उगीं। ऋषियों के अनुसार वे देवता थीं। ऋषि कहते हैं, व्यापक जलों में देवता थे-यद् देवा सलिले सुसंरब्धा अतिष्ठत। उनके नृत्य से तेज गति वाले रेणु अणु-परमाणु प्रकट हुए। (10.72.6) ऋग्वेद (10.190.1, 2) में कहते हैं, तप से ऋत व सत्य (व्यक्त जगत) प्रकट हुए। अंधकार-रात्रि और अगाध जल समुद्र आए। समुद्रों से संवत्सर प्रकट हुआ- समुद्रादर्ण वादधि संवत्सरों अजायत। सृष्टि के साथ काल उगा। इसी काल का प्रथम दर्शन संवत्सर है। सृष्टि छांदोग्य है। छंद की अपनी लय होती है। प्रकृति सदा से है। यह लय में प्रकट होती है और प्रलय में अप्रकट। प्रलय में भी लय बची रहती है। ऋग्वेद के एक मंत्र में कहते हैं, वह वायुहीन स्थिति में भी अपने दम पर सांस ले रहा था-आनादीवातं स्वधया तदेंक। स्वधा प्रकृति की अनंत प्राण ऊर्जा है। इसलिए वायु नहीं है तो भी सांस जारी है। ऋग्वेद का वह एक-तदेकं बड़ा दिलचस्प है। इसी 'वह एक' को विद्वान-विप्र इंद्र, मित्र, अग्नि मातरिश्वन गरूड़ आदि देव नामों से पुकारते हैं, लेकिन वह 'एकं सद्'-एक ही सत्य है-एकंसद् विप्रा बहुधा वदंति। (ऋ. 1.164.46) सृष्टि सृजन परिवर्तन की ही सतत प्रवाही कार्रवाई है। परिवर्तन के भीतर गति होती है। जहां गति है, वहीं समय है। सृष्टि और प्रलय सतत प्रवाही हैं। लेकिन, प्रलयकाल में भी समूची ऊर्जा का नाश नहीं होता। प्रलय के बाद फिर से सृष्टि होती है। गति का मूल ऊर्जा है। ऊर्जा अविनाशी है। गति का नाश नहीं होता। समय भी अविनश्वर है। सृष्टि बार-बार आती है। यह चक्र की तरह है। सीधी रेखा नहीं। भारतीय दर्शन में इसीलिए कालचक्र है। उसका पहिया घूमता है और बार-बार सृष्टि व प्रलय लाता है। प्रकृति में द्वैत दिखाई पड़ते हैं- यहां रात-दिन हैं। जीवन-मृत्यु हैं। प्रकाश-अंधकार हैं। रात्रि ऋत है, दिन सत्य है। दिन ज्ञान है, रात्रि तमस हैं। दिन सक्रियता है, रात्रि विश्रांति है। सृष्टि अपने छंदस में गतिशील है। काल रथ का पहिया घूम रहा है। पूर्वजों में कालबोध था। कालबोध ही इतिहासबोध है। भारतीय कालगणना के पहले कालबोध है। फिर कालगणना है। इस गणना में सृष्टि की आयु एक अरब 95 करोड़, 58 लाख, 85 हजार एक सौ तेरह वर्ष हो चुकी है। वैज्ञानिक अनुमान भी यही हैं। इस संवत्सर का केंद्र सूर्य हैं, पूरा सौर परिवार है। ऋग्वेद (1.164) में कहते हैं सूर्य को हमने सात पुत्रों- किरणों (वर्णों) के साथ देखा है। इनके मध्यम भाई वायु हैं, उनके तीसरे भाई अग्नि हैं। ऋत का 12 अरों वाला चक्र इस द्युलोक में घूमता है। यह चक्र कभी जीर्ण नहीं होता। इसके 720 पुत्र इस चक्र में हैं। यहां ऋत प्रकृति की व्यवस्था है और अरे 12 माह हैं। एक वर्ष में दिन-रात मिलाकर 720 अहोरात्र हैं।

Social Media Corner

सच के हक में...

भारतीय जनता पार्टी के 46वें स्थापना दिवस के अवसर पर भाजपा मुख्यालय, नई दिल्ली में ध्वजारोहण कर कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी जैसे माँ भारती के वरद पुत्रों ने जनसंघ से लेकर भारतीय जनता पार्टी की स्थापना कर राष्ट्र के पुनर्निर्माण में एक राजनीतिक आंदोलन के रूप में करोड़ों कार्यकर्ताओं को संगठित किया।

(जगत प्रकाश नड्डा का 'एक्स' पर पोस्ट)

पाकुड़ जिला प्रशासन द्वारा ग्रामीणों को रामनवमी का जुलूस निकालने से रोकने के लिए आधी रात को जारी किया गया आदेश हिंदू आस्था पर सीधा प्रहार है। पाकुड़ में जब ताजिये निकल सकते हैं, तो फिर रामनवमी का जुलूस क्यों नहीं? सरकार ने आज रामनवमी पर रोक लगाई है, कल दीपावली और दुर्गा पूजा पर भी इसी तरह तुगलकी फरमान जारी होंगे। हिंदू विरोधी तत्वों के दबाव में प्रशासनिक व्यवस्था का झुक जाना, लोकतंत्र के लिए खतरा है। झारखंड में ये कोई पहली घटना नहीं है, बल्कि एक चलन बनता जा रहा है, जहां हिंदू पर्वों को कानून-व्यवस्था के नाम पर बाधित किया जा रहा है, जबकि विशेष समुदाय को हर सुविधा दी जाती है। ऐसा लगता है कि हेमंत सरकार ने कट्टरपंथियों के दबाव में पाकुड़ को अघोषित रूप से ग्रेटर बांग्लादेश बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। हेमंत जी, प्रशासन को पर्याप्त सुरक्षा उपलब्ध करा के रामनवमी जुलूस निकालने का निर्देश दें।

(बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

विकास की डगर पर बढ़ता राजस्थान

हम सभी लोग राजस्थान दिवस के आयोजनों के माध्यम से प्रदेश की गौरवगाथाओं के गान में रमे हुए हैं। यह राजस्थान की स्थापना से लेकर अब तक के बहुआयामी विकास और देश-विदेश में राजस्थान की पहचान के मूल्यांकन का दिवस है। हम सभी के लिए यह दिन केवल उल्लास की अभिव्यक्ति और धूमधड़ाके भरे आयोजनों की औपचारिकताएं पूरी कर इसके लिए जारी बजट की एक-एक पाई को खर्च कर डालने तक ही सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि यह दिवस हम सभी के आत्म मूल्यांकन का वार्षिकोत्सव भी है। हम अपने राजस्थान से कितना लगाव और आत्मीयता रखते हैं, इसके विकास के लिए कितने अधिक समर्पित भाव से काम कर रहे हैं। इसकी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान कायम करने में हमारा अब तक कितना योगदान रहा है, इन विषयों पर ईमानदारी से चिंतन-मनन के साथ आत्ममूल्यांकन करने का सबसे उपयुक्त और सटीक दिवस है आज का दिन। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के अद्वितीय कुशलतम नेतृत्व में आज राजस्थान हर क्षेत्र में अपनी बुनियाद को मजबूती देता हुआ, ऐसे विकास की डोर थाम चुका है, जहां हर तरफ सुनहरा विकास भी है और आम इंसान के लिए जीवन जीने का सुकून भी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत-2047 के संकल्प को साकार करने की दिशा में राजस्थान सरकार कई प्रगतिकारी प्रकल्पों और नवीन योजनाओं के साथ काम कर रही है। इनकी आशातीत सफलता से ही विकसित राजस्थान की सहभागिता सामने आ पाएगी। राजस्थान की सरकार प्रदेश को तीव्र प्रगतिकारी प्रदेश बनाने के लिए जिस संकल्पबद्धता से काम कर रही हैं, वह अपने आप में राजस्थान के वैकासिक इतिहास में अपूर्व है। प्रदेश में वैयक्तिक कल्याण से लेकर सामुदायिक उत्थान और आँचलिक विकास की खूब सारी योजनाएं चल रही हैं, ढेरों कार्यक्रमों के माध्यम से बदलाव लाने की हरचन्द कोशिशें जारी हैं और इनका सकारात्मक परिणाम भी सामने आ रहा है। लग रहा है कि जैसे पूरा का पूरा राजस्थान उठ खड़ा हुआ है अपने नवनिर्माण के लिए और वह भी आधुनिकताओं और संचार क्रान्ति से जुड़े नवाचारों के साथ। सामाजिक सरोकारों से लेकर सामुदायिक विकास तक की गतिविधियों का तीव्रतर क्रियान्वयन प्रदेश को कई नए-नए आयामों से परिचित करा रहा है। सब कुछ सुनहरा होने लगा है। यह सब इस बात का संकेत है कि हमारा अपना राजस्थान अब पिछड़ेपन के कलंक से बाहर निकलकर तीव्रतर विकास की तेज रफ्तार पा चुका है, जहां रुकने का कोई नाम नहीं, बढ़ने और उपलब्धियों के शिखरों के आरोहण का इतिहास रचने को समुत्सुक और आतुर है राजस्थान। यह जरूरी है कि हम सभी लोग राजस्थान को अपना समझें, राजस्थान के लिए काम करें और हमेशा यह प्रयास करें कि हरेक राजस्थानवासी सुखी, समृद्ध और आरोग्यवान रहे तथा हम जो कुछ करें वह अपने राजस्थान के लिए करें। हम सभी को इसके लिए पूरी ईमानदारी से आत्म मंथन करने की आवश्यकता है। जो राजस्थान के मूल निवासी हैं और जो राजस्थान में रह रहे हैं, चाहे वे दुनिया में कहीं के हों, राजस्थान के प्रति जिनकी निष्ठा है, वे सभी बंधु और भगिनियां राजस्थानी ही हैं। जो राजस्थान के लिए सोचता है, करता है वह हर इंसान राजस्थानी है। हम सभी राजस्थानियों को पूरी गंभीरता के साथ राजस्थान दिवस मनाते हुए अपनी-अपनी भागीदारी के बारे में चिन्तन करना चाहिए। जहां हम राजस्थान के बारे में चिन्तन-मनन करते हैं वहां हम सभी को सोचना चाहिए कि हमारे पुरखों और पूर्ववर्ती विकास पुरुषों ने जितना कुछ किया है उतना भी हम कर पाए या नहीं। हमारे लिए यह मातृभूमि महत्त्वपूर्ण है, जहां शौर्य और पराक्रम का इतिहास रचने वाले महापुरुषों की लम्बी श्रृंखला विद्यमान रही है। कला, संस्कृति, साहित्य, नैसर्गिक सौंदर्य, अद्वितीय परंपराओं, वीरगाथाओं से भरे इतिहास, एक ही प्रदेश में तरह-तरह की भौगोलिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विलक्षणताओं का मिला-जुला मनोहारी संगम और हर इंसान को हर तरह का सुकून देने लायक वह सब कुछ है जो धरती को स्वर्ग का दर्जा देने वाला है।

झटपट अन्याय

कानून लागू करने में मनमानेपन और बेशर्म पक्षपात ने दशकों से भारत में कानून के शासन को कमजोर किया है। आम लोगों में शिक्षा के प्रसार और बढ़ती जागरूकता के बावजूद, राज्य की मनमानी नागरिकों के मूल अधिकारों और गरिमा को अक्सर खतरे में डाल देती है। हिरासत में यातना और न्यायेतर हत्याओं की खबरें चिंताजनक ढंग से बार-बार आती रहती हैं। कई राज्यों में पुलिस और नगर प्राधिकरण अब सजा देने के एक सुविधाजनक और न्यायेतर तरीके के रूप में संपत्ति के ध्वस्तीकरण का नियमित रूप से सहारा लेते हैं, न सिर्फ आपराधिक संदिग्धों के लिए, बल्कि राजनीतिक विरोधियों के लिए भी। इस परेशान करने वाले रुझान के प्रसार के मद्देनजर इस हफ्ते सुप्रीम कोर्ट द्वारा इस चलन के खिलाफ कड़ी टिप्पणी से उम्मीद की एक किरण नजर आती है। जस्टिस एएस ओका की अगुवाई वाली एक पीठ ने कहा कि साल 2021 में उत्तर प्रदेश में प्रयागराज विकास प्राधिकरण द्वारा छह व्यक्तियों से जुड़ी संपत्तियों के गैरकानूनी ध्वस्तीकरण ने इस अदालत के जमीर को झकझोर दिया। अदालत का आदेश इस निष्कर्ष पर पहुंचा कि मकान मालिकों को व्यक्तिगत रूप से या पंजीकृत डाक से कोई नोटिस दिए बिना ही ध्वस्तीकरण कर दिया गया। सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी की, इन मामलों ने हमारे जमीर को झकझोर दिया। अपीलकताओं के रिहाइशी परिसर मनमाने तरीके से ध्वस्त कर दिए गए हैं। आश्रय का अधिकार नाम की एक चीज है, निर्धारित प्रक्रिया नाम की एक चीज है। प्राधिकारियों को और खासकर विकास प्राधिकरण को, यह याद रखना चाहिए कि आश्रय का अधिकार भी संविधान के अनुच्छेद 21 का अभिन्न अंग है। शीर्ष अदालत ने प्रत्येक मकान मालिक को 10 लाख रुपये का भुगतान करने का आदेश दिया है। अपनी टिप्पणियों के जरिए सुप्रीम कोर्ट ने कानून के शासन के इन बुनियादी सिद्धांतों को दोहराया कि मुकदमा चलाए बिना कोई सजा नहीं हो सकती, कोई सामूहिक सजा नहीं हो सकती, दोषी साबित होने तक हर व्यक्ति को बेगुनाह समझा जाएगा और अपराधी से जुड़ाव के कारण दोषी नहीं ठहराया जा सकता।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

The clock is ticking on Punjab's water crisis

Punjab is facing a groundwater crisis of gigantic proportions, threatening the very sustainability of its civilisation. According to the latest report by Central Ground Water Board (CGWB), even the last drop of usable groundwater in Punjab shall finish in just 14 years.It is the duty of the current political executive, planners and civil society to ensure that the groundwater is preserved not only for the present generation living on this part of the globe but also for future generations who will inhabit the region.The current scientific data shows that Punjab extracts 28 million acre feet (MAF) of water from the womb of mother earth each year while only 17 MAF is replenished through rainfall and the state's three perennial rivers. This imbalance has led to a dangerous depletion rate of about half a metre per year, bringing Punjab closer to desertification.

One of the most significant reasons for this overexploitation is the "energy-water-food" nexus in Punjab. Since the energy supplied by the government to farmers for pumping out water to produce food, especially rice, is free, it becomes its added responsibility to take practical measures to address this crisis before Punjab turns into a barren wasteland.Additionally, it is also imperative to note that not only is water depleting at a much faster rate but it is also being extracted from deeper layers of earth, containing dangerous heavy metals and nitrate, making it unfit for use by humans and animals.Therefore, it is high time the government took the following urgent measures to ameliorate the situation.1. Fix paddy transplanting date to June 20. Although scientists recommend aligning paddy transplantation with the arrival of monsoons, keeping in view the realistic situation, the government should implement a phased transplantation schedule starting from June 20 due to these reasons:a) The farmers are now cultivating mainly the short-duration paddy varieties which take 90-100 days to mature with the same yield as the pre-2009 situation when the varieties being cultivated were long-duration ones, taking 130-140 days to mature.

b) Punjab was the first state in the country to enact a progressive law in 2008 to regulate the date of sowing of paddy with a view to conserving and saving its groundwater. The date of paddy transplantation was fixed at June 10 under this law. The date was shifted to June 15 in 2014 and is continuing as such since then, with minor variations in dates.The farmers, by and large, have adjusted their kharif agronomic practices in the last 17 years as per to this law, called 'The Punjab Preservation of Sub Soil Water Act 2009'. As per a report of Department of Agriculture, Government of Punjab, the annual decline in the water table was 75 cm before 2009. It reduced to 40 cm later due to effective implementation of the Act.

c) As per the latest reports, water levels in all three reservoirs of Punjab — the Bhakhra Dam, Ranjit Sagar Dam and Pong Dam — are 52 per cent below normal as compared to last year. Punjab gets about 14.50 MAF of water from these reservoirs, mainly for paddy cultivation. Therefore, less canal water shall be available this summer season for irrigation, which will put additional pressure on groundwater for paddy crop. It takes about 4,000 liters of water to produce one kg of paddy. Thus, any deficit in the supply of canal water is bound to be met by farmers by extracting groundwater. d)The India Meteorological Department has forecast above normal temperature and extended heatwave episodes this summer, especially in June. Therefore, paddy transplanted in June or before shall require much more water to withstand the heat stress. This calls for delaying paddy transplantation to the later days of June, closer to arrival of monsoon rains.e) Paddy transplanted in late June matures by early October, coinciding with favourable harvesting conditions. Early transplantation leads to harvesting during the monsoon's late phase in September, exposing paddy grains to heavy rains, gusty winds and high humidity. This results in marketing pangs for the farmers as even the Government of India mandates paddy purchase operations from October 1.

2) Ban long-duration PUSA 44 variety: PUSA 44 and its variants (peeli PUSA and Doger PUSA) are not only water-guzzling on account of their long duration but they also contribute to pollution because of their heavy residue mass.

Guns alone cannot end the Maoist insurgency

Sustained programmes for economic and infrastructure development are needed. Only then will people not consider Maoism as an option.

In the ongoing operations against Maoists, the security forces in Chhattisgarh have had several successes in eliminating their ranks and key leaders. While a considerable number of Maoists have lately surrendered, a key section of them in Chhattisgarh is seeking ceasefire. But the government wants an unconditional surrender. Even as the Home Minister has lauded those who have surrendered, he has also issued a warning to those still active.Prime Minister Narendra Modi has pinned the blame for the Maoist upsurge in the country to Congress policies over the past six decades, ie since Naxalbari village in Darjeeling, West Bengal, exploded in March-June 1967. He is right in referring to a long history of the Maoist movement in India, but the Congress is not responsible for its start. The persistence of the movement, though, is a complex issue.

The PM coined 'urban naxal' for indiscriminately accusing the left, left of centre and liberal intelligentsia et al for the emergence and persistence of naxalism/Maoism. Their faulting the government for extreme poverty, exploitation of peasants and tribals by local landowners, money lenders, contractors and power brokers does not go well with the PM.The 1946 armed revolt by the Communist Party of India against the erstwhile Nizam of the Telangana region to free India from a 'sham' independence is the root. Its seeds flowered naturally and quickly amid extreme exploitation of the local peasants' life and property by doras, local landlords.The British rule bequeathed this 'revolution' to independent India, which had to be tackled amid numerous other problems prevailing in the region. Aside from the operations by the security forces, the initiation of the Bhoodan (gift of land) movement by Acharya Vinoba Bhave in 1951 weakened its principal rationale —'land'. And, the movement declined gradually.Amid the ideological divide between Moscow and Peking from 1951 to 1967, 'Spring Thunder' descended on India in the east — peasants of Naxalbari village of Darjeeling district in West Bengal shot an arrow, killing a gun-wielding cop, as they tried to stop their granary from being looted under police protection. Their clash with the 'jotedars' (rich farmers) was similar. A 'revolution' was born! The resultant nomenclature — naxalism —has stuck since, even though the movement was crushed during 1972-75 amid land reforms and police repression.Srikakulam, Telangana, Dantewada and several sites of conflict in West Bengal, Odisha, Madhya Pradesh, Chhattisgarh and Bihar are various posts through which Maoism has travelled since. The ideological debates as well as the 'revolutionary action' carried out by a committed leadership since 1946 boast of several distinguished names — Charu Mazumdar, Kanu Sanyal, Kobad and Anuradha Gandhi, and, more lately, law graduate Gummadiveli Renuka in Chhattisgarh.

They moved from the comfort of their homes to jungles, raised cadres and carried on their 'revolution'. Since they pursue the cult of violence, many a time indiscriminate, their ideological commitment is tough to appreciate.

The negatives of the movement include fratricide, brutal attacks on the unsympathetic populace and ambush of security forces. While on the one hand the coming together of most of their factions in the form of the CPI(Maoist) at the beginning of the millennium gave headaches to the government, on the other hand, they kept losing their cadres and leaders, including Azad, due to the pressures mounted by the successive regimes of the Indian state.In the first decade of the millennium, the CPI(Maoist) dreamt of a Pashupati (Nepal)-to-Tirupati (Andhra Pradesh) red corridor. The spread of the Maoist violence to one-third of the districts in the affected states showed that the 'red map' had its expanse in the resource-rich regions, which were being exploited by the Indian state and its supporters.Poverty and exploitation of both natural resources and populace in these areas created a fertile ground for the roots of the movement.

The government did try to understand the socio-economic roots of the problem and take measures to deal with it. An expert group constituted by the erstwhile Planning Commission prepared a report 'Development Challenges in Extremist Affected Areas' in 2008. Analysing poverty, exploitation and the mechanisms available with the government to deal with them, the expert group advised the government "to mount programmes on a scale equal to the dimensions of the problem."

Even the Supreme Court's judgment on Salwa Judum (2007) in Chhattisgarh quoted contemporary research studies to stress that poverty needed to be reduced for Maoism to be eliminated. It said, "The same set of issues, particularly those related to land, continue to fuel protest politics, violent agitation politics, as well as armed rebellion….Are governments and political parties in India able to grasp the socio-economic dynamics encouraging these politics or are they stuck with a security-oriented approach that further fuels them?"The Indian state furthered development programmes, successfully focussed on infrastructure to weaken their appeal and came down heavily on them. But the success was limited. With time, it became difficult for the Maoists to replenish their cadres and leadership. Repression continued in the meantime, eliminating prominent leaders and hundreds of their cadre. For example, on March 30, media reported the killing of 17 Maoists in Sukma, of which 11 were women. The surrender of Maoists was also reported. Recruitment and repression of Maoists are going on side by side.But sustained programmes for economic and infrastructure development are needed. Only then will people not consider Maoism as an option to achieving their rights.

Mining policy revamp

Ending Punjab's illegal sand trade calls for more

Punjab's latest amendments to the state sand and gravel mining policy mark a significant shift in its approach to mineral extraction. By allowing private landowners and panchayats to mine sand and gravel directly, the government hopes to increase supply, stabilise prices and curb illegal mining. But will these changes genuinely root out corruption, or are they merely a reshuffling of power? One of the most striking aspects of the amendment is the expansion of mining rights. Private landowners can now extract and sell sand and gravel while panchayats will gain similar privileges under district administration oversight. The government justifies this by arguing that increasing legal sources of sand will naturally undercut the black market. However, without proper checks and balances, there is danger of the new system enabling local power structures to simply shift corruption to a decentralised model.

This will render regulation even more difficult. The increase in royalty — from 73 paise to Rs 1.75 per cubic foot for sand and Rs 3.20 for gravel — is expected to boost state revenue beyond the current Rs 350 crore annually. But with mining now open to individual landowners, ensuring compliance will be challenging. Will local authorities have the capacity to monitor small-scale mining operations effectively? Or, will this become another avenue for underreporting and tax evasion?Punjab has long struggled with illegal sand mining, often linked to politically connected mafias. The real test of this policy will lie in its enforcement. If it is not accompanied by stringent monitoring and technological tracking — such as satellite surveillance and digital permits — illegal mining could persist under new disguises. For now, the policy appears ambitious. But the fear of it being another temporary distraction from Punjab's deeper corruption problem is real.

When Modi met Yunus in Bangkok

THE GREAT GAME: The point is that Dhaka should always know that Delhi always knows

Two events book-end the meeting between Prime Minister Narendra Modi and Bangladesh Chief Advisor Muhammad Yunus in Bangkok on Friday on the margins of the BIMSTEC meeting. The first, when an irate mob tried to burn down the house of Bangabandhu Sheikh Mujibur Rahman on August 5, 2024, marking a regime change in Bangladesh, moments after Sheikh Hasina fled Dhaka for Delhi and the so-called Students' Revolution ushered the US-trained economist into the top job — the house was successfully burnt down exactly two months ago on February 5, under Yunus' watch.

The second is the meeting between Yunus and Chinese businessmen in Beijing last week, where he made his now infamous and uncomplimentary remarks about India's seven north-eastern states, affectionately called the "seven sisters.""Seven Sisters of India are a landlocked region — they have no way to reach the ocean. We are the only guardian of the ocean for all of this region… From Bangladesh, you can go anywhere you want. The ocean is in our backyard. So, this is the opportunity that you want to take," Yunus told the Chinese.Perhaps, the Bangladeshi is really just a simple man. Perhaps, some of what he said was lost in translation. Perhaps the reaction of the Indian political class, from S Jaishankar to Himanta Biswa Sarma and Pradyot Manikya Barman, has been unduly harsh.

But the fact remains that the Bangladeshi leader's comments on the eve of his meeting with the Prime Minister, referring to India's soft underbelly — which has been prone to insurgency, arms infiltration, including from the time Khaleda Zia's BNP was in power from 2001-2006, and communal convulsions — may not have been the most diplomatic thing to say.It struck a deep and uncomfortable chord in India — perhaps, because it is also true.But here's a second fact. In terms of the exercise of sheer, brute power, India has the ability to overcome its own weakness in the North-East and strike elsewhere if it believes that it is being unfairly pushed around.That's why India's smaller neighbours look to the big dragon in the room if and when they feel they are being given short shrift by India — except in most cases, and certainly in Bangladesh's, China is far too far away. Moreover, the same analogy works both ways. If India's "seven sisters" are hemmed in by Bangladesh, then Bangladesh's hinterland is really Indian territory.

Both statesmen and geographers understood that fundamental fact early — that geography is not just history, it is also present-day politics and diplomacy. Winston Churchill wasn't wrong when he decided he wasn't going to be the prime minister that gave up the jewel in the empire. Excavation upon excavation of the Partition years tells us that the British weren't going to just let the undivided subcontinent remain one, syncretic unit when they finally left, kicking and screaming, in 1947.Fast-forward to 2025. External Affairs Minister S Jaishankar swiftly responded to Yunus' childish comments on the "seven sisters," pointing out that India not just has a long eastern seaboard, about 6,500 km, but that it shares a border with five nations around the Bay of Bengal and provides "much of the interface between the Indian subcontinent and ASEAN."

Certainly, India's extraordinary power, especially in its neighbourhood, cannot be wished away — not in 1971, not in 2025. It's another matter that Sheikh Hasina had pretty much followed a scorched-earth policy in recent years — it is equally true that New Delhi had not approved of several of her moves, especially her outright refusal to reach out to the other woman in Bangladeshi politics, Khaleda Zia, to broker peace in Bangladesh. India ended up supporting Hasina because it knew that the options were far worse.Those dark fears have come to pass. The August 5 regime change in Bangladesh has not just swept out Bangabandhu's legacy, it has allowed — nay, welcomed — the sinister presence of the Pakistan ISI in Bangladesh. Back in 1971, on March 26, hours after Mujib declared "independence" from Pakistan, the Pakistan Army had cracked down in an operation termed "Operation Searchlight" — 54 years and some days ago — killing hundreds of intellectuals, civilians and students.Today, the Pakistan Army's handmaiden and spy agency, the ISI, is back on the streets of Dhaka and Chittagong and elsewhere. The wheel is turning full circle. Not to be forgotten is the likely role that the US intelligence establishment is likely to have played last year in the return of Chief Advisor Yunus to the top job in Dhaka.Some would say, not so fast. That the chapter on this latest regime change is not yet concluded. That the Bangladesh Army chief, Gen Waker-uz-Zaman, who hails from the time of Hasina, still remains chief and a force to reckon with. That the Bangladesh Army, many of whom grew up on the stories of their predecessors fighting as "muktijoddhas" in the 1971 war against Pakistan, aren't going to give up their influence so easily.

Question is, what now? Will Yunus call elections soon and will the BNP come to power, and with it the son of Khaleda Zia, Tarique Rahman, who has lived in London these last several years since his mother lost the 2006 polls? Perhaps that is the future, perhaps because Hasina's Awami League is so decimated.

Certainly, the predominant motif in Bangladesh today is a muddied sense of the present and all sides, including Yunus, would do well to remember that. Those with long memories will google back to an item in the London Guardian from March 2007, confirming that the Bangladesh army picked up Tarique in a midnight swoop. That's a long time ago but Tarique certainly remembers that night and so do a few more in Dhaka.It's a good thing that Modi met Yunus in Bangkok. If the Pakistanis want to rewrite 1971, with or without a little help from their erstwhile friends in America, the good economist should certainly be made aware. The same Bay of Bengal laps both our shores. The sky's the limit to our friendship, especially if you together watch the sun go down on the white, sandy beaches of Cox's Bazaar.

'Black Monday': US expert warns Trump tariffs could trigger worst crash since 1987

Trump's tariffs spark global market recession fears
Strong US jobs data may prevent recession, claims Jim Cramer
Cramer's past predictions have been unreliable

New Delhi. After Donald Trump's trade tariffs rattled nations worldwide this week, American TV personality and market commentator Jim Cramer warned that Monday could witness the worst single-day drop since 1987's "Black Monday," when markets worldwide crashed, led by the US Dow Jones Industrial Average, which plunged 22.6 per cent.

While hosting his show Mad Money on CNBC on Saturday, Cramer warned that markets might face a bloodbath similar to 1987 - when the Dow Jones suffered its biggest single-day crash to date.He claimed that if the US President didn't "reach out" to nations which have not imposed retaliatory tariffs and reward them for their compliance, the situation could worsen.If the president doesn't try to reach out and reward these countries and companies that play by the rules, then the 1987 scenario... the one where we went down three days and then down 22% on Monday, has the most cogency," Cramer said.

"We will not have to wait too long to know. We will know it by Monday," he added.As the US President announced a 10 per cent "baseline" tariff on imports from all nations, US market indices went into a freefall on Thursday and Friday. Reacting to China imposing counter-tariffs on the US, S&P 500 plunged 6 per cent, thus, ending the week in red - the worst weekly performance since Covid-19 outbreak in 2020.Other US indices like Dow Jones and Nasdaq plunged 5.5 per cent and 5.8 per cent each. While Dow Jones shed 1,679 points on Thursday, it dropped 2,231 points on Friday. Again,

the worst two-day slide since March, 2020.The bloodbath was not only limited to US markets but was reflected all across Europe and Asia, including India.

However, Cramer pointed out that strong job data is what is stopping the US from slipping into recession. "It makes it less likely a crash will necessarily lead to a recession," he said.

"I will contain my anger, but only because I lived through '87 and in the end, I came out okay. I was in cash for the crash. I know what this feels like," he added.

In the past, Cramer has made several predictions at key junctures in the global economy - from the dot-com bubble in 2000 to the global recession in 2007.

However, Cramer's predictions in the past have gone awry. During the 2007-08 economic crisis, Cramer faced heat for recommending investing in Bear Stearns, Merrill Lynch, Morgan Stanley, Wachovia, and Lehman Brothers before their stocks crashed and they shut shop.

Waqf Bill: Principles or property play

New Delhi. Ignoring criticism, the BJP-led government has worked it through the grinder, and passed the Waqf Amendment Bill in both houses of Parliament. The Muslim community, already on the back-foot, considers it another body blow to its quickly diminishing minority rights.

The history of this piece of legislation reflects how far it has divided the nation. It was first introduced in August last, but because of persistent demands by the Opposition, it was sent for consideration to a Joint Parliamentary Committee (JPC). The JPC submitted its report on February 13, 2025, and received a fast track Union Cabinet's approval six days later.

Opposition MPs on the panel have said their proposed amendments were given short shrift, and even their dissenting notes had been redacted from the report. After a long debate in both the Lok Sabha and the Rajya Sabha, running into the wee hours, the bill has been passed. The fact the voting was 288-232 in the lower house, and 128-95 in the Upper House, shows it was close and the BJP had to lean on allies to see it through.

Government control

Waqf refers to personal property, both moveable or immovable, that has been donated through the ages for religious or charitable purposes; and once a property is declared to be 'waqf', it is transferred to God or Allah and cannot be alienated or sold.These properties may have been bestowed to God; but in the temporal world they are of humungous value and controversy. In India, waqf properties are spread across nearly a million acres, or about 4,046 square kilometers, nearly twice the size of Mauritius, and are conservatively valued at Rs 1.12 lakh crore. They are administered by 32 government-established waqf boards covering the states and union territories, and headed by the Central Wakf Council (CWC) that advises the Union government.

he current amendment assails the Waqf Act of 1995, an evolution from Central Waqf Act of 1954. The 1995 Act was amended in 2013, to strengthen protection of waqf properties, but the BJP government says this is not enough.

A 3rd April press release from the ministry of minority affairs lists 10 ills the amended act seeks to rectify. These include lack of transparency in Waqf property management, incomplete surveys and mutation of land records, insufficient scope for women's inheritance rights, and provisions that create prolonged litigation and encourage encroachment.

EPF: What retirement corpus can you expect with an initial basic pay of Rs 25k

Kolkata. Employees' Provident Fund, or EPF, is probably the earliest of social security schemes that were designed for employees of a newly-Independent India. It was inaugurated in 1952 through an Act of the Parliament and since then has provided some sort of financial security to generations of employees. The EPFO (Employees Provident Fund Organisation) not only maintains EPF which pays a lump sum amount to an employee at retirement but also maintains a fund for pension to workers and/or their families (after their demise).

The contributions to EPF are taken both from the employee and from the employer. A sum of money, which is 12% of the basic salary of an employee is taken in the EPF account every month. Another 3.67% is contributed by the employer which also goes into the EPF account — the rest 8.33% (12 – 8.33 = 3.67) goes into the pension (EPS). Let's see what is the amount of the lump sum payment that an employee will get if he/she works till the age of 58 with an initial salary of Rs 25,000.The EPF calculator

EPF calculators help an individual to calculate how much money is accumulated in the EPF account when an employee is about to retire. Let's assume an individual begins working at the age of 25 years. The initial basic salary of the employee is Rs 25,000 per month. Let's also make a few other assumptions which are required to make the calculation with EPF calculator. These assumptions are:

Delhivery to acquire Ecom Express in Rs 1,407 crore deal

MUMBAI. Delhivery is acquiring rival Ecom Express in an all-cash deal for 1,407 crore, the company said in a stock exchange filing on Saturday. The transaction, which marks consolidation in the new-age logistics space, comes amid mounting troubles for Ecom Express, which stalled its public listing plans and laid off at least a few hundred employees earlier this year.

Delhivery will acquire shares equivalent to at least 99.4% of the issued and paid up share capital of Ecom Express on a fully diluted basis. This is a distress sale for Ecom Express, which was last valued at over $800 million. "The biggest challenge for them arose from the change in Meesho's business structure, which moved to its in-house logistics service Valmo. Ecom Express got about 40%-50% of its business from Meesho. The market is such that it's very difficult to replace even 10% of

The acquisition, Delhivery said, will add to the company's scale, strengthening its value proposition to clients. "Logistics is a scale-driven business where economies of scale lead to higher efficiencies, enabling players to provide higher quality services at more competitive prices," the firm said.Post the acquisition, which is expected to close in six months, most of the investors of Ecom Express will exit the firm. Warburg Pincus, British International Investment and Partners Group collectively hold over 80% shareholding in the company. Ecom Express, which had filed for a 2,600 crore IPO in Aug 2024, was last valued at about $878 million, data from market research firm Tracxn showed."The Indian economy requires continuous improvements in cost efficiency, speed and reach of logistics. We believe this acquisition will enable us to service customers of both companies better through continued bold investments in infrastructure, technology, network and people," said Sahil Barua, MD & CEO at Delhivery, in a statement.

Piyush Goyal announces helpline for startups days after 'dukandari' jibe at them

Days after questioning the innovation of Indian startups overtly focussing on food delivery and betting and fantasy sports apps, Commerce and Industry Minister Piyush Goyal announced a helpline for startups if they wanted to make suggestions or file complaints.

New Delhi. Commerce and Industry Minister Piyush Goyal on Saturday announced a helpline desk for Indian startups in case they face any issues or want to make suggestions or address grievances to the government.Speaking at the Startup Maha Kumbh event in Delhi, Goyal stressed that the helpline would be open to any startup across the country to make any suggestions or file a complaint."I am going to start a helpline desk under the 'Startup India' initiative. If any officer troubles you or if you want to make any suggestion regarding any changes in laws or flag a product or technology that may not fall

under India's legal ambit, you can reach out to that helpline," he said.The minister stressed that startups can access the helpline if they find anyone indulging in corruption or if anyone asks for bribes."If you believe you haven't done anything wrong and worked within the ambit of the law, you can complain through the headline," he said.Interestingly, Goyal's announcement came days after he took a jibe at Indian startups for overly focussing on food delivery and betting and fantasy sports apps. He compared the situation with the startups in China working on EV, battery tech, semiconductors and AI.Speaking at the Startup Maha Kumbh on Thursday, Goyal questioned whether the country was content with low-paying gig jobs rather than striving for technological progress. "Do we have to make ice cream or chips? Dukaandari hi karna hai (Do we want to just sell things)," he asked.Goyal's remarks drew flak from several industry leaders.Calling for a fous on innovation beyond e-commerce, Goyal pointed out that there were only a limited number of deep-tech startups in India. "Only 1,000 startups in India's deep-tech space is a disturbing situation," he said.

According to government data, India is the third-largest startup hub, with over 100 unicorns. Around 1.57 lakh startups are recognised by the government.

India's Business Correspondence Sector To Cross Rs 147 Billion By FY2025: Report

New Delhi. India's Business Correspondent (BC) sector will cross Rs 147 billion by financial year 2025 (FY25), charting an impressive 19 per cent compound annual growth rate (CAGR), said a report by BLS E-Services. As per the report by digital service provider, growth is being driven by the expansion of the Pradhan Mantri Jan Dhan Yojana (PMJDY), deeper penetration of Basic Savings Bank Deposit Accounts (BSBDAs), and the increasing popularity of Direct Benefit Transfer (DBT) schemes that channel subsidies and welfare funds directly to beneficiaries.New Delhi: India's Business Correspondent (BC) sector will cross Rs 147 billion by financial year 2025 (FY25), charting an impressive 19 per cent compound annual growth rate (CAGR), said a report by BLS E-Services. As per the report by digital service provider, growth is being driven by the expansion of the Pradhan Mantri Jan Dhan Yojana (PMJDY), deeper penetration of Basic Savings Bank Deposit Accounts (BSBDAs), and the increasing popularity of Direct Benefit Transfer (DBT) schemes that channel subsidies and welfare funds directly to beneficiaries.According to the report, the industry grew from Rs 47 billion in FY2018 to Rs 102 billion in the financial year 2023 (FY23). The report added that as rural households adopt formal financial services, transaction volumes have spiked, particularly in areas where physical bank branches remain scarce.

With over 1.35 million BC agents operating across India as per PMJDY report, these banking intermediaries are enabling millions of people--especially in rural regions--to access financial services. From cash deposits, withdrawals, and remittances to bill payments, Aadhaar-enabled services, and microfinance lending, BCs have become an essential bridge between formal banking institutions and the underserved population," said Shikhar Aggarwal, Chairman, BLS E-Services.The report further added that the rise in BSBDAs under PMJDY has also contributed significantly to the sector's momentum. As per the report, the number is expected to exceed 550 million by FY2025 from 380 million accounts in 2020. Most of these accounts are held by rural customers, and the majority of transactions--such as benefit disbursals under DBT, cash withdrawals, and remittances--are executed through BCs using Aadhaar authentication.

According to Lokanath Panda, COO, BLS E-Services, "The Business Correspondent (BC) industry is projected to grow at a 19 per cent CAGR from FY22 to FY25P, expanding from Rs 102.9 billion to Rs 147.4 billion. Key growth drivers include the expanding rural outreach of BCs, rising BSBDA accounts and deposits, increased transaction volumes, and the growing adoption of government DBT schemes".

Market Outlook: RBI MPC, CPI, Tariffs And Global Economic Data Key Triggers For Next Week

Mumbai. The equity market outlook for the next week will be guided by several domestic and international factors, such as RBI MPC, India's CPI (March), industrial production data, any update on US reciprocal tariff and other global economic data. On the domestic level, the RBI Monetary Policy Committee (RBI MPC) decision announcement is scheduled for release on April 9, which will provide key insights into the Reserve Bank's policy stance and India's economic outlook. Further, India's CPI (March) data and Industrial Production and Manufacturing Production data will be released on April 11.On the global level, the minutes of the US Federal Open Market Committee (FOMC) meeting, US CPI data and UK GDP data are scheduled for release in the next week. Indian benchmark indices ended the week sharply lower, snapping a two-week winning streak, as escalating global trade tensions rattled investor sentiment. The Sensex was down 2.65 per cent at 75,364.69, and the Nifty was down 2.61 per cent at 22,904.45.On the sectoral front, heavy

selling was witnessed in IT and Metal stocks, which emerged as the worst performers, plunging 9.15 per cent and 7.46 per cent, respectively. FMCG was the only sector to post gains, rising a modest 0.45 per cent, indicating defensive buying amid market volatility.The sell-off was primarily triggered by US President Donald Trump's decision to impose steep reciprocal tariffs on key trading partners, including a 27 per cent levy on select Indian goods.Foreign Institutional Investors (FIIs) turned aggressive sellers, pulling out approximately Rs 13,730 crore from the cash segment, while Domestic Institutional Investors (DIIs) provided some support with net inflows of around Rs 5,632 crore.Puneet Singhania, Director at Master Trust Group, said, "Nifty 50 has slipped to a two-week low, weighed down by rising fears of a global trade war and recession, which have created a wave of negative sentiment.""Key support levels to watch are 22,300 and 22,000. On the upside, 22,800 now acts as a strong resistance.

How China-US trade war unfolded: A timeline of tariffs and countermoves

China is responding forcefully to Trump's latest tariffs with a 34% tax on US imports, rare earth export curbs, company bans, and WTO action, raising fears of another full-blown trade war.

TAIPEI. China is retaliating in a determined and at times highly detailed manner to US President Donald Trump's new tariffs, led by a retaliatory 34% tax on all US imports next week.The strong response shows a degree of preparation that leaves Chinese exports in a tough spot but exacts pain from US exporters that could be used as leverage in any future negotiations.The Chinese tariffs, announced Friday and taking effect Thursday, match the rate of the ones Trump imposed this week on Chinese products flowing into the United States, coming on top of two rounds of 10% tariffs already declared in February and March, citing allegations of Beijing's role in the fentanyl crisis. China's latest retaliatory moves include more export controls on rare earth minerals, critical for various technologies, and a lawsuit at the World Trade Organization.Beijing also suspended imports of sorghum, poultry and bonemeal from a number of US companies, and added over two dozen others to a list of trade-restricted companies while launching an anti-monopoly investigation into DuPont China Group Co., a subsidiary of the multinational chemical giant.

The rapid-fire shots of tariffs and import curbs hearken back to Trump's first term in office when the US and China engaged in a trade war that spanned most of his first four years in office that continued to a certain extent under his successor, Joe Biden. China responded at the time with 15% duties on coal and liquefied natural gas products, and a 10% tariff on crude oil, agricultural machinery and large-engine cars imported from the US.

Beijing also launched last month an anti-monopoly investigation into Google and added PVH, the owner of US fashion brands Tommy Hilfiger and Calvin Klein,

to its "unreliable entity" list. China also restricted the exports of five rare metals used as key components in the defense and clean energy industries among others.

As the new frictions threaten to escalate into a trade war, here are some key moments in the countries' years-long trade spat:

March 2017

Shortly after becoming U.S. president for the first time, Trump, determined to reduce trade deficits with other countries, signs an executive order calling for tighter tariff enforcement in anti-dumping cases.

April 2017

During a visit to Beijing, Trump and Chinese President Xi Jinping agree to a 100-day plan for trade talks meant to reduce the U.S. trade deficit with China. The trade talks fail by July.

August 2017

Trump launches an investigation into alleged Chinese theft of U.S. intellectual property, which the U.S. estimated was costing it up to $600 billion a year.

January 2018

The US announces 30% tariffs on imported solar panels, which come mostly from China.\April 2018

Beijing hits back with tariffs on U.S. imports worth about $3 billion, including 15% duties on products including fruits, nuts, wine and steel pipes, and a 25% tax on pork, recycled aluminum and six other types of goods.

A day later, the US ups the ante by slapping a 25% tax on Chinese goods from the aerospace, machinery and medical industries worth about $50 billion. China retaliates with 25% duties on aircraft, automobiles, soybeans and chemicals among other imports, worth about another $50 billion.

June-August 2018

The two countries impose at least three more rounds of tit-for-tat tariffs affecting more than $250 billion worth of Chinese goods and more than $110 billion worth of U.S. imports to China. These include 10% tariffs on $200 billion of Chinese goods that take effect in September 2018 and .

PWD conducts trials on tech to repair potholes in 20 minutes in Delhi

Officials said the technology could repair potholes and open them to traffic within just 15 to 20 minutes, minimising disruption for commuters

NEW DELHI. The Public Works Department (PWD) on Saturday conducted a live trial of the steel slag-based instant pothole repair technology 'ECOFIX' on Delhi Secretariat Road developed by the Central Road Research Institute. Officials said the technology could repair potholes and open them to traffic within just 15 to 20 minutes, minimising disruption for commutersThe ECOFIX is a ready-to-use pothole repair mix, developed by CSIR – Central Road Research Institute (CRRI) in collaboration with Ramuka Global Services, a DPIIT-recognized startup.During the live demonstration, both waterlogged and dry potholes were successfully repaired without any need for dewatering. One of the most notable advantages of this technology is that the repaired surface can be opened to traffic within just 15 to 20 minutes, minimizing disruption for commuters, a statement issued by the department said.CRRI, who invented the ECOFIX technology, informed that the

mix is made using metallurgical waste from the steel industry – specifically steel slag. The use of processed industrial waste not only makes the solution cost-effective andsdurable, but also promotes environmental sustainability by reducing reliance on natural aggregates.

PWD Minister Parvesh Verma said the technology will greatly help the department in carrying out timely and durable repairs ahead of the monsoon season"Providing Delhi citizens with better, safer, and pothole-free roads is our top priority. The successful trial of the ECOFIX technology will greatly help us carry out timely and durable repairs ahead of the monsoon season. This isn't just about fixing potholes — it's about reinforcing public trust. Delhi is rapidly moving toward smart and sustainable infrastructure," he said.

He also said that the implementing agency has committed to a 2.5-year warranty for maintenance and performance. "For the next two and a half years, any maintenance required for the repaired patches will be handled by the implementing agency itself," Verma added.

"This green initiative is also a step toward realising the vision of Prime Minister Narendra Modi for 'Waste to Wealth', by effectively utilising steel slag — an industrial by-product—in urban infrastructure development," Verma added. The Delhi Government and PWD are now evaluating this technology for wider implementation.

Muslim Body To Lead Nationwide Protest Against Waqf Act Until Law Repealed

New Delhi. The AIMPLB has said that it would lead a nationwide movement against the Waqf (Amendment) Act, in coordination with all religious, community-based and social organisations, and that the campaign would continue until the legislation was fully repealed.Slamming National Democratic Alliance (NDA) constituents such as the JD(U), TDP and the LJP (Ramvilas) that backed the Waqf bill in Parliament, the All India Muslim Personal Law Board (AIMPLB) said the support extended by certain parties to the BJP's communal agenda had fully exposed their so-called secular facade.

In a statement, the AIMPLB emphasised it would lead a nationwide movement against these amendments in coordination with all religious, community-based and social organisations and that the campaign would continue until the amendments were fully repealed.The board reassured the Muslim community of India that there was no need for despair or disappointment.

The leadership will not shy away from any sacrifice in this cause and, along with all justice-seeking forces in the country, will initiate a strong movement within the constitutional framework against these "oppressive amendments", the AIMPLB said.

These sentiments and views were expressed on Saturday in a meeting of the board's officials and special invitees, it said in the statement.Late on Saturday, President Droupadi Murmu gave her assent to the Waqf (Amendment) Bill, 2025, passed by Parliament earlier this week.

Delhi: Culvert bridge work inaugurated in Kasturba Nagar

NEW DELHI. The Indira Gandhi International Airport (IGIA) will soon have advanced full-body scanners to enhance security while maintaining accuracy.Delhi International Airport Limited (DIAL), operator of the IGIA announced on Friday that the trials for the scanners will begin from next month following the latest guidelines from the Bureau of Civil Aviation Security (BCAS).The airport operator said that four state-of-the-art scanners have been procured for the trials. Two of them will be installed at Terminal 1 (T1), while the other two will be placed at Terminal 3 (T3).

It further said that the IT interface of these machines is currently being finalised. After the completion of the three- to four-month long trial, a BCAS-led committee will go through the findings and establish a Standard Operating Procedure (SoP) for full-scale implementation. The scanners will be using millimeter-wave technology operating between 70 to 80 GHz. DIAL said that unlike conventional X-ray scanners, they do not emit radiation, making them safe for all travellers, including pregnant women and individuals with medical implants."These advanced scanners detect both metallic and non-metallic threats, including explosives, significantly improving upon traditional metal detectors. The technology, already in use at major international airports in the US, Canada, and Australia, enables rapid screening, with each scan taking just three seconds and a maximum throughput of 1,200 scans per hour," the DIAL said. The airport operator further said that the scanners ensure no personal images are stored, while generating a standardized 2D image on a preset human avatar. These can scan in individuals between 3.3 feet to 6.7 feet in height.

DIAL CEO Videh Kumar Jaipuriar said, "Delhi Airport remains committed to deploying the latest technology to enhance security while ensuring a seamless passenger experience. The introduction of these body scanners is a game-changer in security screening, allowing for faster checks."

Woman, 20, collapses and dies while giving farewell speech in college

NEW DELHI. A 20-year-old woman collapsed and died while delivering a speech during a farewell ceremony at her college in Maharashtra's Dharashiv district. The college student, Varsha Kharrat, was delivering a speech happily at R G Shinde College in Paranda when the incident happened.The whole incident was captured on camera and has since gone viral on social media. The video circulating online shows Varsha laughing and addressing the gathering moments before she loses consciousness and collapses.

Varsha was rushed to the government hospital in Paranda after she fainted mid-speech. However, doctors declared her brought dead. According to preliminary information, Varsha had undergone heart surgery when she was 8-years-old, but had shown no health issues in the past twelve years and was not on any medication.There is speculation that she suffered a sudden heart attack during her speech, which led to brain death and ultimately, her death.

The college administration expressed deep sorrow and declared a day's off to mourn Varsha's death.

24-year-old woman dead after falling off roller coaster in southwest Delhi

NEW DELHI. A 24-year-old woman died after she allegedly fell off a roller coaster ride at an amusement park in southwest Delhi's Kapashera area, police said on Saturday.The incident took place on Thursday evening. The deceased, identified as Priyanka, fell off from a ride at the park. She was rushed to a hospital by her friend where she was declared dead.

A case has been registered.According to police, Kapashera police station received a medico-legal case (MLC) about the incident where it was found that a woman fell from a swing at a park. She was taken to a hospital by her friend Nikhil where she was declared dead.

Police visited the hospital and collected the MLC. There were visible injuries on the deceased's body, including an ENT bleed, a lacerated wound on the right leg, puncture wound on the left leg, and multiple abrasions on the right forearm and left knee, a senior police officer said.

Police recorded Nikhil's statement where he mentioned that he, along with Priyanka, came to the park and took a roller coaster ride around 6.15 pm. When the ride started, Priyanka allegedly fell from it and sustained injuries, the officer said.

The post-mortem of the deceased was conducted and the body has been handed over to the family members, they said. Thereafter, a case under sections 289 (negligent conduct with respect to machinery), and 106 (causing death by negligence) of the Bharatiya Nyaya Sanhita (BNS) was registered at Kapashera police station, police said, adding that the investigation is underway to ascertain the exact sequence of event.

L-G VK Saxena launches smart police booth at IGI Airport Terminal 3

NEW DELHI. Lieutenant Governor VK Saxena on Saturday inaugurated a smart police booth at IGI Airport Terminal-3, offering real-time information, e-FIR filing, and 24/7 assistance to passengers.The booth, established by the Delhi Police in collaboration with the GMR Group, is a major initiative aimed at improving passenger safety, enhancing security measures, and providing efficient, citizen-centric services at one of the busiest airports in the country, a statement said.

This initiative aligns with the vision of PM Narendra Modi's Digital India and SMART Policing programs, representing the adoption of

innovative, technology-driven solutions in policing to provide enhanced safety and convenience for citizens. The smart police booth is a step forward in strengthening the public-police interface, ensuring quick response and round-the-clock accessibility to police assistance, it added.

The L-G emphasised the importance of such initiatives in creating a safer and more secure environment for travellers, highlighting how technology-driven solutions can transform policing to meet the modern-day demands of public safety and convenience. The program also included a short film showcasing the features, objectives, and operations of the smart police booth.The smart police booth is a state-of-the-art facility designed to enhance the travel experience by integrating advanced technological features. It offers real-time information, including flight arrivals and departures, security alerts, emergency contact details, and travel guidelines—accessible through an intuitive digital board and interactive panels.

Rashtriya Janata Dal MPs To Challenge Waqf Bill In Supreme Court

New Delhi. The Rashtriya Janata Dal (RJD) is set to challenge the Waqf Amendment Bill in the Supreme Court, with Rajya Sabha MP Manoj Jha and party leader Fayaz Ahmed filing a petition on behalf of the party. They will approach the top court tomorrow, Monday, to contest the bill's provisions, which they argue could have significant implications for the management of Waqf properties.

After two days of heated debate in both houses of Parliament, the Waqf Amendment Bill 2025 was passed this week. The Rajya Sabha passed the Bill on Friday with 128 votes in favour and 95 against, while the Lok Sabha cleared the bill after a lengthy debate, with 288 members voting in favour and 232 opposing it.

The Bill has sparked controversy across political circles, with several opposition parties opposing it.

Earlier, Congress also initiated its legal battle against the bill in the Supreme Court, expressing concerns over its potential impact on the management and oversight of Waqf properties in India.Congress MP Mohammad Jawed, on April 4, approached the Supreme Court challenging the Waqf (Amendment) Bill, 2025, saying it was discriminatory towards the Muslim community and violates their fundamental rights.

The plea said the bill discriminates against the Muslim community by imposing restrictions that are not present in the governance of other religious endowments.Mr Javed was also a member of the Joint Parliamentary Committee on the Waqf (Amendment) Bill, 2024.

The petition filed through advocate Anas Tanwir has contended that the bill violates Article 14 (right to equality), 25 (freedom to practice religion), 26 (freedom to manage religious affairs), 29 (minority rights) and 300A (right to property) of the Constitution"The bill imposes arbitrary restrictions on Waqf properties and their management, thereby undermining the religious autonomy of the Muslim community," it added.

According to the plea, the bill introduces restrictions on the creation of Waqf based on the duration of one's religious practice.

Karnataka High Court bats for Uniform Civil Code: Will give justice to all women

New Delhi. The Karnataka High Court has urged the Parliament and State Legislatures to take all necessary steps toward enacting a Uniform Civil Code (UCC), stating that such legislation is vital for achieving the constitutional ideals of equality, justice, and secularism. The court emphasised that personal laws based on religion often result in unequal treatment of citizens-particularly women-despite their equal status under the Indian Constitution.

Justice Hanchate Sanjeevkumar, in a recent ruling on a family property dispute, made a strong case for UCC, observing that its enactment would address long-standing inequities across religious personal laws. "The enactment of legislation on Uniform Civil Code as enshrined under Article 44 of the Constitution of India will achieve the object and aspirations enshrined in the Preamble of the Constittion," the court stated.The court further observed that the lack of a uniform civil framework has led to unequal treatment of women from different faiths, even though all citizens are equal before the law.

"A 'woman' in Hindu law has a birthright equal to that of a son. When under Hindu law, a daughter is given equal status and rights in all respects, enjoying rights as that of a son, the same is not so under Mahomedan law," Justice Sanjeevkumar wrote in his judgment.He added, "The court is of the opinion that our country needs a Uniform Civil Code in respect of their personal laws and religion. Only then the object of Article 14 of the Constitution will be achieved."

The judge also referred to the Constituent Assembly debates, pointing out that the UCC has been a contentious subject since the drafting of the Constitution."Dr BR Ambedkar, in his most illustrious speech, argued in favour of the Uniform Civil Code," the order noted, backing

Ambedkar's vision for a truly secular and egalitarian India.

These remarks were made during the court's adjudication of a property dispute among the heirs of Abdul Basheer Khan, who died intestate. His children-including Shahnaz Begum, now deceased - became embroiled in a legal battle over the division of his assets. Shahnaz's husband, Sirajuddin Macci, pursued her claim in court after her passing, alleging she had been wrongfully denied her share.

In 2019, a Bengaluru trial court had ruled that three properties belonged to the joint family estate and granted Shahnaz's legal representative a 1/5th share. Her siblings - Samiulla Khan, Noorulla Khan, and Rahath Jan - appealed the ruling, while Sirajuddin filed a cross-objection seeking inclusion of more properties.

The High Court upheld the trial court's findings on the joint family status of the three properties but dismissed the cross-objection, stating there was insufficient evidence to support Sirajuddin's claim over the additional properties.Nevertheless, it was during this case that the High Court used the opportunity to stress the broader legal and constitutional implications of unequal personal laws. Justice Sanjeevkumar reiterated that enacting a UCC would not only ensure gender equality but also strengthen the democratic and secular fabric of the nation.

NEWS BOX

Columbia University Deploys Patrol Officers With Arrest Powers Amid Protests

New York. The 36 new special patrol officers announced last month by Columbia University were appointed by the New York Police Department and will be subject to the orders of the police commissioner, a Columbia spokesperson confirmed this week. Columbia's leaders applied to the city's police commissioner for peace officers last year after they had twice called in NYPD to arrest pro-Palestinian student protesters who had set up an unauthorized tent encampment on a campus lawn last spring and barricaded themselves inside an academic building.Columbia spokesperson Samantha Slater said the new officers had gone through the NYPD's application process under New York state's Peace Officers law, which allows individuals and corporations to apply to the NYPD commissioner to appoint their employees as special patrol officers. If approved, the appointed officers acquire the same powers of arrest and to use physical force as police officers."These laws give Columbia the authority to have Special Patrol officers, with the police commissioner's appointment," Slater wrote in an email in response to Reuters' queries. "Columbia has individuals that meet the other requirements in the law such as a lengthy training program and have gone through the NYPD's application process."She said the special patrol officers were authorized under the New York City administrative code that states they will "be subject to the orders of the commissioner and shall obey the rules and regulations of the department and conform to its general discipline."

2 British MPs detained over 'anti-Israel activities', UK says unacceptable

Tel Aviv. Israel has detained two British Members of Parliament and refused entry to the officials who were visiting as part of a parliamentary delegation, British Foreign Minister David Lammy said in a statement late on Saturday.Sky News, citing a statement from the Israeli immigration ministry, says that the detained parliamentarians are Labour MPs Yuan Yang and Abtisam Mohamed, who were rejected because they were suspected of plans to "document the activities of security forces and spread anti-Israel hatred".Yang represents the Earley and Woodley constituency, while Mohamed is the MP for Sheffield Central. Both had flown to Israel from Luton on Saturday, Sky News said."I have made clear to my counterparts in the Israeli government that this is no way to treat British Parliamentarians, and we have been in contact with both MPs tonight to offer our support," Lammy said."The UK government's focus remains securing a return to the ceasefire and negotiations to stop the bloodshed, free the hostages and end the conflict in Gaza," he further added.

Canadian Parliament on lockdown after man barricades himself inside

Ottawa. The Canadian Parliament's security force locked down Parliament on Saturday after a man barricaded himself in the East Block section, Ottawa police said.

The Parliamentary Protective Service issued a warning on Saturday afternoon for anyone in East Block, which houses parliamentary offices, to seek shelter in the nearest room, close and lock all doors, and hide.

Anyone who was not in the immediate area was warned to stay away until further notice.A social

media post from Ottawa Police said a "barricaded man is in the area of East Block" and urged people to avoid the area, noting there were no reports of injuries.There was a heavy police presence in the area and a significant stretch of Wellington Street, which runs in front of Parliament Hill, was cordoned off.

Alabama school employee arrested for sex with teen student

UPDATED. Local news outlets have reported that a married Alabama woman who worked as a lunch lady has confessed to engaging in sexual encounters with a teenage student at her home on two occasions.

Court documents reviewed by WAAY TV identify the woman as Amy Nicole Wigginton, a 41-year-old employee of Lauderdale County Schools, who admitted to the incidents with a male student under the age of 19 on March 7th and March 31st.

The Daily Mail reports that Amy Nicole Wigginton, a married woman with children, allegedly brought the young male student to her family home in Rogersville for the sexual encounters. Authorities have not disclosed the student's name or age. Despite confessing to the sexual activity and waiving her rights, according to court documents, Wigginton has not been charged with having sex with a minor.She faces two counts of a school employee engaging in a sex act, the court docs indicated. The age of consent in Alabama is 16 years old.According to the documents, she waived her rights and confessed to having sexual intercourse with the student on two separate occasions.

US revokes visas for South Sudanese over failure to accept repatriated citizens

US revokes visas for South Sudanese over repatriation issue

Trump administration enforces strict immigration policies

South Sudan urged to cooperate with US on citizen returns

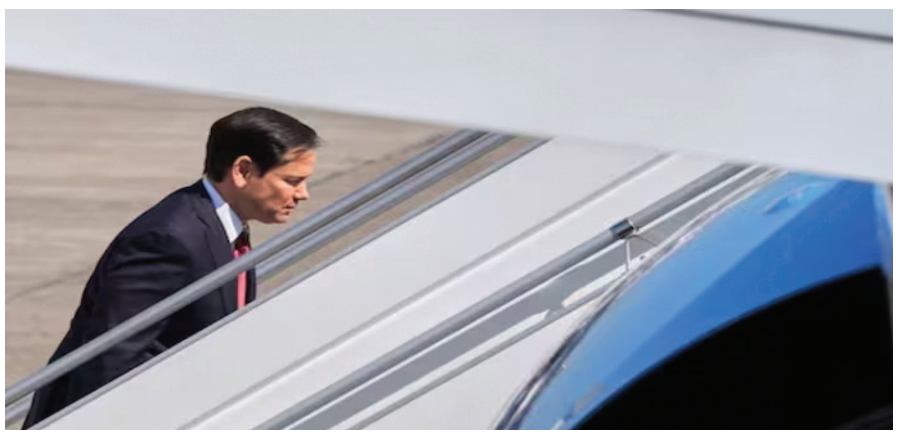

UPDATED . The US said on Saturday it would revoke all visas held by South Sudanese passport holders over South Sudan's failure to accept the return of its repatriated citizens, at a time when many in Africa fear that country could return to civil war.US President Donald Trump's administration has taken aggressive measures to ramp up immigration enforcement, including the repatriation of people deemed to be in the US illegally.The administration has warned that countries that do not swiftly take back their citizens will face consequences, including visa sanctions or tariffs.South Sudan had failed to respect the principle that every country must accept the return of its citizens in a timely manner when another country, including the US, seeks to remove them, US Secretary of State Marco Rubio said in a statement."Effective immediately, the United States Department of State is taking actions to revoke all visas held by South Sudanese passport holders and prevent further issuance to prevent entry into the United States by South Sudanese passport holders," Rubio said.

"We will be prepared to review these actions when South Sudan is in full cooperation," Rubio said.It is time for South Sudan's transitional government to "stop taking advantage of the United States," he said.South Sudan's embassy in Washington did not respond immediately to a request for comment.African Union mediators arrived in South Sudan's capital Juba this week for talks aimed at averting a new civil war in the country after its First Vice President Riek Machar was placed under house arrest last week.South Sudan President Salva Kiir's government has accused Machar, a longtime rival who led rebel forces during a 2013-18 war that killed hundreds of thousands, of trying to stir up a new rebellionMachar's detention followed weeks of fighting in the northern Upper Nile state between the military and the White Army militia.

At least 16 dead as powerful storm sweeps across US from Texas to Ohio

world. Another round of torrential rain and flash flooding came Saturday for parts of the South and Midwest already heavily waterlogged by days of severe storms that also spawned deadly tornadoes. Forecasters warned that rivers in some places would continue to rise for days.

Day after day of heavy rains have pounded the central US, rapidly swelling waterways and prompting a series of flash flood emergencies in from Texas to Ohio. The National Weather Service said dozens of locations in multiple states were expected to reach what the agency calls "major flood stage", with extensive flooding of structures, roads, bridges and other critical infrastructure possible.At least 16 weather-related deaths have been reported since the start of the storms, including 10 in Tennessee.A 57-year-old man died Friday evening after getting out of a car that washed off a road in West Plains, Missouri. Flooding killed two people in Kentucky - a 9-year-old boy swept away that same day on his way to school, and a 74-year-old whose body was found Saturday inside a fully submerged vehicle in Nelson County, authorities said.Also Saturday a 5-year-old died at a home in Little Rock, Arkansas, in a weather-related incident, according to police. No details were immediately provided.Tornadoes earlier in the week destroyed entire neighbourhoods and were responsible for at least seven of the deaths.And

interstate commerce is affected - the extreme flooding across a corridor that includes the major cargo hubs in Louisville, Kentucky, and Memphis could lead to shipping and supply chain delays, said Jonathan Porter, chief meteorologist at AccuWeather.The outburst comes at a time when nearly half of NWS forecast offices have 20% vacancy rates after Trump administration job cuts - twice that of just a decade ago.

Louisville Mayor Craig Greenberg said Saturday that the Ohio River rose 5 feet (about 1.5 meters) in 24 hours and would continue to swll for days.

"We expect this to be one of the top 10 flooding events in Louisville history," he said.FLASH FLOOD THREAT LOOMS OVER MANY STATES

Flash flood emergency and tornado warnings continued to be issued Saturday across Arkansas, Mississippi, Tennessee and Kentucky, with more heavy rains and damaging winds in the mix. All of eastern Kentucky was under a flood watch through Sunday morning.Hundreds of Kentucky roads across the state were impassable because of floodwaters, downed trees or mud and rock slides.Downtown Hopkinsville, Kentucky, reopened in the morning after floodwaters from the Little River receded, giving a much-needed reprieve, but still more rainfall was on its way, Mayor James R. Knight Jr. said."We got a little rain, but most of it went north of us," Knight said. "Thank goodness on that. Gave us a little break."

Hands Off!' protests: Thousands unite across US to oppose Trump and Musk's policies

Boston. Tens of thousands of protesters took to the streets across the United States on Saturday to express their anger over President Donald Trump's administration and its contentious policies.The "Hands Off!" protests, the largest day of demonstrations in the opposition movement so far, were organised at over 1,200 locations across all 50 states. The rallies were supported by more than 150 groups, including civil rights organisations, labour unions, LGBTQ+ advocates, veterans, and election activists.

All About 'Hands Off!' Protests

The Hands Off! protests are a series of demonstrations organised to express dissatisfaction with the Trump administration's policies, particularly federal layoffs, mass deportations, and other controversial actions.Protesters argue that Donald Trump and Elon Musk are taking resources that don't belong to them, and they're challenging the world to stop them. The key issues that are covered under this movement include: the reduction of government agencies, cuts to healthcare programs, and restrictions on transgender rights.The movement is also strongly opposed to the treatment of immigrants and mass deportations.Hands Off Rallies Across the US

From the National Mall in Washington DC to the heart of Manhattan and Boston Common, demonstrators on Saturday voiced their discontent with Trump's and Elon Musk's actions on a wide range of issues including reduction of government agencies, cuts to healthcare programs, the treatment of immigrants, and restrictions on transgender rights.In Seattle, protesters held up signs with phrases like "Fight the oligarchy" while expressing outrage over the administration's moves to fire federal workers and limit protections for vulnerable communities.Musk, who is an adviser to Trump and heads the newly created Department of Government Efficiency, has been a focal point for protestors, with critics accusing him of prioritizing corporate interests over the American people.Kelley Robinson, president of the Human Rights Campaign, condemned the administration's treatment of the LGBTQ+ community, speaking at the rally on the National Mall.

She emphasised that the attacks were not just political, but personal, targeting families and communities.In Boston, protesters rallied against cuts to Social Security, holding signs that read "Hands off our democracy" and "Hands off our Social Security." Mayor Michelle Wu also voiced her concerns, stating that she did not want her children to grow up in a world where government intimidation and divisive tactics were the norm.

UK Prime Minister to declare end of globalisation amid Trump's trade war: Report

world. Following US President Donald Trump's protectionist measures - such as tariffs and the 'America First' policy - UK Prime Minister Keir Starmer is scheduled to make an address on Monday, declaring that the era of globalisation is over.The UK Prime Minister is all set to announce that globalisation - which began with the fall of the Soviet Union in 1991 - has caused disappointment to millions of voters as Trump's unprecedented 10 per cent "baseline" tariffs slipped the global markets into uncertainty, the Times reported.According to a report by the Times, Starmer is also expected to acknowledge that he understands his US counterpart's focus on economic nationalism. Citing a senior UK official, the outlet reported that while the Starmer administration does not agree with Trump's extreme measures, it admits that a new era has begun - one in which many support the US President's approach.Globalisation doesn't work for a lot of working people. We don't believe trade wars are the answer. This is a chance to show that there's a different path," Starmer said, as reported by the Times.

As Trump moves to remove trade barriers, Starmer,

according to The Times, has acknowledged that with increased competition as a result, countries will look inward to boost productivity and ramp up domestic production through supply-side reforms.Aligning with Starmer's outlook, HSBC chief Sir Mark Tucker echoed a similar sentiment, saying that globalisation "may have now run its course."Addressing the bank's global investment summit in Hong Kong last month, Sir Tucker predicted that amid rising global tensions and Trump's aggressive trade policies, the world is likely to split into smaller regional blocs or clusters where strong trade ties may emerge, The Financial Times reported.

Declaring a national emergency, Trump, on April 2, announced "reciprocal" tariffs on countries which slap a higher levy on US imports and a 10 per cent baseline tariff."To all of the foreign presidents, prime ministers, kings, queens, ambassadors and everyone else who will soon be calling to ask for exemptions from these tariffs, I say, 'Terminate your own tariffs, drop your barriers,'" Trump said."April 2, 2025, will forever be remembered as the day American industry was reborn, the day America's destiny was reclaimed, and the day that we began to make America wealthy again," Trump went on.

Even as the EU responded with retaliatory tariffs, the UK adopted a "pragmatic approach" and got off lightly, facing only a 10 per cent baseline tariff.

Maryland lawmakers pass bill to limit liabilities from sexual abuse claims

UPDATED. Maryland lawmakers passed a measure Saturday to try to limit future liabilities from claims of sexual abuse at state and private institutions after thousands of people unexpectedly came forward with allegations of abuse, many of them in youth detention centers, putting potentially billions of dollars at stake for the state.The wave of cases targeting the state's juvenile justice system resulted after Maryland eliminated the statute of limitations for child sexual abuse claims two years ago with the Catholic Church abuse scandal in mind.The measure, which now goes to Gov. Wes Moore, reduces caps on settlements from $890,000 to $400,000 for cases filed after May 31 for state institutions and from $1.5 million to $700,000 for private institutions. It also changes the 2023 law to only allow each claimant to receive one payment, instead of being able to collect for each incident of abuse.In California on Friday, Los Angeles County officials announced they had reached a $4 billion agreement to settle nearly 7,000 claims of sexual abuse in juvenile facilities since 1959.Other private and public entities have been rocked by allegations of wide-ranging abuse and subsequent settlements.The agreement in California, which still needs a county board's approval, far surpasses a $2.6 billion settlement reached in 2022 with Boy Scouts of America, which recently renamed itself Scouting America. That settlement involved more than 80,000 men who said they were molested as children by scouting leaders and others.Maryland state Sen. Will Smith, who chairs the Senate Judicial Proceedings Committee, said it has been estimated that Maryland is facing a potential liability between $3 billion and $4 billion.Smith, a Democrat, noted that lawmakers approved the 2023 Child Victims Act in response "to a long fight to have justice for victims of child sex abuse, where our prior framework barred some of those claims if you were above the age of 38.""But what we could never have anticipated was just the sheer volume of cases that ensued," Smith said.During debate Saturday, lawmakers said about 1,500 cases already have been filed. In addition, another 4,500 cases are known

about, lawmakers said, and attorneys for plaintiffs have been in settlement discussions with Maryland Attorney General Anthony Brown's office.Sen. Justin Ready, a Republican who is the Senate minority whip, said the state liability could potentially be even higher than the estimate cited by Smith."We just spent all session wrestling with a $3 billion deficit, which is a huge deficit, and we've been fighting about that and debating it discussing it Just one settlement from this very well could end up being that entire amount, and that is not the end of this," Ready said.Sen. Chris West said he doubted the provision in the bill that would limit someone to only sue for one individual case, rather than for each incident of abuse, would survive a court challenge, based on prior rulings by the Maryland Supreme Court."If the Supreme Court follows the guidance of prior Supreme Court decisions, they will hold that our attempt to deny people the right to file cases to recover for multiple occurrences is unconstitutional, because those rights for the past two years have been vested," West, a Republican, said. "The people have had the right to file those cases."Smith told reporters on Friday that he believed a settlement "is the optimal solution here.""We're hoping that the attorney general and the plaintiffs can get together and work out a settlement," Smith said.

NEWS BOX

IPL 2025: Mumbai Indians tease Jasprit Bumrah return ahead of high-profile RCB clash

New Delhi Fast bowler Jasprit Bumrah has joined the Mumbai Indians squad ahead of the team's clash against Royal Challengers Bengaluru. The franchise revealed the development to its fans on Sunday, April 6, a day ahead of the high-profile clash.Sources have told Sports Today that Bumrah joined the side on Saturday and has already gone through match simulation on his return. The pacer might feature against Royal Challengers Bengaluru in Mumbai in case everything goes well on Sunday.The star fast bowler has not featured in any game since the final Test match of the Border-Gavaskar Trophy, where he was forced to leave the match midway due to a back injury. He missed the white ball series against England after that as well as the Champions Trophy 2025.

Bumrah's return will bring a huge reprieve to Mumbai, who have been found wanting in the Indian Premier League so far. In the absence of their star pacer, Mumbai have lost three of their first four games. Their only win came at home against Kolkata Knight Riders

where Trent Boult, Deepak Chahar and rookie Ashwani Kumar combined to put up a fabulous performance.

Mumbai lost their last match in the IPL against Lucknow Super Giants, away from home, Hardik Pandya and Tilak Varma failed to chase down 204-run total at the Ekana Stadium in Lucknow. At the moment, MI have returned home, where they will take on RCB on Monday.

Stay updated on IPL 2025 with India Today! Get match schedules, team squads, live score, and the latest IPL points table for CSK, MI, RCB, KKR, SRH, LSG, DC, GT,

SRH vs GT, IPL 2025: Travishek duo won't tone down aggression, says assistant coach

- SunRisers Hyderabad have lost three of their first four matches
- Travis Head and Abhishek Sharma haven't fired in unison
- SRH's batting, which fired last season, has failed in their last three games

New Delhi SunRisers Hyderabad assistant coach Simon Helmot has underlined that the big-hitting side will not deviate from their aggressive approach despite a challenging start to the IPL 2025 season. Helmot backed Travis Head and Abhishek Sharma to persist with their attacking style at the top of the order, even though results have not gone their way so far, unlike the previous campaign.SunRisers redefined big-hitting during their run to the final last year, regularly posting scores in excess of 250. They notched up totals of 287, 277 and 266 - three of the top six highest scores in IPL history. They picked up where they left off this season, smashing 286 against the Rajasthan Royals in their IPL 2025 opener.

"The plans will be very similar. We've had great success at home, winning six of our last eight matches. The last couple of games haven't gone our way, but we're looking forward to playing a positive brand of cricket. We're confident in our game. We've got a good captain, and we're well led," Helmot said on Saturday.

HEAD AND ABHISHEK WON'T CHANGE: HELMOTHowever, since the high of the season opener, the batting momentum has stalled. Against Lucknow at home, SRH posted 190 - a total that was chased down in just 16.1 overs. Against the Delhi Capitals in Hyderabad, they managed only 163, which was chased down in 16 overs as well.

SunRisers were comprehensively beaten by 80 runs in their most recent outing in Kolkata, bowled out for just 120 in pursuit of 201.Head and Abhishek were instrumental to SRH's power-hitting displays last season. But the duo have yet to fire in unison this year. While Head began IPL 2025 with a 67, he hasn't crossed the fifty-run mark since. Abhishek, meanwhile, has scored just 33 runs in four matches.

"There's pressure every time you step onto the field - whether you've had past success or are playing a new game. Both Abhi and Trav have been brilliant together. We're still backing them to maintain their aggressive intent at the top. We've had some good reflections since arriving here in Hyderabad," Helmot added.

'300 CHATTER OUTSIDE NOISE'

Ahead of the season, SRH were tipped by pundits and fans to become the first team in IPL history to breach the 300-run mark.

When asked if that external hype had increased pressure on the squad, Helmot responded: "There's always pressure on teams, but we don't feel any added pressure. The talk around a 300-plus score is just outside noise - it's not something we discuss internally. Our batting hasn't clicked in the last couple of matches, but we're focused on rediscovering the form we showed in the first match and throughout most of last season."SunRisers are now in desperate need of a win, having secured just one victory from their opening three fixtures.

Max Verstappen wins his 4th straight Japan Grand Prix. Norris, Piastri finish 2nd and 3rd.

- Max Verstappen wins Japan GP
- Verstappen beats Lando Norris and Oscar Piastri
- This is Verstappen's 4th straight win in Japan

New Delhi. Red Bull's Max Verstappen saw off the pressure from both McLarens to win his fourth straight Japanese Grand Prix. Verstappen put in an incredible drive on Sunday, April 6, to become the first man to win the Japan GP four times in a row.

Lando Norris finished second and saw his lead over Verstappen in the drivers' championship slashed to one point, while his McLaren teammate Oscar Piastri rounded out the podium in third place on his 24th birthday. Verstappen's new partner at Red Bull - Yuki Tsunoda finished 12th in the race, 5 positions ahead of Liam Lawson, who was axed from the team's seat ahead of this race.

IT'S MAX VERSTAPPEN IN JAPAN

In the final moments of the race, Verstappen saw off pressure from both McLaren's behind him, who were gaining on the Dutchman owing to their superior car. However, Max secured the win by finishing 1.423 seconds ahead of Norris, who was expected to finish on top today.Red Bull's victory was set up by Verstappen's unprecedented pole earlier on Saturday. He beat his close friend Lando Norris by just 0.012 seconds in what was described as a near-perfect lap in Suzuka. Max went flat out in the final lap of the qualifying session on Saturday, breaking very late ahead of the final chicane in Suzuka. The late breaking saw him post a lap time which helped him start from pole.Behind Verstappen, Lando and Piastri, it was only Mercedes who were able to finish together. George Russell and Kimi Antonelli finished 5-6, behind Ferarri's Charles Leclerc.Lewis Hamilton finished 7th in the race, 29 seconds behind winner Verstappen. Rookie Isack Hadjar (Racing Bulls), Williams'Alex Albon and Haas' Ollie Bearman finished 8,9, and 10 respectively.

SRH vs GT: Shubman Gill and Ishan Kishan hilariously rate 'batter' Mohammed Siraj

New Delhi. Sunrisers Hyderabad batter Ishan Kishan and Gujarat Titans skipper Shubman Gill were seen laughing ahead of the clash between the two sides in IPL 2025 on April 6, as the two rated Mohammed Siraj's batting skills in the GT nets session. Both close friends, Gill and Kishan were seen playfully hyping up GT pacer Siraj as he practised his batting skills ahead of their Sunday clash at Hyderabad.Both Shubman Gill and Ishan Kishan reunited during the training session of both GT and SRH at the Rajiv Gandhi International Stadium in Hyderabad, and they marked a fun moment watching Siraj bat, which was then reposted by GT's official social media handle.GT have recovered strongly from their season opener defeat to Punjab Kings, beating both Mumbai Indians and Royal Challengers Bengaluru in the following two matches, which will put them high on confidence when facing SRH at their home ground. Meanwhile, things have been

Mohammed Siraj has been exceptional, don't be quick to judge: Vikram Solanki

New Delhi. Vikram Solanki, the Director of Cricket Operations at Gujarat Titans, heaped praise on Mohammed Siraj, saying that one shouldn't be quick to judge players on the basis of one or two bad performances. After making a move from the Royal Challengers Bengaluru (RCB), Siraj made a torrid start to his stint for GT after figures of 4-0-54-0 against Punjab Kings (PBKS).But since then, Siraj has been exceptional, to say the least. He helped the Titans beat the Mumbai Indians (MI) after the speedster had figures of 4-0-34-2. Siraj didn't let his team down against his former team, RCB, at the M Chinnaswamy Stadium in Bengaluru after he performed with figures of 4-0-19-3.

'Sometimes we're very quick to judge'

Before the clash against Sunrisers Hyderabad (SRH) on Sunday at the Rajiv Gandhi International Stadium, Solanki lauded Siraj for being exceptional for them.IPL 2025 Coverage | IPL Points Table | IPL Schedule

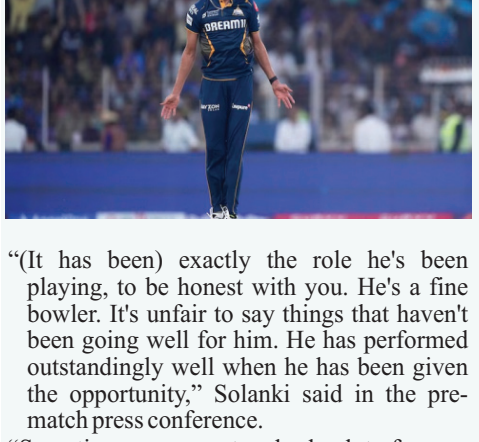

"(It has been) exactly the role he's been playing, to be honest with you. He's a fine bowler. It's unfair to say things that haven't been going well for him. He has performed outstandingly well when he has been given the opportunity," Solanki said in the pre-match press conference.

"Sometimes we expect and ask a lot of young cricketers and somebody that has achieved as much as Siraj has. Sometimes we're very quick to judge one or two performances, but he has been exceptional certainly since he has joined us," Solanki added.

In the ongoing IPL edition, Siraj has taken five wickets from three games at an economy rate of 8.91. He is also two wickets short of reaching the landmark of 100 wickets in the T20 tournament.The Titans are currently placed fourth in the table with four points and a net run rate of 0.807.Stay updated on IPL 2025 with India Today! Get match schedules, team squads, live score.

SRH vs GT Match Preview, IPL 2025: Can composed Gujarat make life worse for Hyderabad

New Delhi. Sunrisers Hyderabad, at their home ground at the Rajiv Gandhi Stadium in Hyderabad, will have the chance to flip their fate, which has been rather dire in the ongoing Indian Premier League (IPL) 2025, but their challenge is up against a confident-looking Gujarat Titans on April 6. While SRH will be walking into the high-value clash under considerable pressure after three defeats on the trot, GT will be hoping to ideally extend their form after winning their last two matches.While SRH had built a reputation for themselves for being a terror to bowling attacks in the IPL for their aggressive batting style, much of the same has become their biggest concern in the ongoing season. Although SRH started off the season in their usual element, putting up 286 against Rajasthan Royals and ultimately beating them by 50 runs, things have gone downhill for the Pat Cummins-led side ever since. The side has lost 3 back-to-back matches against Lucknow Super Giants, Delhi Capitals and Kolkata Knight Riders, and in all of them, the side has been increasingly left disappointed by their star-studded batting unit. As they go up against a strong bowling unit like that of GT, featuring the likes of an in-form Mohammed

Siraj, Prasidh Krishna, Sai Kishore and Rashid Khan — SRH will yet again be tested to their core.On the other hand, GT have recovered strongly from their season opener defeat to Punjab Kings, beating both Mumbai Indians and Royal Challengers Bengaluru in their following two matches, which will give them an edge when it comes to confidence over the likes of SRH. With their batting unit featuring the likes of Shubman Gill, an in-form Sai Sudharsan and even Jos Buttler, complimented by their successful bowling combination, they will be looking to turn 3 to 4 wins with as much composure as possible.

HEAD-TO-HEAD: SRH vs GT

Apart from their confidence due to their performance this season, GT also have an edge over SRH when it comes to their head-to-head tally. In their 5 matches so far across the last two seasons, GT have a 3-1 lead with their last match in IPL 2024 getting abandoned due to rain.

Team News: SRH vs GT

GT were dealt a big blow after their experienced South Africa pace star Kagiso Rabada exited IPL 2025 after just two matches and returned home due to personal reasons. However, the Shubman Gill-led side have enough firepower in their arsenal to replace Rabada with, with his South Africa teammate Gerald Coetzee looking the more likely solution.

entirely opposite for SRH. The Pat Cummins-led side started their season in the most fiery fashion after scoring 286 against Rajasthan Royals and ultimately winning the clash by 44 runs—only to lose their following three matches against Lucknow Super Giants, Delhi Capitals and Kolkata Knight Riders.When it comes to the performance of the duo respectively, Ishan Kishan started off his IPL 2025 campaign with an unbeaten 47-ball 106 against RR, but then scored 0, 2, 2 against LSG, DC, KKR respectively. Meanwhile, Shubman Gill has faced a subtle start to his IPL 2025 campaign, scoring a total of 85 runs in his 3 matches and his highest coming in his 38 against Mumbai Indians.

While SRH and GT clash at Hyderabad, both Ishan Kishan and Shubman Gill will be in focus for the big match.

MS Dhoni talks batting with DC's Ashutosh Sharma after Chepauk clash

Delhi Capitals batter Ashutosh Sharma took to Instagram to share a glimpse of his interaction with Chennai Super Kings star-man MS Dhoni after the Chepauk clash between the two sides. Although Ashutosh was dismissed for 1 against CSK, he has been key to DC's success in IPL 2025.

New Delhi. Chennai Super Kings star-man MS Dhoni and Delhi Capitals batter Ashutosh Sharma were seen chatting in the CSK dressing room after the Chepauk clash between the two sides in the Indian Premier League (IPL) 2025 on April 5. Despite CSK suffering their third defeat on the trot this season after the loss to DC, MS Dhoni took out time to interact and apparently talk some batting skills with Ashutosh Sharma, who had already shared his admiration for Dhoni in the past.As DC kept their unbeaten record running with a 25-run win over CSK at Chepauk on Saturday, Ashutosh made the most out of his opportunity to interact with Dhoni after the match, and even shared glimpses of the interaction via his official Instagram handleAlthough Ashutosh was only dismissed for 1 run in the Chepauk clash by a run-out from CSK star Ravindra Jadeja, his form in the side's season opener against Lucknow Super Giants, where he scored a match-winning 66, had only set expectations high for him amongst fans for this year.Previously, during an interview with PTI, Ashutosh had revealed how Dhoni had shared some batting advice with him last season, but kept the contents of that discussion a secret."Yes, I did talk to him. When we had a match against CSK, I talked to him about the situation, how you would bat, what you think. He told me a lot of things. It's a secret," Ashutosh said.Despite Ashutosh failing to score big, DC batters, specifically KL Rahul with his 77 off 51, helped the side post 183 against CSK, which proved to be too much for the struggling Ruturaj Gaikwad-led side.

What's In Ananya Panday's Bag? The Actress Lets Us In On Her Must-Haves

The release of Akshay Kumar, R. Madhavan, and Ananya Panday's Kesari Chapter 2 is highly anticipated, and the recently released trailer has only added to the excitement. Among the many reasons fans are eager for the film, Ananya Panday's portrayal of Dilreet Gill—a character unlike any she's played before—has piqued particular interest.While her big-screen appearances continue to keep audiences hooked, Ananya recently gave fans a peek into her personal life during a special What's In My Bag segment with Hindustan Times. The actress revealed that her bag holds several essentials she needs, especially given her frequent travel schedule. From a pouch full of rubber bands to a scarf for chilly days or surprise style changes, her bag is well-stocked. Interestingly, Ananya also carries her grandmother's bangles—a sentimental keepsake that reflects her deep-rooted family bond and heritage.

Another addition? A dog toy for her two pets, Astro and Riot. When asked who she'd love to fit in her bag, Ananya adorably picked her sister Rysa, calling her her "favourite person ever." Despite the physical distance between them, the two share a close bond. In a light-hearted moment, Ananya joked that she'd prefer a "mute version" of Rysa—because she talks a lot—but the affection in her voice made it clear just how strong their friendship is.Meanwhile, Kesari Chapter 2, starring Ananya Panday, is set to release on April 18.

The film explores the untold aftermath of the horrific Jallianwala Bagh massacre in Amritsar. Akshay Kumar takes on the role of Sir C Sankaran Nair, a fearless barrister who challenged the British Empire in the 1920s, seeking justice for the victims. He faces off against R Madhavan, who plays a lawyer representing the British side. Ananya Panday plays Dilreet Gill, a trailblazing female lawyer who defies societal norms by standing up for Indian voices in a courtroom dominated by men. The trailer paints a powerful picture of resistance, highlighting the humiliation and injustice endured by Indians under colonial rule. The film is directed by Karan Singh Tyagi and produced by Dharma Productions, Cape of Good Films, and Leo Media Collective.

Priyanka Chopra Or Alia Bhatt? Ma Anand Sheela Responds To Who Would Play Her In Biopic

Ma Anand Sheela is a prominent public figure of the 80s who formerly assisted spiritual leader Acharya Rajneesh, AKA Osho. After the documentary Wild Wild Country was released on Netflix in 2018, Sheela piqued the interest of the filmmakers who wanted to make films based on her life. Now, in a conversation with Pinkvilla, she revealed her preferred actress, between Alia Bhatt and Priyanka Chopra, who she would want to play her powerful character in the movie made based on her life.

During the interaction, she revealed that filmmaker Shakun Batra, who directed movies like Kapoor & Sons and Gehraiyaan, was planning to make a commercial movie on her life. But it didn't happen because they were unable to gather funds to back the project.

Responding to which Bollywood actress should play her part in the yet-to-be-made movie, Ma Anand Sheela stated that she would have chosen Alia Bhatt over Priyanka Chopra. But since they have no money now, she is uncertain about the future of the project.

Sharing her thoughts on the rumours that say Priyanka Chopra Jonas was about to play her character in a movie, the 75-year-old revealed, "No, she announced she wanted to play the part of Sheela, but she had not asked me. That was the problem, and I wasn't happy. One should ask, 'How do you feel about it? I am going public with this news, do you agree or accept it?' But today, I can tell you, it doesn't matter, Priyanka (Chopra) can also play my part."As for Alia, Sheela stated that she hasn't watched any Bollywood movies. However, she did see a scene or two from one of Alia's films, and that's when she told her sister that the National Award-winning actress was the best fit to play her role.

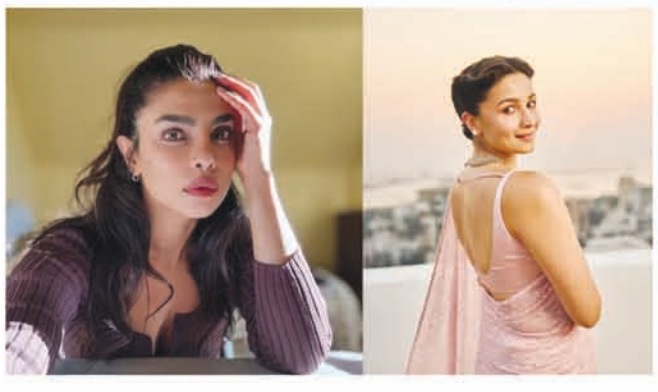

Sheela revealed how she looked like Alia in her earlier days.Upon realising this, Sheela quickly called filmmaker Batra and highlighted this aspect. Her sister also nodded at the fact, and she concluded that the Gangubai Kathiawadi actress should be playing her role.

Rupali Ganguly's Stepdaughter Esha Verma Calls Her 'Villain' On Birthday: 'Cheers To The Antagonist...'

On Anupamaa actress Rupali Ganguly's 48th birthday, her stepdaughter Esha Verma shared a post for her. However, it was far from celebratory. In a scathing birthday tribute, Esha called her stepmom the 'antagonist' of her story, amid their ongoing feud. For the unversed, Esha had accused Rupali of breaking her parents' marriage. She also alleged that the actress mistreated her and her mother. Post the allegations, Rupali filed a defamation suit against Esha.Now, as Rupali is celebrating her birthday, Esha Verma shared an Instagram story for her, in which she raised a toast to the 'villain' of her life. While she did not directly mention the Anupamaa actress' name, Esha wrote, "One last birthday post for today… Some birthdays deserve a toast- even if it's to the villain." She further added, "Cheers to the antagonist of the story." The picture shared by her shows Snow White in the centre, and the Evil Queen offering the cursed apple to her. Check out her post for Rupali below.

Clearly, Rupali and her stepdaughter Esha Verma's feud is far from over. Meanwhile, just yesterday, Esha shared an Instagram story, in which she wrote, "They tried to twist my story. But I'm a US citizen. I'm protected. I'm free. And people are starting to see the truth." Have a look.

What Is Rupali Ganguly And Esha Verma's Feud All About?

The controversy erupted last year after an old 2020 post from Esha resurfaced on social media, and went viral. In the post Esha made serious allegations against Rupali Ganguly, accusing her of breaking Ashwin K Verma's earlier marriage. She also alleged that Rupali would threaten Esha and her mother. The matter quickly grabbed media attention, post which Ashwin issued a statement, clarifying that Rupali had nothing to do with his divorce.Esha also claimed physical, mental and verbal abuse at the hands of Rupali. Following these accusations, Rupali Ganguly slapped Esha Verma with a legal notice for defamation, demanding a compensation of Rs 50 crore for allegedly maligning her character.

RJ Mahvash Cheers For Yuzvendra Chahal In New Video Amid Dating Rumours: 'Wicket Toh Le Hi Lega'

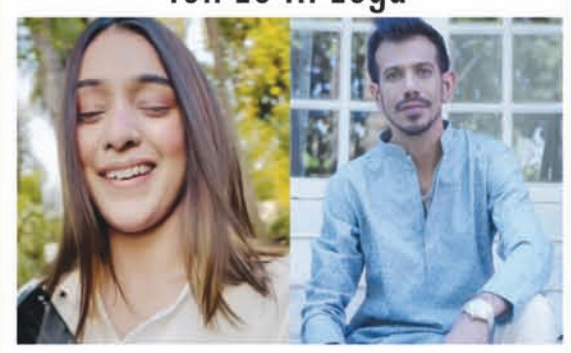

Ever since Yuzvendra Chahal parted ways from Dhanashree Verma, his dating rumours with RJ Mahvash have been making headlines. The two are often spotted together and are rumoured to be in a romantic relationship. Amid all this, Mahvash took to her Instagram handle on Saturday and dropped a video in which she was seen cheering for Chahal.In the promotional video, Mahvash was seen promoting a mobile application when she talks about creating a cricket team. In the end of the video, Mahvash said, "Team banao aur paisa kamao, wicket toh Chahal le hi lega." Watch the video here:

Is RJ Mahvash Dating Yuzvendra Chahal?

Mahvash and Chahal's dating rumours first made headlines in December 2024 when the former shared a picture on her Instagram handle in which she was

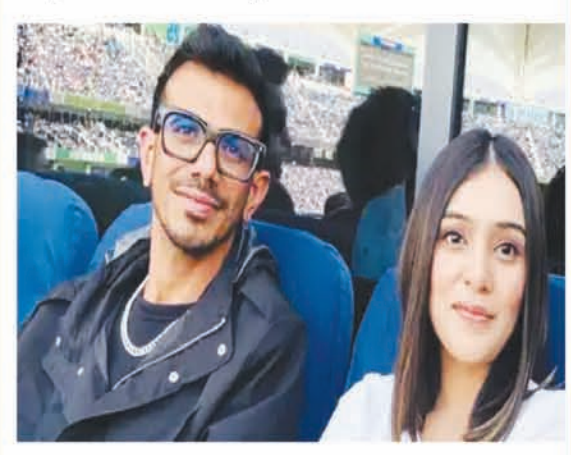

seen celebrating Christmas with the cricketer and her friends. Later, Chahal was also spotted with a mystery girl, who netizens claimed was none other than Mahvash. Most recently, the two also attended the Champions' Trophy match in Dubai and their photos and videos from the stadium are all over social media.However, in a long post on Instagram previously, Mahvash lashed out at those linking her to Chahal. Dismissing their dating rumours, Mahvash had said, "Some articles and speculations have been circulating around the internet. It's literally funny to see how baseless are these rumours. If you get SEEN with an opposite gender, so you are dating that person? I am sorry what year is this? And how many people are you all dating then? I have been patient since 2-3 days now but I won't let any PR teams drag my name into this to cover up other people's image. Let people live in peace with their friends and family in tough times."